जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 29 नवम्बर, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

रियल एस्टेट ही रियल एसेट है
सोना तो रेनियम पाउडर वाला भी हो सकता है।



FLAT STARTS ~~74 Lacs~~ @64 Lacs | KOTHI STARTS ~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

केडिया सेज़स्थान में पूरे
10 लाख की छूट
सिर्फ़ 2 दिन बाकी

दैनिक भास्कर जयपुर 17-11-2026

भास्कर इन्वेस्टिगेशन | रिपोर्टर ने चीन से मंगवाया रेनियम, मिलावट कराकर गहना बनवाया, 22 कैरेट की शुद्धता आई, जबकि 20 कैरेट होना था

सोने में अदृश्य मिलावट... 7.8 ग्राम सोने में एक ग्राम रेनियम पाउडर मिलवाया, बढ़कर 8.8 ग्राम हुआ, न हॉलमार्किंग मशीन पकड़ पाई, न ही कोई सुनार

चीनी एजेंट से संपर्क किया तो भारत में ही दलाल बताए

हॉलमार्क सहित 6 जांच कराई, चांदी-तांबा-जस्ता मिला पर रेनियम नहीं

मुंबई से मंगवाया रेनियम

आठ बनवाई, मशीन मिलावट नहीं पकड़ पाई

पूरी खबर का वीडियो देखने के लिए अपने मोबाइल फोन से इस QR कोड को स्कैन करें।

दिसंबर तक 2 करोड़ की होगी कोठी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	ACTUAL PRICE	CLEARANCE SALE PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	74 Lacs	64 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	84 Lacs	74 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	92.5 Lacs	82.5 Lacs
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.18 Cr	1.08 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.41 Cr	1.31 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.85 Cr	1.75 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com | www.kedia.com | 78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

KEDIA™ Pavitra

अपनों को पवित्र खिलायें

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

आटा, सूजी, दलिया, बेसन, सत्तू, गेहूँ



दाल, चावल, पोहा



क्रायोजेनिक ग्राइंडेड मसाले



काजू, बादाम, खजूर, पिस्ता, मखाने



सिलीगुड़ी चाय



कोल्ड प्रेस्ड सरसों तेल, ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल



जयपुर में आपके नज़दीकी सुपरमार्केट

MADHYAM MARG, MANSAROVAR MANGALAM DEPARTMENT STORE 9461357832	KIRAN PATH, MANSAROVAR RAMESH KIRANA STORE 9829185192	VT ROAD, MANSAROVER MANGALAM DEPARTMENT STORE 9782207402	HARNATHPURA, JHOTWARA NR MART 9829016957	JAGANNATHPURI A, JHOTWARA K B MART 7240219183	RAVANGATE, KALWAR ROAD N R MART 9829016857	GOVINDPURA, KALWAR ROAD BR MART 9351171700	100 FT ROAD, KALWAR ROAD RAMA STORE 9314295381	MANGLAM CITY, KALWAR ROAD SUNDA MARTS PRIVATE LIMITED 8058616296	SUSHANT CITY-1, KALWAR ROAD YAVNARI MART 7737117591	
MANGLAM CITY, KALWAR ROAD OM SHRI MEGA STORE 9216921491	MANGLAM CITY, KALWAR ROAD RATHORE MART & GROCERY STORE 9166240592	GOVINDPURA ROAD KESHAV KIRANA STORE 9269732855	NIWARU ROAD RMG MART 9929093498	GURJAR KI THADI SHRI KESHAV RAJ DEPARTMENT 9256144216	MAHESH NAGAR DAMINI KIRANA STORE 9460067499	GOPALPURA MOD SHREE RAM DEPARTMENT STORE BASANT BAHAR, 9660058330	DURGAPURA S K MART 9828534812	CHANDPOLE BAZAR SHANU DUBAI, SHOP NO. 23 9828159822	CHANDPOLE BAZAR GOYAL STORE, SHOP NO. 11 9314886545	CHANDPOLE BAZAR RAMCHAND DAS AND COMPANY NEAR HANUMAN MANDIR, 9314507300
NEAR AASRA APARTMENT, MAHAPURA APNA MINI MART 6350662269	MAHAPURA SUN 2 MOON SUPERMARKET 9799930400	MAHAPURA O'LIYO GROCERS ASHIYANA PLAZA, 6377296548	VATIKA DISCOUNT MART 78778 77770	SHRI RAM KI NANGAL, MAIN VATIKA ROAD RIYA AGENCY 7737370260	KATEWA MANSION, SHASTRI NAGAR KAMDHENU SHOPPING CENTRE 8079013448	NEAR GALAXY HOSPITAL, SHASTRI NAGAR MITTAL PROGENY STORE 7878769368	RAJA PARK KUSHAL STORE 9414303577	RAJA PARK CHHABDA STORE 7014449840	NARAYAN VIHAR SAMRIDDHI RETAIL 7073666459	SIDDHI NAGAR, SANGANER SARTHI RETAIL PVT LTD 9024851311
CIVIL LINES AGARWAL DEPARTMENT STORE 9928483116	SHARMA BUILDING, M I ROAD EMPIRE STORE AGENCIES 9351369999	G-37, GANPATI PLAZA GOYAL STORE 9782994023	PURANI CHUNGI, AJMER ROAD GOVIND STORE 9694353725	22 GODAM SHRI KRISHNA DEPARTMENTAL STORE 7374076370	PASCHIM VIHAR, VAISHALI NAGAR PARNAMI SUPER MARKET 9116687350	VINOBA BHAVE NAGAR, VAISHALI NAGAR SWASTIK MART 7383123523	NEMI NAGAR, BLOCK A , VAISHALI NAGAR SDS MART 7737779971	BAJRI MANDI BIG BAZAR RETAILER 8209326216		
RANGOLI GARDEN DELECTABLE 9311007072	KEDIA'S THE KOTHI KEDIA PAVITRA STORE 9057880085	MAHARANA PRATAP ROAD KEDIA PAVITRA STORE 7688866333	KEDIA THE KOTHI, SIRSI ROAD SHRI SHYAM TRADING 8079036880	VARDHAMAN NAGAR, 200 FT ROAD META BIG BAZAAR 7891611111	JAISINGHPURA ROAD QUICK MART 9983110333	ASHADEEP KINGS COURT, JAGATPURA MINI STOP MART 8890004490	JAIRAMPURA, NINDAR B POSITIVE MART 9829136461			

नज़दीकी डिस्ट्रीब्यूटर:

SURAJPOLE MANDI, JAIPUR RAJ TRADING COMPANY 8766625507	PANIPECH, JAIPUR AMBUJAM 9929099298	RAILWAY STATION, JAIPUR VIJAYVERGIYA TRADERS 9828010084	KUKARKHEDA, JAIPUR SHREE SHYAM TRADING CO. 7891300946

सुपरमार्केट सप्लाई एवं डिस्ट्रीब्यूटर बनने के लिए संपर्क करें: 1800-120-2727

विचार बिन्दु

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी, आपति काल परखिये चारी। –तुलसीदास

अपनेपन में अपने होने की जगह

तुलसी और सनातन के आलोक में समकालीन जीवन तथा मानवीय मूल्यों पर हमारी साप्ताहिक अतिथि विचार-शृंखला 'तुलसी बब्बा कह गए हैं' का यह आठवाँ आलेख है। पुरी में श्रीजगन्नाथ के दर्शन के बाद हम कोणार्क की ओर निकले। समुद्र और सडक के बीच बालुखंड-कोणार्क का तटीय वन था। कहीं पेड़ों के पीछे जल छिप जाता, कहीं खुली जगह से उसका उजाला झाँकता।

वन के भीतर रुके तो रेत पर पत्तियों के बीच छोटे टूटे फल पड़े थे। उन्हें उलटते-पलटते मैंने एक पत्ती उठा ली। पुष्पा कुछ देर समुद्र का स्वर सुनती रहीं, फिर बोलीं, तुमें एक पत्ती मिल जाए तौ पूरी सभा बैठ जात है। हम सोच रए ते कि दो घड़ी चुपचाप बैठें।

मैंने पत्ती रख दी। सभा स्थगित।

स्थगित काए? तुम देखो, हम सुनें। हर बात दोई खों एकई सी नोनी लगे, तबई संग अच्छो कहाय का?

उनकी सहज बात ने प्रेम के भीतर की एक कठिनाई खोल दी। बरसों साथ रहने पर भी दूसरे की रुचि हमारी रुचि की प्रतिलिपि नहीं बनती। फिर भी आत्मीयता के नाम पर हम इतनी समानता चाहने लगते हैं कि अलग पसंद उपेक्षा लगने लगती है। यही इस कड़ी का प्रश्न है: आत्मीयता में दूसरे का स्वतंत्र व्यक्तित्व कैसे बचे?

मैंने कहा, शुरू में भिन्नता खींचती है। बाद में उसी को सुधारने का काम शुरू हो जाता है। दूसरे के मित्र, उसकी बातचीत, पढ़ने का समय, अकेले रहने की इच्छा, सब हमारे स्नेह की कचहरी में खड़े कर दिए जाते हैं। तब प्रेम प्रिय को देखना छोड़कर उसे अपने साँचे में ढालने लगता है।

पुष्पा ने तुरंत पकड़ा, पै सबई अपनी-अपनी करें, तौ संग को अरथ का बचो?

दाम्पत्य में तो पुष्पा का यह प्रश्न रोज़ के काम तक पहुँचता है। एक अपने मन का काम करने बैठा तो उस घड़ी घर का काम किसके हिस्से आया? किसी की स्वतंत्रता का खर्च चुपचाप दूसरा उठाए, तो वह बराबरी का संबंध नहीं। प्रश्न यह है कि साझा जीवन में निजी व्यक्तित्व कैसे खिले: जगह माँगने वाला अपनी जिम्मेदारी से न भागे, और निकटता चाहने वाला हर अंतर को अस्वीकार न समझे।

ऋग्वेद के विवाहसूक्त में हृदयों के मेल की प्रार्थना है:-

समञ्जन्तु विश्वे देवाः समापो हृदयानि नौ।
सं मातरिश्वा सं धाता समु देष्ट्री दधातु नौ॥
ऋग्वेद 10.85.47।

विश्वेदेव, जल, वायु और धाता से प्रार्थना है कि दोनों के हृदय एक-दूसरे से मिलें। यहाँ माँगा गया है हृदयों का मेल, पसंदों की एकरूपता नहीं। सच्चा मेल वह भी है जिसमें तुम्हारी बात मुझे पूरी समझ न आए, फिर भी तुम्हारे लिए उसका महत्त्व मैं मान सकूँ।

समुद्र की ओर से हवा आई। नीचे की झाड़ियों और ऊपर के वृक्षों पर उसका असर अलग था। इस तट पर सीधी कतारों में लगाए गए पेड़ भी हैं और बीच-बीच में बची देशज वनस्पति भी। अलग ऊँचाई, अलग जड़ें और अलग ऋतु में फूलने-फलने वाली प्रजातियाँ मिलकर रेत बाँधती हैं, पक्षियों को ठौर देती हैं, हवा का वेग तोड़ती हैं। जहाँ प्रकृति की विविधता बची हो, उसे साफ कतारों में बदल देना हर बार सुधार नहीं होता।

अब प्रेम में सोई बानिकी पढ़ाहौ? पुष्पा हँसीं।

वन तुम्हारे प्रश्न का प्रमाण नहीं, मैंने कहा। मनुष्य का संबंध उसकी इच्छा और उत्तरदायित्व से बनता है। पर वन को अपनी पसंद की शक्ल देने की उतावली और प्रियजन को अपने स्वभाव में ढालने की उतावली में एक आदत साझा है: दूसरे का अपना रूप हमें पर्याप्त नहीं लगता।

तुलसी की सीता केवल साथ चलने वाली मौन छाया नहीं हैं। वनगमन के समय राम उन्हें वन की कठिनाइयाँ गिनाते हैं और घर रहने को कहते हैं। सीता अपना पक्ष रखती हैं, और उनका प्रश्न जितना तीखा है, उतना ही आत्मीय:-

को प्रभु सँग मोहि चितवनिहारा। सिंघबधुहि जिमि ससक सिआरा॥
मैं सुकुमारि नाथ बन जोगू। तुम्हहि उचित तप मो कहुँ भोगू॥
रामचरितमानस, अयोध्याकाण्ड, दोहा 66-67 के बीच, चौपाई 4।

प्रभु के साथ रहते मुझे कौन टेढ़ी आँख से देखेगा, जैसे सिंहनी को खरगोश और सियार नहीं देख सकते? मैं सुकुमारी और आप वन के योग्य; आपके लिए तप और मेरे लिए भोग, यह कैसे उचित? सीता अपने सामर्थ्य और सहभागिता का दावा करती हैं। उनके प्रेम में तर्क है, संकल्प है, अपनी ओर से चुना हुआ साथ है। इसे हर स्त्री के लिए कष्ट सहने का आदेश बना देना उनकी आवाज खो देना होगा।

डर को पहचानेंगे, उसका उपहास नहीं करेंगे। पर डर होने से निगरानी उचित नहीं हो जाती। हर संदेश का हिसाब, हर मित्र पर संदेह और हर मौन की पूछताछ भरोसा नहीं बढ़ाती। अपनी आशंका कहना और सामने वाले को संदिग्ध बनाकर जीना दो अलग बातें हैं।

पुष्पा बोलीं, सीताजू की बात में संग चलबे की साध सोई है औ अपनी कहबे को बल सोई। दोई संगै रहें, तबई बात बनत है।

मैंने कहा, किसी की ओर से तय कर देना कि तुम नाजुक हो, तुमसे नहीं होगा, कई बार कोमल भाषा में कहा गया अविश्वास होता है। वास्तविक कठिनाई बताना जरूरी है, पर उसका उत्तर वही दे जिसके जीवन पर निर्णय पड़ेगा।

औ जो कोऊ संग न जाबो चाहे?

तो उसकी बात भी उतनी ही सुनी जाए। सीता के चुने हुए साथ का सम्मान तभी पूरा है, जब चुनने की क्षमता का सम्मान हो।

बात अब रुचि के भेद से आगे, प्रेम के आधार तक पहुँची। बृहदारण्यक उपनिषद् में याज्ञवल्क्य मैत्रेयी से कहते हैं:-

न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवत्यात्मनस्तु कामाय पतिः प्रियो भवति।
न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवत्यात्मनस्तु कामाय जाया प्रिया भवति।
बृहदारण्यक उपनिषद् 2.4.5।

संवाद का आशय आत्मा के ज्ञान की ओर ले जाना है। इसे इतना भर समझना कि पति-पत्नी स्वार्थ के लिए एक-दूसरे को चाहते हैं, अर्थ को छोटा करना होगा। उपनिषद् प्रियता का मूल आत्मतत्त्व में खोजता है। हमारे लिए इससे एक कठिन प्रश्न निकलता है: क्या मैं सामने वाले को अपनी सुविधा, प्रतिष्ठा या अकेलापन मिटाने का साधन भर मान बैठा हूँ? उसकी अपनी चेतना और आकांक्षा का मेरे प्रेम में कितना स्थान है?

पुष्पा कुछ देर चुप रहीं। फिर बोलीं, कभऊँ आदमी खो जाबे के डर सें सोई बाँधत है। ऊको का कहौगे?

डर को पहचानेंगे, उसका उपहास नहीं करेंगे। पर डर होने से निगरानी उचित नहीं हो जाती। हर संदेश का हिसाब, हर मित्र पर संदेह और हर मौन की पूछताछ भरोसा नहीं बढ़ाती। अपनी आशंका कहना और सामने वाले को संदिग्ध बनाकर जीना दो अलग बातें हैं।

गीता प्रिय भक्त के लक्षणों में मैत्री और करुणा के साथ निर्ममता को भी रखती है:-

अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्रः करुण एव च।
निर्ममो निरहङ्कारः समदुःखसुखः क्षमी॥
सन्तुष्टः सततं योगी यतात्मा दृढनिश्चयः।
मय्यर्पितमनोबुद्धिर्यो मद्भक्तः स मे प्रियः॥
श्रीमद्भगवद्गीता 12.13-14।

यह ईश्वरभक्त की साधना है। उसकी प्रेरणा हमारे संबंधों में उतरे, तो 'निर्मम' का अर्थ हृदयहीन होना नहीं, 'यह मेरा है' के अधिकारभाव से मुक्त होना समझ आता है। प्रियजन की हर प्रसन्नता का स्रोत हम ही हों, यह आवश्यक नहीं। उसके किसी स्वतंत्र आनंद में हमारी जगह न हो, तब भी उसके आनंद से हमें सुख मिल सकता है।

पर खुली जगह का अर्थ ऐसा बंद हो जाना भी नहीं कि दूसरा अनुमान लगाता रहे। हम कहाँ व्यस्त हैं, किस बात से प्रसन्न या उदास हैं, यह कहा जाए; पूछने का ढंग निगरानी का न हो, बताने का ढंग सफाई देने का न हो। ध्यान की कमी को स्वतंत्रता का नाम देना भी छल है।

तौ कछू बेरा अलग, कछू संगै तय कर लेओ, पुष्पा ने कहा। बात इत्ती कठिन नईंयाँ। अपने मन की साफ कहो, दूसरे की पूरी सुनो।

तुलसी सीता और राम की अभिन्नता को इस उपमान में रखते हैं:-

गिरा अरथ जल बीचि सम कहिअत भिन्न न भिन्न।
बंदउँ सीता राम पद जिन्हहि परम प्रिय खिन्न॥
रामचरितमानस, बालकाण्ड, दोहा 18।

वाणी और अर्थ, जल और लहर कहने को अलग हैं, पर अलग नहीं। यह दिव्य युगल की वंदना है, मनुष्यों के व्यक्तित्व मिटाने का विधान नहीं। और ध्यान दें, यह युगल खिन्न जनों को परम प्रिय मानता है। प्रेम भीतर जितना जोड़ता है, बाहर के दुख के लिए उतना ही हृदय खोलता है।

घर के काम का बँटवारा ऐसा हो कि दोनों को अपने लिए समय मिले। और अपने मन की बात कहने में किसी को यह डर न लगे कि इतने भर से साथ छूट जाएगा।

लौटने से पहले मैंने वह पत्ती फिर उठाई और पुष्पा को दिखाई। उन्होंने मुझे लहरों पर उतरता एक पक्षी दिखाया। थोड़ी देर उनके समुद्र में मेरा वन मिला, फिर दोनों अपनी-अपनी दृष्टि में लौट आए।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

परिसीमन पर सरकार अग्नि परीक्षा के लिए फिर से तैयार

30 नवम्बर को लोकसभा की विशेष बैठक से सुनाई दे रही है परिसीमन की आहट!



डॉ. योगेश शर्मा

परिसीमन भले एक संवैधानिक प्रक्रिया और भारत के संसदीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्रतिनिधि संस्थाओं लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं की सीटों की संख्या में वृद्धि के निर्धारण से जुड़ा हुआ विषय हो, इसके तकनीकी पक्ष और प्रभाव इसे भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण परंतु संवेदनशील मुद्दा बनाते हैं।

संविधान का अनुच्छेद 82 प्रत्येक जनगणना के पश्चात फिर से समायोजन की बात करता है और इसका संदर्भ दो प्रमुख बातों से रखा गया। पहला राज्यों को लोकसभा में सीटों का आवंटन और दूसरा प्रत्येक राज्य का प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन। प्रावधान यह भी रखा गया कि प्रत्येक जनगणना पूरी होने के बाद यह समायोजन उस तरीके से और उस प्राधिकारी के द्वारा किया जाएगा जैसा संसद कानून बनाकर निर्धारित करे गी और इसी के लिए संसद परिसीमन आयोग अधिनियम पारित करती है।

चूँकि भारत में जनगणना का संदर्भ प्रत्येक 10 वर्ष पश्चात होने और उसके पश्चात उसके परिणामों 'आंकड़ों' को आधार बनाने से था इसलिए पहली, दूसरी, तीसरी जनगणना के पश्चात क्रमशः 1952, 1962 और 1972 में परिसीमन आयोग बने और उन्होंने अपनी सिफारिशें भी की जिसके कारण लोकसभा और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं की सीटें उसी अनुपात में बढ़ती रही। भारत में राज्यों की भौगोलिक विविधता और जनसंख्या में अंतर के बावजूद यह प्रयास किया गया कि प्रत्येक निर्वाचित प्रतिनिधि एक निश्चित जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करे, चाहे विधानसभा हो या फिर लोकसभा, ले किन जनसंख्या की वृद्धि दर विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रकार की रही और इसी से सीटों की संख्या में अंतर दिखायी देता है। इसका सीधा सा अर्थ यह निकला कि जिस राज्य की जनसंख्या जितनी ज्यादा उसको लोकसभा में उतनी अधिक सीटें और उसकी विधानसभाओं का आकार भी उतना ही बढ़ा होगा। इससे प्रतिनिधित्व तो अधिक हो जाता लेकिन जनसंख्या वृद्धि भविष्य में संसाधनों का अभाव, जनसंख्या विस्फोट जैसी समस्याओं को विकराल कर देती, और परिवार नियोजन तथा जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य एवं प्रयास निष्फल हो जाते। साथ ही वे राज्य जो जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहन दे रहे थे उन्हें लाभ की बजाय हानि अधिक होने की संभावना थी।

अत: 1976 में 42वें संविधान संशोधन से यह प्रावधान किया गया कि 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं को जितना स्थान आवंटित हैं उनका अनुपात वर्ष 2000 तक वही रहेगा अर्थात वर्ष 2000 तक सीटों की संख्या अपरिवर्तित रखी गई। 84वें संविधान संशोधन 2001 से एक बार फिर इस प्रतिनिधित्व को वर्ष 2026 तक के लिए स्थिर या फ्रीज कर दिया गया। हालांकि प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र का विभाजन जिसे हम आंतरिक समायोजन कह सकते हैं जिसका सीटों की कुल संख्या पर प्रभाव नहीं पड़ता है लेकिन निर्वाचन क्षेत्र के सीमांकन और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों को लोकसभा और विधानसभा में मिलने वाली सीटों के आरक्षण का अनुपात इससे संतुलित हो पाता है उसे 1991 की जनगणना पर आधारित किया गया। 87वें संविधान संशोधन से भी सीटों की कुल संख्या बढ़ाने जैसा प्रयास तो नहीं किया गया लेकिन आंतरिक समायोजन का आधार वर्ष 2001 की जनगणना को किया गया।

इन प्रयासों का परिणाम यह निकला कि हर 10 वर्ष पश्चात जनगणना के बाद होने वाला परिसीमन जो वर्ष 1952, 1962, 1972 तक निरंतर हुआ वह उसके बाद 2002 में हो पाया और उसकी सिफारिशें 2008 से प्रभावी हुई और इसके संबंध में कुछ न्यायिक वाद भी प्रस्तुत हुए।

2023 में 106वां संविधान संशोधन अधिनियम-नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में प्रस्तुत हुआ जिसने लोकसभा और राज्यों की विधानसभा में एक तिहाई स्थान महिलाओं के आरक्षित करने का विशय प्रस्तुत किया। हालांकि कानूनी-तकनीकी पेंच इस महत्वपूर्ण मसले पर फंसा हुआ है कि यह महिला आरक्षण नए परिसीमन के बाद ही लागू हो पाएगा। और नए परिसीमन का अर्थ होगा 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आंकड़े जब प्रकाशित होंगे उसके बाद परिसीमन या सीटों की संख्या में बदलाव होगा और तभी महिला आरक्षण के प्रावधान को व्यवहार में अमलीजामा पहनाया जा सकेगा यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि 2021 में होने वाली जनगणना तत्कालीन कोविड महामारी और उसके बाद के परिदृश्य में विलम्बित हो चुकी है। हालाँकि 2026 में जनगणना का पहला फेज पूरा हो चुका है और 2027 में इसका दूसरा चरण प्रस्तुत होने जा रहा है।

अप्रैल 2026 में वर्तमान सरकार परिसीमन को लेकर 131वां संविधान संशोधन विधेयक और इससे जुड़े दो कानून का मसौदा ऐसे समय में लेकर आई थी जब भारत में कुछ राज्यों विशेषकर पश्चिम बंगाल का चुनाव था और लोकसभा सीटों की सख्या 550 से बढ़कर 850 सीटों तक ले जाने तथा महिला आरक्षण के विषय को तुरंत लागू करने जैसे तर्क सरकार के द्वारा दिए गए थे। वहीं विपक्ष का यह तर्क था कि जब 2023 में महिला आरक्षण कानून बन चुका है तो उसके नाम पर सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए संशोधन लाना संवैधानिक प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। चूँकि इस प्रकार के संविधान संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो तिहाई बहुमत अर्थात विशेष बहुमत की जरूरत थी और सरकार यह विशेष बहुमत का आंकड़ा नहीं जुटा पाई और इसलिए वह संविधान संशोधन बहुमत परीक्षण में गिर गया और उसके परिणामस्वरुप दो अन्य सम्बंधित बिल भी प्रस्तुत नहीं किए गए।

इस मध्य देश के राजनीतिक परिदृश्य में काफी महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए। पश्चिम बंगाल में भाजपा को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ। वहीं दक्षिण भारत की परंपरागत दलीय राजनीति में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के मध्य एक नए दल को सत्ता प्राप्त हुयी। साथ ही दक्षिण भारत के राज्यों की परिसीमन को लेकर जो चिंताएं हैं कि जनसंख्या नियंत्रण पर उन्होंने जो उल्लेखनीय कार्य किए हैं परंतु सीटों की संख्या बढ़ने पर उनकी सीटें उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में कम मात्रा में बढ़ सकेंगी और उनको प्रतिनिधित्व का नुकसान होगा तो उनकी आपत्ति को दूर करने के लिए सरकार के स्तर पर संवाद और मेल-मिलाप की कोशिश भी की गई हैं। इस मध्य कुछ दलों के सांसदों ने भी भाजपा नीति एनडीए से अपना साथ जोड़ा है। ऐसे में सरकार को यह विश्वास उत्पन्न होना स्वाभाविक है कि इस महत्वपूर्ण संविधान संशोधन के लिए अपेक्षित दो-तिहाई बहुमत संसद के दोनों सदनों में जुटा लेंगे। जहां लोकसभा जनता के प्रतिनिधि सदन के रूप में है वहीं राज्यसभा की संरचना में राज्यों की विधानसभाओं से होने वाला निर्वाचन का प्रभाव होता है और अधिकांश राज्यों में इस समय भाजपा या भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए की ही सरकार है।

अगस्त में मानसून सत्र समाप्त होना था उसे समाप्त न करके अर्थात सत्रावसान न करके उसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया जो संसदीय प्रक्रिया का भाग है, लेकिन रिकॉर्ड 100 दिन से भी अधिक समय से वही सत्र स्थगित है और अब 30 नवंबर को लोकसभा और 2 दिसंबर को राज्यसभा की बैठक आयोजित होगी। जिस प्रकार से सरकार कैबिनेट तथा विपक्ष अपने दलों की मीटिंग ले रहे हैं, यह साफ जाहिर होता है कि आगामी बैठकों में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा या नए बिल प्रस्तुत किये जाएंगे। यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि 3 दिसंबर को सदन के कामकाज की बैठकों का समापन करने की भी सरकार आशा प्रकट कर चुकी है क्योंकि दिसंबर का महीना प्रारंभ होने के कारण कुछ ही समय बाद शीतकालीन सत्र भी प्रारंभ हो सकता है।

ऐसे में सरकार के पास निश्चित रूप से विकल्पों की अधिकता है। साथ ही सरकार के लिए अपने बहुमत का परीक्षण करना अगले वर्ष कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के संबंध में उनकी रणनीति का एक पूर्व अभ्यास भी दिखाई देगा। दूसरी तरफ विपक्ष पिछले कुछ महीनों से लगातार संसद के भीतर संसदीय कार्यवाहियों के बहिष्कार से लेकर सड़कों पर किए जाने वाले आंदोलनों से सत्ता पक्ष पर जिस प्रकार से आक्रामक है उसमें यदि विपक्ष एक बार फिर इस संशोधन को पारित होने से रोक लेता है तो ऐसे में सरकार के बहुमत पर विपक्ष का एक प्रभावशाली अंकुश दिखेगा जिससे आने वाले वर्ष में विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी दलों को अपनी एकजुटता प्रस्तुत करने का एक बड़ा अवसर मिल सकेगा।

साधारणतया माना जाता है कि जहां चुनाव व्यक्ति के वोट देने के अधिकार से जुड़ा विषय है और राजनीतिक शिक्षण-प्रशिक्षण देता है, वहीं इस वोट को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में परिवर्तित करने और सांसदों तथा विधायकों की संख्या में वृद्धि करने का संदर्भ निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को परिभाषित करने से जुड़ा है और यही परिसीमन का एक मुख्य पक्ष भी है। परिसीमन का विषय इस कारण भी महत्त्व रखता है की भारत में संघवाद को जिस प्रकार से अपनाया गया है और राज्यों का पुनर्गठन जिस प्रकार की भाषायी-सांस्कृतिक विविधता और प्रशासनिक सुविधा के दृष्टिकोण से होता है, ऐसे में जनप्रतिनिधि और मतदाता के मध्य का अनुपात संतुलित रखा जाना संघवाद की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है।

परिसीमन एक संवैधानिक-विधिक प्रक्रिया है और लोकतंत्र की मजबूती में राजनीतिक दल, प्रतिनिधित्व और मतदाता का एक संतुलित, न्यायसंगत, समावेशी अनुपात बहुत जरूरी है। साथ ही भारत की क्षेत्रीय विविधता, संघवाद, उत्तर बनाम दक्षिण भारत के राज्यों के परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर दृष्टिकोण का अंतर है और परिसीमन के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों का बढ़ना और महिला आरक्षण के विषय का तुरंत प्रभाव से लागू होना एक आम मतदाता के जीवन और उनके हितों को भी प्रभावित करेगा। इसलिए परिसीमन की यह कवायद भारतीय राजव्यवस्था एवं भारतीय राजनीति की एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में अंकित होने जा रही है। देखना दिलचस्प होगा कि राजनीति का यह ऊंट इस बार किस करवट बैठता है?

-डॉ. योगेश शर्मा,
लेखक संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं।

गरीबी में गिरावट, बदलते भारत की नई आर्थिक तस्वीर



डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत

आज दुनिया का बड़ा हिस्सा युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। इन परिस्थितियों का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ आम नागरिकों के जीवन पर भी पड़ रहा है। ऐसे वैश्विक परिदृश्य में भारत की बदलती आर्थिक और सामाजिक तस्वीर विशेष ध्यान आकर्षित करती है। पिछले एक दशक में भारत ने न केवल आर्थिक विकास की गति बनाए रखी है, बल्कि गरीबी कम करने और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

हाल ही में विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की गरीबी और समानता पर संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट भारत में गरीबी उन्मूलन की दिशा में पिछले 12 वर्षों के दौरान हुई प्रगति की एक महत्वपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत करती है। विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2011-12 से 2023-24 के बीच भारत में लगभग 49.6 करोड़ लोग निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। इस अवधि में गरीबी की दर 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गई, जबकि अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 प्रतिशत से गिरकर 2.6 प्रतिशत पर पहुंच गई। ये आंकड़े केवल गरीबी में आई गिरावट का विवरण नहीं हैं, बल्कि बदलते भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा को समझने का अवसर भी देते हैं। सवाल यह है कि आखिर किन नीतिगत प्रयासों, आर्थिक बदलावों और सामाजिक हस्तक्षेपों ने इस परिवर्तन को संभव बनाया? क्या यह बदलाव केवल आर्थिक वृद्धि का परिणाम है या इसके पीछे सामाजिक सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आम नागरिक की बढ़ती आर्थिक भागीदारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका है?

विश्व बैंक ने गरीबी में इस उल्लेखनीय कमी के पीछे तीन प्रमुख कारकों की पहचान की है घरेलू उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन। पहला महत्वपूर्ण पक्ष है आम परिवारों की उपभोग क्षमता में सुधार। जब किसी परिवार की आय और खर्च करने की क्षमता बढ़ती है, तो उसका असर केवल बाजार की मांग पर नहीं पड़ता, बल्कि बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और जीवन की बुनियादी सुविधाओं पर भी दिखाई देता है। दूसरा पक्ष रोजगार है। रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2023 के बीच भारत में लगभग 13.4 करोड़ रोजगार बढ़े। इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में लगभग 20 करोड़ महिलाएं रोजगार में शामिल थीं। यह बदलाव ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और परिवारों की आय के नए स्त्रोतों के विस्तार को दर्शाता है। तीसरा कारक सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं तक व्यापक पहुंच है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से मुफ्त खाद्यान्न, जनधन योजना के जरिए बैंकिंग सेवाओं का विस्तार और उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी कनेक्शन जैसे प्रयासों ने गरीब परिवारों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने स्वास्थ्य, आवास, पेयजल और स्वच्छता से जुड़ी बुनियादी जरूरतों को संबोधित किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने रोजगार, महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण संपर्क को बढ़ावा दिया है।

इन योजनाओं का महत्व केवल सुविधाएं उपलब्ध कराने में नहीं, बल्कि उन खर्चों और जोखिमों को कम करने में भी है, जो किसी गरीब परिवार को दोबारा गरीबी में धकेल सकते हैं। विश्व बैंक के अनुसार, वर्ष 2022 तक भारत की 99 प्रतिशत आबादी को बिजली की सुविधा उपलब्ध हो चुकी थी। इस तरह बुनियादी सुविधाओं का विस्तार भी गरीबी घटाने की व्यापक प्रक्रिया का हिस्सा बना।

भारत में गरीबी में आई गिरावट का एक महत्वपूर्ण पक्ष ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच दिखाई देने वाला बदलाव है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण गरीबी दर 2011-12 के 64.9 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 19.3 प्रतिशत रह गई, जबकि शहरी गरीबी दर इसी अवधि में 39.7 प्रतिशत से घटकर 8.6 प्रतिशत पर आ गई। यह परिवर्तन बताता है कि विकास का विस्तार केवल महानगरों और बड़े औद्योगिक केंद्रों तक सीमित नहीं रहा। फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी की दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक होना बताता है कि कृषि उत्पादकता, ग्रामीण गैर-कृषि रोजगार और स्थानीय उद्यमों के विकास पर अभी और ध्यान देने की आवश्यकता है।

भारत की इस उपलब्धि को वैश्विक संदर्भ में देखना भी जरूरी है। दुनिया की सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका में भी 2024 में आधिकारिक गरीबी दर 10.6 प्रतिशत थी, जबकि यूरोपीय संघ के देशों में 2022 के दौरान औसतन 16.5 प्रतिशत आबादी सापेक्ष गरीबी के जोखिम में थी। अमेरिका में यह अनुपात 24.7 प्रतिशत, ब्रिटेन में 18.8 प्रतिशत, कनाडा में 18.6 प्रतिशत और ऑस्ट्रेलिया में 20.4 प्रतिशत था। हालांकि, इन देशों में गरीबी का आकलन राष्ट्रीय आय के सापेक्ष किया जाता है, इसलिए इनकी तुलना भारत से सीधे नहीं की जा सकती। दूसरी ओर, भारत में 2011-12 से 2023-24 के बीच लगभग 49.6 करोड़ लोगों का निम्न-मध्यम आय वाले देशों की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा से ऊपर आना आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का महत्त्वपूर्ण संकेत है। यह प्रगति भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ उपभोग में बढ़ोतरी, रोजगार के अवसरों, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार के संयुक्त प्रभाव को भी दर्शाती है।

विश्व बैंक के ये आंकड़े भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को रेखांकित करते हैं। करोड़ों लोगों का गरीबी से बाहर आना इस बात का संकेत है कि नीतिगत प्रयासों, आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक सुरक्षा के विस्तार से व्यापक स्तर पर बदलाव संभव है। अब इस प्रगति को और आगे बढ़ाते हुए ऐसे अवसरों का निर्माण करना होगा, जिनसे प्रत्येक नागरिक अपनी क्षमता और प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ सके। भारत की विकास यात्रा की वास्तविक सफलता इसी में है कि आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन तथा बेहतर भविष्य का अवसर मिले। गरीबी में कमी ने भारत के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं; अब इन संभावनाओं को स्थायी समृद्धि और विकसित भारत के संकल्प में बदलने का समय है।

-डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत,
(लेखक राजस्थान भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हैं।)

राशिफल रविवार 29 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत-2083, पुष्य नक्षत्र दिन 11:00 तक, ब्रह्म योग सायं 5:09 तक, गर करण दिन 2:52 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि पुष्य सोग सूर्योदय से दिन 11:20 तक है। रवि योग दिन 11:00 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 1:47 से आरम्भ होगी। आज छींठ छठ व्रत, रवि पुष्य योग दिन 11:.. तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- चर 8:19 से 9:38 तक, लाभ अमृत 9:38 से 12:15 तक, चर 12:14 से 1:33 तक, शुभ 1:33 से 2:52 तक।

राहुकाल- 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 5:29

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। आज घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

मकर

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 118 प्रभात जयपुर, रविवार 29 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com



Antique Coal Irons

Little flickers of fire licking with long tongues from its eyes, one day, I remarked to my grandfather that Ravan's eyes must be like this

India Wins Visitors' Lion

The Letters That Went to Heaven

So, he wrote back. In careful, warm handwriting, he told the boy that everything was good in heaven

शिखर अग्रवाल को सुप्रीम कोर्ट से कोई ''रिलीफ'' नहीं मिली

18 नवम्बर, एसीबी ने एक एफआईआर शिखर अग्रवाल व गोयल फैशन्स के खिलाफ दर्ज कराई थी

- एफआईआर में दावा किया गया है, कि शिखर अग्रवाल ने गोयल फैशन्स के अनंता रिसॉर्ट्स से उदयपुर, अलवर व जयपुर में अक्टूबर 2023 व अक्टूबर 2026 के बीच 64 ''विला'' प्राप्त किए।
- तथा, इस तथाकथित ''अहसान'' के बदले कंपनी को शिखर अग्रवाल ने अतिरिक्त मुख्य सचिव व उसके पहले, उदयपुर के जिला कलैक्टर व राजस्थान के पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मार्फत अनुचित लाभ पहुँचाए थे।
- राज्य के फाइनैंस डिपार्टमैंट ने 27 मार्च को ''कस्टमाइज़्ड'' पैकेज दिया और उसी दिन शिखर अग्रवाल व उनके परिवार के अन्य लोगों ने अजबगढ़, अलवर में बीस ''विला'' खरीदे, बहुत ही कम दामों पर।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। अदालत ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल को कथित भ्रष्टाचार के मामले में राहत देने से मना कर दिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक रिसॉर्ट कंपनी को फायदा पहुँचाया और बदले में जयपुर, उदयपुर और अलवर में उसी कंपनी से 64 विला और कॉटेज खरीदे थे।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह अग्रवाल की याचिकाओं पर जल्द सुनवाई करे। इनमें अंतरिम राहत देने की मांग भी शामिल है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कहा, ''सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अग्रवाल हाईकोर्ट में अंतरिम राहत के लिए अर्जी दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूँकि हाई कोर्ट का आदेश अंतरिम प्रकृति का है, इसलिए वे इसमें दखल नहीं दे रहे हैं। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से मामले की जल्द से जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया है और दोनों पक्षों को हाईकोर्ट में अपने सभी मुद्दे उठाने की छूट दी है।''

सुप्रीम कोर्ट की पीठ के सामने अग्रवाल की ओर से वरिष्ठ वकील और भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी पेश हुए। वहीं, राज्य की ओर से भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी, अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा और अतिरिक्त महाधिवक्ता पद्मेश मिश्रा पेश हुए।

28 अक्टूबर को मीडिया में कथित भ्रष्टाचार की खबरें आने के बाद, राजस्थान सरकार ने अग्रवाल को ''अवेटिंग पोस्टिंग ऑर्डर'' (एपीओ), यानी पोस्टिंग के इंतज़ार में रखा। तीस अक्टूबर को सरकार ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एंटी करप्शन ब्यूरो) की जांच को मंजूरी दी। इसके बाद 31 अक्टूबर को उनकी पत्नी और आईपीएस अधिकारी प्रशाखा माथुर को भी ''प्रशासनिक कारणों'' का हवाला देते हुए एपीओ पर रख दिया गया। कार्मिक विभाग ने इन दोनों को उनकी सम्पत्ति को लेकर कारण बताओ नोटिस भी जारी किए। अग्रवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील और पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना ही उनके खिलाफ जांच की अनुमति दे दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि जिस समय यह कार्रवाई हुई, उस समय अग्रवाल देश में नहीं थे।

रोहतगी ने कहा कि अग्रवाल एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं और उनका करियर अब तक बेदाग रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी ने अपने द्वारा खरीदे गए सभी विला का पूरा ब्योरा दिया था और उनका उल्लेख अपने आयकर रिटर्न में भी किया था।

उन्होंने आगे बताया कि हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है और मामले की अगली सुनवाई 18 दिसंबर को तय की है।

अग्रवाल के वकील ने उनके खिलाफ किसी भी तरह की सख्त कार्रवाई से सुरक्षा देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मुवक्किल के खिलाफ पूरी कार्यवाही दुर्भावना से प्रेरित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बुलडोज़र चलाने के लिए इच्छाशक्ति चाहिए- योगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए तैयारियां तेज हो रहीहैं, ऐसे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर को लेकर एक तीखी टिप्पणी की है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''बुलडोजर की बात करना आसान है,

- योगी की टिप्पणी ने यूपी की राजनीति में हलचल मचाई।

लेकिन हर कोई उसका स्टेयरिंग नहीं संभाल सकता। इसे चलाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति और काम को पूरा करने का दृढ़ संकल्प होना जरूरी है।'' उनके इस बयान से एक बार फिर उनकी सरकार की राजनीतिक पहचान के सबसे चर्चित पहलुओं में से एक, बुलडोजर पर ध्यान केन्द्रित हो गया है।

एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में, उन्होंने ''कट्टा'' से लेकर ब्रह्मोस तक के उत्तर प्रदेश के सफर का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले वर्षों में समाजवादी पार्टी के शासन पर हमला करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, जो पहले ''कट्टों'' (देसी तमंचों) और बमों के लिए जाना जाता था, वह आज ब्रह्मोस मिसाइल और एके राइफलों के उत्पादन के लिए जाना जाता है।

'महिला आरक्षण में एस.सी./एस.टी. के लिए अलग ''कोटा'' हो'

मायावती ने यह मांग, लोकसभा में महिला आरक्षण पर बहस से दो दिन पहले उठाई

- मायावती का तर्क है, एस.सी./एस.टी. महिलाएं सदियों से शोषण, दमन व अवहेलना का विशेष रूप से सामना कर रही हैं तथा चुनावों में बाहुबल तथा धनबल के प्रभाव के कारण एस.सी./एस.टी. महिलाएं सक्रिय राजनीति में भाग नहीं ले पाती हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने शनिवार को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के केन्द्र सरकार के कदम का स्वागत किया। साथ ही, उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की मांग भी की। उनका यह बयान सोमवार से शुरू होने वाले लोकसभा सत्र से दो दिन पहले आया है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में किए गए कई पोस्ट के जरिए, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों की महिलाओं को चुनावी राजनीति में आने के लिए अधिक अवसरों की जरूरत है। उन्होंने केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि प्रस्तावित विधेयक को आगे बढ़ाते समय, बीएसपी की इस मांग पर भी विचार किया जाए।

मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा राजनीति में महिलाओं की भागीदारी का समर्थन किया है। यह डॉ. बी.आर. आंबेडकर द्वारा स्थापित संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप है।

उन्होंने कहा, ''हालांकि, यह और भी अच्छा होता और वास्तव में एक ऐतिहासिक कदम साबित होता, यदि इस आरक्षण के भीतर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान किया जाता, क्योंकि इन महिलाओं को सदियों तक शोषण, अत्याचार और उपेक्षा झेलनी पड़ी है।''

बीएसपी अध्यक्ष ने कहा कि जाति के आधार पर भेदभाव, चुनावों में धनबल और बाहुबल (डराने-धमकाने की ताकत) का प्रभाव तथा सामाजिक पूर्वाग्रहों के कारण, इन समुदायों की महिलाओं के लिए सक्रिय राजनीति में प्रवेश करना अक्सर मुश्किल होता है।

सितम्बर 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून में पहले से ही यह प्रावधान है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित एक-तिहाई सीटें इन्हीं समुदायों की महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

इन सीटों को महिलाओं के लिए निर्धारित 33 प्रतिशत आरक्षण का ही हिस्सा माना जाएगा।

'पवार सदा ही पीठ में छुरा भोंकते हैं'

कांग्रेस ने पवार को बहुत भद्दे शब्दों में कोसा

- कांग्रेस के विधानसभा में नेता विजय कटियार ने कहा, ''पवार की कोई आइडियोलॉजी'' नहीं है, उन्हें केवल सत्ता की भूख है। कटियार ने कटुता भरे शब्दों में कहा, ''पवार को फुले, शाहू, अंबेडकर व यशवंत राव चह्वाण का अब कभी नाम लेने का हक नहीं है।''
- जैसा कि विदित ही है, यशवंत राव चह्वाण, शरद पवार के ''मैंटर'' (गुरु व करियर बनाने वाले) माने जाते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। परिसीमन के मुद्दे पर शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विपक्षी खेमे से अलग होने और प्रस्तावित परिसीमन कानून पर भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का समर्थन करने की घोषणा से महाराष्ट्र कांग्रेस नाराज़ है और उसने एन.सी.पी. पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने शरद पवार और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले को याद दिलाया कि इसी साल राज्यसभा चुनाव के दौरान, उसने वरिष्ठ पवार को दोबारा राज्यसभा भेजने के लिए उनका समर्थन किया था। वहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने एनसीपी को ''सत्ता की भूखी'' पार्टी बताया।

वडेट्टीवार ने बिना किसी लाग-लपेट के कड़े शब्दों में हमला करते हुए कहा कि पवार का ''इतिहास लोगों की पीठ में छुरा घोंपने का रहा है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी हालत पानी से बाहर निकली मछली जैसी हो गई है। उनकी कोई वास्तविक विचारधारा नहीं है। हमने पवार को राज्यसभा भेजा था, लेकिन जब लोकतंत्र को नष्ट करने वालों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें निश्चित रुप से उनका नाम जरूर शामिल होगा। पवार की पार्टी ने जो किया है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गलत है।''

महाराष्ट्र कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले को याद दिलाया कि इसी साल कांग्रेस ने 85 वर्षीय वरिष्ठ नेता (शरद पवार) को दोबारा राज्यसभा भेजने के लिए राज्यसभा सीट पर अपना दावा छोड़ दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री मान के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे जेल में बंद अमृतपाल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कट्टरपंथी सिख एक्टिविस्ट अमृतपाल सिंह, जो जेल में रहते हुए 2024 में लोकसभा सांसद बने थे, 2027 में होने वाले

- कट्टरपंथी सिख सांसद गत तीन साल से जेल में हैं।

पंजाब विधानसभा चुनाव में उतर सकते हैं। वे एक नहीं, बल्कि दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ सकते हैं। तीन साल से अधिक समय से जेल में बंद होने के बावजूद, उनके चुनाव लड़ने की संभावना है। इनमें से एक सीट धूरी होगी, जहां उनका मुकाबला मुख्यमंत्री भगवंत मान से हो सकता है। धूरी पंजाब के तीन क्षेत्रों में सबसे बड़े क्षेत्र, मालवा के केन्द्र में स्थित है।

33 वर्षीय अमृतपाल सिंह अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने कलकत्ता में स्पीकर का निर्णय अस्वीकार किया

हाई कोर्ट ने विद्रोही तृणमूल कांग्रेस के विधायक, ऋतब्रत बंद्योपाध्याय को विधानसभा में विपक्ष का नेता पद का हकदार भी मानने की स्वीकृति नहीं दी तथा फिलहाल ममता बनर्जी के खेमे के शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी

- पर, स्पीकर के निर्णय से काफी अनिश्चितता व्याप्त हुई है, क्योंकि एक ही सांस में हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि स्पीकर यह निर्णय लेंगे कि विधानसभा में विपक्ष का नेता कौन हो?
- ऋतब्रत खेमे को तृणमूल कांग्रेस के 58-60 निर्वाचित विधायकों का समर्थन प्राप्त है, जबकि ममता बनर्जी के खेमे को केवल लगभग बीस विधायकों का समर्थन मिला हुआ है।
- पर, एक और जटिलता है कि तृणमूल कांग्रेस (ममता बनर्जी खेमे) ने जो पत्र स्पीकर का लिखा है, उसमें कई हस्ताक्षर फर्जी पाए गए हैं। इस जाली हस्ताक्षरों के मामले में मुख्य आरोपी ममता बनर्जी के भतीजे हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कौन होगा, इसे लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अनिश्चितता पैदा कर दी है।

अदालत ने बागी तृणमूल कांग्रेस विधायक ऋतब्रत बंद्योपाध्याय की नेता प्रतिपक्ष के रूप में नियुक्ति रद्द कर दी है। फिलहाल के लिए, अदालत ने ममता गुट की पसंद शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष के रूप में स्वीकार किया है।

एकल न्यायाधीश की पीठ ने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें ऋतब्रत को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया गया था। साथ ही, भ्रम की स्थिति को और बढ़ाते हुए अदालत ने अपने फैसले में कहा कि नए विधानसभा अध्यक्ष ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

UDGAM · Unclaimed Deposits Gateway To Access Information

अपने बैंक में 10 वर्ष से अधिक समय से बिना दावे के पड़े अपने पैसे को उपयोग में लाने का समाधान पाएँ



UDGAM पर जाएँ और बैंक से इसका दावा करें

- UDGAM पोर्टल पर लॉग इन करें
- खाताधारक का नाम, पता, बैंक का नाम और जन्म तिथि, पैन कार्ड इत्यादि विवरण का उपयोग करके खोजें

UDGAM केवल एक खोज सुविधा है। बिना दावे वाली जमाराशियों का दावा संबंधित बैंक(ओं) से करना होगा।



UDGAM पोर्टल पर बैंकों की सूची उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/UDGAM पर जाएँ
आरबीआई जन-जागरूकता संदेश
अपने आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर से भेजता है
99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

सार-समाचार

128 मरीजों के आंखों का ऑपरेशन



शाहपुरा। पीएमओ शाहपुरा डॉ विनोद योगी ने बताया की एवं अंधता निवारण समिति के सहयोग से उपजिला अस्पताल शाहपुरा मे आँखों के मरीजों का लेंस प्रत्यारोप शिविर संपन्न हुआ। इसमें 121 मरीजो को लेंस प्रत्यारोपण एवं 7 मरीजों का टेरेजियम का सफल ऑपरेशन हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवान दास दुसाद, राकेश शर्मा, महेश शर्मा ने बताया कि भ्रमणशील शल्य चिकित्सा ईकाई राजस्थान जयपुर जिला अंधता नियंत्रण सोसायटी जयपुर, बैजनाथ दामोदरी देवी दुसाद चैरिटेबल सोसायटी एवं मेडिकल रिलीफ सोसायटी उप जिला चिकित्सालय शाहपुरा जयपुर द्वारा वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. पूनम गुप्ता, डॉक्टर सिद्धेश गर्ग, डॉक्टर गोपेश, डॉ. नेहा पारीक, डॉ. विकास आदि डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क नेत्र लैंस प्रत्यारोपण किया गया जिसमें 140 मरीज का लैंस प्रत्यारोपण के लिए पंजीकृत किया गया। बैजनाथ दामोदरी देवी दुसाद चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष भगवानदास दुसाद, उपाध्यक्ष शंभू दयाल गुप्ता, सचिव राम प्रकाश खंडेलवाल, पल्लव गुप्ता, सोसायटी सदस्य राकेश शर्मा, महेश गुप्ता, रामकिशन शर्मा, महेश शर्मा पीयूष परासर, आदि ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित रहे।

लीलगर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आज

जयपुर। शेखावाटी लीलगर समाज खिदमतगार समिति जयपुर की ओर से 29 नवम्बर को सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। शेखावाटी लीलगर समाज खिदमतगार समिति के इस्लाम जी काम वाले ने बताया कि सम्मेलन की अध्यक्षता चांद जी ऐलानाबाद करेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में 58 जोड़ों को विवाह होगा। इस्लाम जी काम वाले ने बताया कि यह सम्मेलन 29 नवंबर को करबला मैदान रामगढ़ रोड पर आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन की तैयारियां काफी दिनों से की जा रही है। इस सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में पूर्व में बैठक की समिति सदस्यों ने रुपरेखा भी तैयार की। सम्मेलन में आवश्यक रुप से सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जायेगी। सम्मेलन के आसपास साफ सफाई का भी विशेष रुप से ध्यान रखा जायेगा।

यातायात नियमों के उल्लंखन के खिलाफ विशेष अभियान

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में चलाये जा हरे विशेष अभियान ऑपरेशन अनामिका अंकुश के तहत यातायात पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए शहर में घुम रही 25 ब्लैक फिल्म चौपाई वाहनों से फिल्म हटवाई जाकर चालान काटे तथा वही 4 मोडीफॉईड मोटरसाईकिलो जो तेज बम बनाने और कान फोडू आवाज निकालने वाले होते है, जिनको पुलिस ने संघन अभियान चलाकर जप्त कर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की गई है। इस दौरान पुसिल ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की पालना एवं कानून के प्रति सम्मान करने हेतु अपील की गई। इस मौके पर उन्होने बताया कि अपने यातायात में प्रतिकूल संशोधन नहीं करवाएं, निर्धारित मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट का उपयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित एवं सुखद वातावरण बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

जूली के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर व स्नेह मिलन समारोह

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली के 46वें जन्मदिवस पर सोमवार, 30 नवंबर को अलवर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर टीकाराम जूली फैंस क्लब की ओर से शहर के जय कृष्ण क्लब में विशाल रक्तदान शिविर एवं स्नेह मिलन समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम को लेकर समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। जन्मदिवस समारोह को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से युवाओं और आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जूली समर्थकों के भाग लेने की उम्मीद है। वहीं, स्नेह मिलन समारोह में कांग्रेस कार्यकर्ता, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, प्रबुद्धजन और शुभचिंतक शामिल होकर टीकाराम जूली को जन्मदिन की शुभकामनाएं देंगे। आयोजन का उद्देश्य कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच आपसी संवाद एवं आत्मीयता को मजबूत करना भी है। टीकाराम जूली के जन्मदिवस पर अलवर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जय कृष्ण क्लब में होने वाले समारोह की तैयारियां टीकाराम जूली फैंस क्लब की ओर से की जा रही हैं।

सफाई और पार्क निर्माण को लेकर एसडीएम ने मांगी रिपोर्ट

फुलेरा। शहीद मेजर दलपत सिंह (हाइफा हीरो) की स्मृति को संजोने तथा उनके स्मारक स्थल के विकास को लेकर प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है। उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट सांभरलेक ने नगर पालिका अधिकारी फुलेरा को स्मारक स्थल की साफ-सफाई, सड़क निर्माण का मलबा हटवाने, मूर्ति स्थापना एवं पार्क निर्माण की वर्तमान स्थिति को लेकर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उपखंड अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी पत्र में अखिल राजस्थान रावणा राजपूत समाज फुलेरा के प्रतिनिधि गोविंद सिंह बड़गुर्जर की ओर से प्रस्तुत परिवाद का हवाला दिया गया है।

चौमूं पंचायत समिति में भाजपा का बोर्ड बनने पर रामगोपाल मीणा, माया अर्जुन का अभिनंदन

चौमूं / कालाडेरा। पंचायत समिति चौमूं में भारतीय जनता पार्टी का बोर्ड बनने के उपलक्ष्य में शनिवार को नगर परिषद चौमूं के सामने भव्य अभिनंदन एवं जन आभार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने नवनिर्वाचित प्रधान रामगोपाल मीणा, उप प्रधान माया अर्जुन यादव सहित जिला परिषद एवं पंचायत समिति के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का दुपट्टा व माला पहनाकर स्वागत किया और जीत की शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व, नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के नगर परिषद चौमूं पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और आमजन द्वारा ढोल-नगाड़ों व आतिशबाजी के साथ जोरदार स्वागत किया गया। जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत: रामलाल शर्मा। समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र चौमूं की जनता ने दो नगर निकाय और एक पंचायत समिति में भाजपा को विजयी बनाकर 75 प्रतिशत तक अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरने वाला प्रत्येक कार्यकर्ता हमारे लिए विजयी है और उनके सुझावों के अनुरूप सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जाएंगे। शर्मा ने पंचायत समिति में भाजपा का बोर्ड बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और चुनाव प्रभारियों के कुशल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं के काम को मिलेगी प्राथमिकता: प्रधान रामगोपाल मीणा। मंच पर पहुंचते ही नवनिर्वाचित प्रधान रामगोपाल मीणा ने नतमस्तक होकर जनता-जनार्दन और भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। उन्होंने भाजपा शीर्ष नेतृत्व और पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि पंचायत समिति चौमूं के सभी 25 वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जाएंगे और कार्यकर्ताओं के जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति आशीष दुसाद, उप सभापति बाबूलाल सैनी, पूर्व प्रधान रामस्वरूप यादव, बांसा मण्डल अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया, कालाडेरा मण्डल अध्यक्ष लालचंद यादव, गोविंदगढ़ मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, दिनेश गोरा, अर्जुन लाल यादव, जिला परिषद सदस्य लक्ष्मण कुमार शर्मा, अरविंद यादव व जयप्रकाश चौधरी, पंचायत समिति सदस्य सुशीला जाट, बाबूलाल यादव, ओमप्रकाश दुसाद , सुभाष बुनकर, कैलाश यादव, राजू देवी रामलाल चोपड़ा, सांवरमल जाट, प्रकाश हाटवाल, रानू दीपेन्द्र कुमावत, सोहनी देवी सीताराम मेहता, पंकज कुमार नागर, आंची देवी सुभाष यादव, संतरा मुकेश रोज, अनिल निठारवाल, संतोष मुकेश यादव, उर्मिला रमेश कुमावत, जितेन्द्र कुमार शर्मा, खांगाराम यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, मंडल कार्यकर्ता और ग्रामवासी उपस्थित रहे।



शनिवार को नगर परिषद चौमूं के सामने भव्य अभिनंदन एवं जन आभार कार्यक्रम का आयोजन

- विधानसभा क्षेत्र की जनता ने 2 नगर निकाय और पंचायत समिति जिताकर भाजपा को 75 प्रतिशत आशीर्वाद दिया: रामलाल शर्मा।
- सभी 25 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से करवाए जाएंगे विकास कार्य: प्रधान रामगोपाल मीणा

बाल विवाह रोकथाम को लेकर कैंडल मार्च निकाला

निवाई। सिकोईडिकोन संस्था द्वारा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं बाल अधिकारिता विभाग व एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी

- नुक्कड़ नाटक का प्रभावी मंचन किया

एक्शन के समन्वय से अंतरराष्ट्रीय दिवस को लेकर जिले में विभिन्न जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार जलथुरिया की अध्यक्षता में मुख्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सचिव एवं हांडीकलां सरपंच निसार अहमद ने महिलाओं के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता कैंडल मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही बाल विवाह रोकथाम के विषय पर नुक्कड़ नाटक का प्रभावी मंचन भी किया गया। कैंडल मार्च व नुक्कड़ नाटक में कई महिलाओं, युवाओं, बच्चों एवं ग्रामीणों ने भाग लेकर बाल विवाह के खिलाफ एकजुटता दिखाई और इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने की शपथ ली। सचिव जलथुरिया, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान के विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम में सिकोईडिकोन संस्था से किरण शर्मा, व चाइल्ड लाइन से राहुल गजरा सहित अन्य ने सक्रिय सहभागिता की।



सिकोईडिकोन संस्था द्वारा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से कैंडल मार्च निकाला।

टोंक में मिनी मैराथन आज

टोंक। जिला मुख्यालय स्थित मदरलैंड चिल्ड्रन एकेडमी द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से 5 किलोमीटर की मिनी मैराथन का आयोजन आज किया जायेगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा प्रकृति संरक्षण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। यह मिनी मैराथन प्रात: 6 बजे कलेक्टर कार्यालय से का शुभारंभ होकर घंटाघर एवं बड़ा कुआं होते हुए मदरलैंड एजुकेशन सोसाइटी भवन तक पहुंचेंगे, जहां मैराथन का समापन होगा। इस सामाजिक पहल के माध्यम से शहरवासियों को पर्यावरण बचाओ, जीवन बचाओ का संदेश दिया जाएगा। मदरलैंड चिल्ड्रन एकेडमी की ओर से शहर के सभी नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों एवं पर्यावरण प्रेमियों से अपील की गई है कि वे इस मिनी मैराथन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इस नेक सामाजिक अभियान को अपना समर्थन एवं सहयोग प्रदान करें। आयोजकों का मानना है कि इस तरह के सामूहिक प्रयासों से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

किशनगढ़ बास प्रधान के बाद उप प्रधान पर भी महिला का कब्जा

किशनगढ़ बास। पंचायत समिति किशनगढ़ बास में अब सत्ता पूरी तरह महिलाओं के हाथ में है। शुक्रवार को प्रधान पद पर कांग्रेस की सकुनत के निर्विरोध चुने जाने के बाद शनिवार को उप प्रधान के चुनाव में भी कांग्रेस की

- किशनगढ़ बास पंचायत समिति अब महिलाओं के हाथ

सावित्री देवी ने जीत हासिल कर ली। उन्होंने भाजपा के टिकेश कुमार को 5 वोटों से हराकर उप प्रधान की कुर्सी पर कब्जा कर लिया।

निर्वाचन अधिकारी एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव ने सावित्री देवी को विजयी घोषित किया।अब प्रधान और उप प्रधान दोनों कुर्सियों पर महिलाएं हैं। कांग्रेस खेमे में जश्न का माहौल है। वार्ड नंबर 2 से पंचायत समिति सदस्य का चुनाव जीतीं सावित्री देवी पर कांग्रेस ने भरोसा जताया और उन्हें उप प्रधान पद के लिए प्रत्याशी बनाया। दूसरी तरफ भाजपा से टिकेश कुमार ने पर्चा दाखिल किया।चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को 12 मत मिले और भाजपा प्रत्याशी को केवल 7 वोट प्राप्त हुए। इस तरह सावित्री देवी ने 5 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। मतदान के बाद जैसे ही नतीजा घोषित हुआ, समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया।



किशनगढ़ बास में अब सत्ता पूरी तरह महिलाओं के हाथ में है।

विरोध प्रदर्शन

दौसा (निसं.)। दौसा जिला अस्पताल में कार्यरत संविदा राजमेस नर्सिंग ऑफिसर्स ने मानदेय में भारी कटौती के विरोध में शनिवार काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।

भरतपुर जिले की सातों पंचायत समितियों में उप प्रधान निर्विरोध बने

भरतपुर (निसं)। पंचायतीराज चुनाव 2026 के तहत भरतपुर जिले की सात पंचायत समितियों में उप प्रधान पद के चुनाव संपन्न हो गए। सभी सातों पंचायत समितियों में उप प्रधान निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इनमें भाजपा समर्थित पांच और कांग्रेस के दो प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। निर्विरोध निर्वाचन के बाद समर्थकों ने नवनिर्वाचित उप प्रधानों का स्वागत कर खुशी जाहिर की। निर्वाचन परिणामों के अनुसार सेवर पंचायत समिति से सुनीता सिंह फौजदार, उच्चौन से जॉली यशपाल, बयाना से गुड़िया कुमारी, नदबई से पिंकी जाटव तथा रूपवास से खजान सिंह निर्विरोध उप प्रधान निर्वाचित हुए हैं। वहीं वैर पंचायत समिति से मीरा मीणा और भुसावर से सीमा बाई गुर्जर ने निर्विरोध जीत हासिल की है।

बयाना पंचायत समिति में उप प्रधान पद पर गुड़िया कुमारी निर्विरोध निर्वाचित हुईं। शनिवार को सुबह 11 बजे तक उनके सामने किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौंपा गया। गौरतलब है कि गुड़िया कुमारी वार्ड नंबर 6 बिड़यारी से कांग्रेस के टिकट पर पंचायत समिति सदस्य चुनी गई थीं, लेकिन उप प्रधान के चुनाव में भाजपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया और समर्थन दिया। बताया जा रहा है कि वह कांग्रेस के पूर्व विधायक अमर सिंह जाटव की बेटी हैं। निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद गुड़िया कुमारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करवाना उनकी जिम्मेदारी होगी। प्रधान के साथ मिलकर गांवों में सड़क, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे।



भरतपुर जिले की सात पंचायत समितियों में उप प्रधान पद के चुनाव संपन्न हो गए।

- भाजपा के पांच और कांग्रेस के दो प्रत्याशियों ने हासिल की जीत
- बयाना में कांग्रेस से जीतीं गुड़िया कुमारी भाजपा के समर्थन से बनीं उप प्रधान, सेवर में सुनीता सिंह फौजदार निर्विरोध चुनी गईं''

अर्धवार्षिक परीक्षाओं के बीच डीजे का शोर

पावटा। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेलगाम डीजे का शोर आमजन के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। एक ओर क्षेत्र में बच्चों की अर्धवार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाकर नियमों और प्रशासनिक आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

राजस्थान आवासन मण्डल- वृत तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
क्रमांक 3874 फोन- 0141-4901853 दिनांक 27/11/2026
-: आम जाहिर सूचना :-
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 3335 दिनांक 30/07/2012 जारी कर फ्लैट संख्या 2/360 (जी.एफ.) जवाहर नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 87.99 वर्ग मीटर का हस्तान्तरण संयुक्त रूप से श्रीमती राज भाटिया एवं श्री किशन लाल भाटिया के पक्ष में किया गया था।
तत्पश्चात श्री किशन लाल भाटिया पुत्र श्री नारायण दास एवं श्रीमती राज भाटिया पत्नी श्री किशन लाल भाटिया के द्वारा उक्त फ्लैट का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्री कमल कुमार परनामी पुत्र श्री चिमन लाल परनामी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपखंडीयक जयपुर- प्रथम में दिनांक 10/09/2012 को करवाया गया।
तत्पश्चात श्री कमल कुमार परनामी पुत्र श्री चिमन लाल परनामी के द्वारा उक्त फ्लैट का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री गोवर्धन प्रसाद सिंघल पुत्र श्री किशन सिंघल को कर दिया गया। उक्त विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपखंडीयक जयपुर- प्रथम में दिनांक 18/02/2013 को करवाया गया।
श्री गोवर्धन प्रसाद सिंघल पुत्र श्री किशन सिंघल के द्वारा फ्लैट का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अत: नाम दर्ज करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री गोवर्धन प्रसाद सिंघल पुत्र श्री किशन सिंघल का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबंधक, राज. आवा. मण्डल, वृत तृतीय, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दर्शायी गयी तिथि में सील की गई खुली निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या** : एस.एण्ड.टी/बी.के.एन–2026–27–37 **कार्य का नाम व स्थान** : बीकानेर मंडल के रेवाड़ी–सादुलपुर और हिसार–बठिंडा सेक्शनों में विभिन्न स्थानों पर DIADO–टाइप ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट के स्थान पर SS-BPAC ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट लगाने के लिए, EI में बदलाव के साथ SS&BPAC ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट का प्रावधान। **अनुमानित लागत मूल्य रू.** : 62359341.52 **Bid Security** : 1247200.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : 21.12.26 को 15.00 बजे तक **वेब साइट जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा व डाऊनलोड किया जा सकता है।** : www.ireps.gov.in **1696-DI/26**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

आम सूचना हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाव्य दातार सिंह पुत्र स्व. इन्द्र सिंह निवासी- मकान नं. 5, श्रीराम कॉलोनी, रामनगर, सोढाला, जयपुर के एकल कब्जे व अधिकार की संपत्ति म. नं. 5, श्रीराम कॉलोनी के दो फर्जी व अवैध विक्रय पत्र कल्ला खान पुत्र शमी खान नि0- सोमसी खेखावाली, तह. नगर जिला भरतपुर एवं संजय पुत्र दयाराम नि0- नगला मतवा, तह0 कठूमर, जिला अलवर पिन-321605 राजस्थान ने करवा लिये थे। जो कि मेरे अभिभाव्य के हितों के विरुद्ध प्रारम्भ से ही शून्य हैं। जिनके संबंध में दीवानी वाद सं. 522/2025 न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश कम-6, जयपुर महा0 प्रथम के समक्ष विचाराधीन है। जिसमें स्टे आदेश जारी एवं प्रभावी है। दौरानें विचारण ही कल्ला खान एवं संजय ने दुर्भावनापूर्वक उक्त वर्णित संपत्ति प्लॉट सं. 5, श्रीराम कॉलोनी का बेईमानीपूर्वक हस्तान्तरण, जौतरास पुत्र बच्चू सिंह नि0 वार्ड नं. 17, गुर्जर मौहल्ला पहाड़ी, तह0 कठूमर को दिनांक 29-07-2025 को कर दिया। जब मूल विक्रय पत्र ही अण्डर चैलेन्ज है तो उसके आधार पर किया गया आक्षेपित विक्रय पत्र दिनांकित 29-07-2025 भी मेरे अभिभाव्य के हितों के विरुद्ध प्रारम्भ से ही शून्य, बातिल व बेअसर है। सर्वसाधारण को आगाह किया जाता है कि जौतराम पुत्र बच्चू सिंह से किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त, अथवा संव्यवहार, उक्त प्लॉट सं. 5, श्रीराम कॉलोनी, रामनगर, सोढ़ाला जयपुर के संबंध मे नही करें। अन्यथा वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा। सूचित रहें।
जयपुर (चन्द्रशेखर दाधीच) एडवोकेट
दिनांक-28.11.2026 मो.-9828598122

(उद्घोषणा इश्तहार) न्यायालय न्यायालय जिला 1 सांभर लेक
व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक कैलाशचन्द V/s आम जनता
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी का नाम कैलाशचन्द बावरिया पुत्र सुण्डाराम बावरिया जाति.... निवासी तेज्या का बास P.S. सांभरलेक तह.फुलेरा
मृतक ताराचन्द बावरिया पुत्र कैलाश बावरिया की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक-.....
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम ताराचन्द बावरिया का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 14 माह 12 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 25 माह 11 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से
अपर जिला एवं सैशन न्यायालय संख्या 1 सांभरलेक जिला जयपुर
मोहर अदालत

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए कमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र. सं.** : 1. **निविदा संख्या/कार्य का नाम** : निविदा सं.–ई.–जेपी–2026–27–133 सहायक मण्डल फुलेरा–उप मण्डल के अधिकार क्षेत्र मे विविध ट्रैक कार्य **अनुमानित लागत** : 34275868.71 **बिड प्रतिभूति राशि** : 685500 **क्र. सं.** : 2. **निविदा संख्या/कार्य का नाम** : निविदा सं.–ई. जेपी–2026–27–137 सहायक मण्डल/लाईन/जयपुर–उप मण्डल के चाकसु–सवाईमाधोपुर सेक्शन के विभिन्न प्रमुख महत्वपुर्ण पुलो पर पत्थर कि पिचिंग (Stone) (Stone Pitching work) का कार्य और उससे जुडे अन्य कार्य करने का प्रावधान **अनुमानित लागत** : 34877533.40 **बिड प्रतिभूति राशि** : 697600 **1.** उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड–मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। **2.** निविदा संख्या इंजी./जय/2026–27/133 एवं 137 की बन्द होने की तिथि–16.12.2026 समय 15.00 बजे एवं खुलने की तिथी **16.12.2026** समय 16.00 बजे। **1691-DI/26**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर
क्रमांक- एफ-18 () सि.ला.जो./जय./नगिम/2026/2666 दिनांक: 27.11.2026
अनापत्ति आमंत्रण सूचना
भूखण्ड संख्या एच-38 मजदूर नगर जयपुर को 109.89 वर्गगज गज का नगर निगम जयपुर द्वारा दिनांक 23.02.2014 को श्रीमती अज्जमा पत्नी श्री बट्टीसिंह को पट्टा जारी किया गया था। तत्पश्चात मूल पट्टा धारक ने दिनांक 08.08.2023 को जरिये रजिस्ट्रेड वसीयत द्वारा सुश्री बीना कुमारी सोलंकी पुत्री श्री बट्टीसिंह के हक में की गयी। आवेदक द्वारा पंजीकृत वसीयत के आधार पर नाम हस्तांतरण चाहा गया है। उक्त नाम हस्तांतरण में किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को इस नाम हस्तानान्तरण बाबत् आपत्ति है तो आपत्ति के प्रकाशन तिथि से 07 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेंगे।
नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति संस्था फर्म को कोई आक्षेप नहीं है। और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
उपायुक्त, सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर

खोया पाया
मैं, गौरव जैन, निदेशक, YELLO WINGS CREATORS PRIVATE LIMITED, JAIPUR सूचित करता हूँ कि कंपनी के मूल वैधानिक एवं निगमन संबंधी दस्तावेजों की फाइल/बैग दिनांक 21.11.2026 को जयपुर में कहीं गुम हो गया है। काफी तलाश के बावजूद नहीं मिला। मिलने पर कृपया मोबाइल नंबर 8766643376 पर सूचित करें।

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम बुली से बदलकर फुली रख लिया है। भविष्य में मुझे फुली पत्नी श्री राम सहाय निवासी 77ए, मीनापाडा, पुरानी बस्ती, जयपुर के नाम से जाना जावे।
मैं नेहा सिंह पुत्री श्री दिलीप सिंह सोढा निवासी- पी-31-A, मिशन कम्पाउण्ड, जयपुर (राजस्थान) मैंने अपने पुत्र का नाम Orhan से बदलकर Orhan Singh रख लिया है। भविष्य में इसे Orhan Singh के नाम से जाना जाए।
I, SHIVAJI father of JC-461964Y Rank SUB Name PAWAR SAJJANRAO SHIVAJI present unit-8 MARATHA LI residing at Chavan Vasti, Vill &Post Dafalapur, Teh- Jath, Dist- Sangli, State- Maharashtra, Pin-416402, have changed my Name from SHIVAJI to SHIVAJI PARASHRAM PAWAR vide affidavit dated 27.11.2026. Notary, Jaipur (Raj).
I, KUSUM Mother of JC-461964Y Rank SUB Name PAWAR SAJJANRAO SHIVAJI present unit-8 MARATHA LI residing at Chavan Vasti, Vill &Post Dafalapur, Teh- Jath, Dist- Sangli, State- Maharashtra, Pin-416402, have changed my Name from KUSUM to KUSUM SHIVAJI PAWAR vide affidavit dated 27.11.2026 Notary, Jaipur (Raj).

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
कार्यालय विश्वविद्यालय अभियन्ता
निविदा सूचना संख्या 11/2026-27
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में विभिन्न कार्यों के लिये राजकीय/अर्द्ध–राजकीय विभागों के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से विभिन्न कार्यों की कुल संख्या 01 हेतु **कुल राशि रुपये 4.49 लाख** की सील बन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की अनुमानित लागत, निविदा देने एवं प्राप्त करने की दिनांक, समय, एवं शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट **www.uniraj.ac.in एवं http://sppp.raj.nic.in** पर उपलब्ध है, जिनका यूबीएन नम्बर **URA2627WSOB00112 NIB: URA2627A0047** है।
विश्वविद्यालय अभियन्ता

उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना इकाई
ई-टेण्डर निविदा सूचना : EPC मोड के आधार पर सिंगल स्टेज टू पैकेट सिस्टम
शुद्धि पत्र न.-1
S.NO. 1. निविदा का विवरण : कार्य का नाम व लोकेशन: नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के जयपुर डिवीजन के जयपुर–फुलेरा–मदार सेक्शन में 2x25 KV ट्रैक्शन सिस्टम (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) के तहत 220/132/55 KV ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेक्शनिंग पोस्ट (Sps) और सब–सेक्शनिंग पोस्ट (SSPs) का डिजाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। **ई–टेण्डर नोटिस संख्या: EL-PROJ-PSI-JP-EPC-01, द

बेकाबू डंपर ने ऑटो रिक्शा और स्कूल बस को टक्कर मारी, एक युवक घायल

भांकरोटा क्षेत्र में धारव पब्लिक स्कूल के गेट के पास हुआ हादसा

जयपुर (कासं)। भांकरोटा क्षेत्र में अजमेर रोड स्थित धारव पब्लिक स्कूल के गेट के पास शनिवार को तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े ऑटो रिक्शा और स्कूल बस को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। गनीमत रही कि हादसे के समय स्कूल बस में बच्चे सवार नहीं थे। बस से करीब आधा घंटे पहले ही बच्चों को उतारा गया था। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

थानाधिकारी दीपक त्यागी के अनुसार डंपर अजमेर की ओर से जयपुर आ रहा था। धारव पब्लिक स्कूल के गेट के पास पहुंचने पर डंपर ने पहले ऑटो रिक्शा को टक्कर मारी और फिर स्कूल के बाहर खड़ी बस को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो रिक्शा बुरी तरह क्षितग्रस्त हो गया। ऑटो में फंसे घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल भिजवाया।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार डंपर तेज रफ्तार में अजमेर रोड से जयपुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान वह सड़क के बाईं ओर धारव पब्लिक



- गनीमत रही कि हादसे के समय स्कूल बस में बच्चे सवार नहीं थे। बस से करीब आधा घंटे पहले ही बच्चों को उतारा गया था।
- टक्कर के बाद आरोपी डंपर चालक मौके से फरार हो गया, पुलिस तलाश में जुटी

स्कूल की तरफ घुस गया। पहले उसने ऑटो रिक्शा को टक्कर मारी और फिर स्कूल के बाहर खड़ी बस से जा भिड़ा।

हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची यातायात पुलिस ने लोगों को हटाकर यातायात सुचारू कराने का प्रयास किया। इस दौरान सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। थानाधिकारी दीपक त्यागी ने बताया कि हादसा अजमेर रोड स्थित धारव पब्लिक स्कूल के गेट के सामने हुआ। प्रारंभिक जांच में डंपर के ब्रेक फेल होना हादसे का संभावित कारण सामने आया है। डंपर का पंजीकरण नंबर आरजे-5 जीए-0313 है। पुलिस वाहन नंबर के आधार पर चालक की पहचान कर उसकी तलाश कर रही है।

स्कॉर्पियो के बोनट पर केक काटकर हुड़दंग मचाने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर। महेश नगर थाना क्षेत्र की सुंदर विहार कॉलोनी में बीच सड़क पर स्कॉर्पियो गाड़ी के बोनट पर केक काटकर हुड़दंग मचाने के मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने और शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई की।

डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज के अनुसार घटना 27 नवंबर की रात की है। आरोप है कि जन्मदिन मनाने के दौरान युवकों ने स्कॉर्पियो को बीच सड़क पर खड़ा कर उसके बोनट पर केक काटा। इस दौरान गाड़ी में लगी फ्लैश लाइट जलाने के साथ तेज आवाज में वीआईपी हूटर भी बजाया गया। इससे कॉलोनी में हुड़दंग और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा था, जिसमें कुछ युवक बीच सड़क पर स्कॉर्पियो खड़ी कर उसके बोनट पर केक काटते दिखाई दे रहे थे। गाड़ी पर पुलिस लिखा हुआ था और पुलिस का स्टीकर भी लगा था। युवकों ने फ्लैश लाइट और तेज आवाज वीआईपी हूटर का इस्तेमाल कर कॉलोनी में उत्पात मचाया।

खोह नागोरियान थाने का घेराव, पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा धरने पर बैठे

- प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि 23 नवंबर की रात महिलाओं के कार्यक्रम में पुलिसकर्मी शराब के नशे में पहुंचे और महिलाओं के साथ अभद्रता की। विरोध करने वाले लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर मारपीट और अपमानित किया गया।

जयपुर (कासं)। खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और उनका जुलूस निकालने को लेकर विवाद गहरा गया है। शनिवार को बड़ी संख्या में लोगों ने खोह नागोरियान थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा भी थाने के सामने धरने पर बैठ गए।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि 23 नवंबर की रात महिलाओं के कार्यक्रम में पुलिसकर्मी शराब के नशे में पहुंचे और महिलाओं के साथ अभद्रता की। विरोध करने वाले लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने, मारपीट करने और अपमानित करने का भी आरोप लगाया गया। प्रदर्शनकारियों ने न्याय मिलने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों ने गिरफ्तार आरोपियों का जुलूस निकालने पर भी कड़ी आपत्ति जताई और पुलिस की कार्रवाई को असंवैधानिक बताया। दूसरी ओर, पुलिस का कहना है कि तेज आवाज में डीजे बजाने और पुलिस टीम के साथ मारपीट करने के मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर मामला शांत कराने का प्रयास किया। एहतियात के तौर पर थाने के बाहर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया।

गौरतलब है कि खोह नागोरियान थानाधिकारी सुनील गोदारा के अनुसार थाने में तैनात एसआई रामफूल की शिकायत पर 24 नवंबर को पुलिस टीम के साथ मारपीट और राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 23 नवंबर की रात करीब 12 बजे एसआई रामफूल पुलिस जाब्ते के साथ डीजे बंद करवाने पहुंचे थे। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। समझाइश के बावजूद लोग नहीं माने। वीडियोग्राफी के दौरान पुलिसकर्मियों की वर्दी फाड़ने तथा मोबाइल छीनकर जमीन पर पटककर तोड़ने का भी आरोप लगाया गया। पुलिस ने इस मामले में कल्लू हाजी, शौकीन, मिशा, बाबू खान, कबीर खान, इकराम खान, मोहसिन और गद्दाम खान सहित अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद 25 नवंबर को पुलिस ने दबिश देकर कदीर खान (44), शौकीन उर्फ मिश्रा (35), बाबू खान (45), सद्दाम खान (32) और इकराम खान (46) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से फरारी के दौरान इस्तेमाल की गई दो गाड़ियां भी जब्त की गईं।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से घटनास्थल की मौका तस्दीक भी करवाई थी। इस दौरान आरोपी कान पकड़कर अपनी गलती की माफी मांगते नजर आए थे। पुलिस की इस कार्रवाई और आरोपियों का जुलूस निकालने को लेकर उनके परिजनों तथा स्थानीय लोगों में नाराजगी है, जो शनिवार को थाने के घेराव और धरने के रूप में सामने आई।

मालवीय कॉन्वेंट स्कूल का 19वां वार्षिकोत्सव संपन्न



मालवीय कॉन्वेंट स्कूल के 19वें वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, धार्मिक और देशभक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियां दी।

जयपुर। मालवीय कॉन्वेंट स्कूल का 19वां वार्षिकोत्सव 'प्रयास' शनिवार को बिड़ला सभागार, स्टैच्यू सर्किल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक अधिकारी महेन्द्र खींची, वरिष्ठ समाजसेवी रवि नैयर तथा संस्था निदेशक व प्रिंसिपल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। ''जड़ों से उभरते हुए भारत तक'' विषय पर आधारित समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, धार्मिक, खेल, नृत्य, संगीत और संवाद के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कृष्ण-सुदामा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिव तांडव, भारतीय सेना और स्केटिंग जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को प्रभावित किया। ''संस्कारों की धरोहर'' नाट्य प्रस्तुति के साथ महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, परिवार और योग पर आधारित कार्यक्रमों ने सामाजिक संदेश भी दिए। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों पर अभिभावक और अतिथि भाव-विभोर हो उठे। समारोह में शैक्षिणक, खेलकूद और अन्य क्षेत्रों में प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शशि कपूर मेमोरियल स्कॉलरशिप और स्व. कृष्ण अरोड़ा मेमोरियल स्कॉलरशिप के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई तथा उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करने के लिए प्रेरित किया गया। मंच संचालन प्रणय भारद्वाज ने किया। संस्था निदेशक डॉ. (सीए) सन्नी कपूर ने कहा कि 'प्रयास' विद्यालय के सतत प्रयास, अनुशासन, सृजनात्मकता और सर्वांगीण विकास का प्रतीक है।

वास्तुकला और शहरी विकास में महिलाओं के नेतृत्व पर मंथन

जयपुर। विमेन इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (विक्की) के राजस्थान आर्किटेक्चर चैप्टर की ओर से शनिवार को रोज़े आमेर में 'ऊर्जा-2026' का आयोजन किया गया। 'इन हर एलिमेंट' थीम पर आधारित कार्यक्रम में वास्तुकला, शिक्षा, सार्वजनिक अवसंरचना और शहरी विकास में महिलाओं के विचारों और नेतृत्व पर चर्चा हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ आर्किटेक्ट रश्मि गुप्ता को वास्तुकला में उल्लेखनीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत चैप्टर अध्यक्ष आर्किटेक्ट प्रीति अग्रवाल के स्वागत संबोधन से हुई।



राजस्थान आर्किटेक्चर चैप्टर की ओर से शनिवार को आयोजित ''ऊर्जा-2026'' समारोह में वरिष्ठ आर्किटेक्ट रश्मि गुप्ता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।

तीन विशेष सत्रों में अहमदाबाद की आर्किटेक्चरल हिस्टोरियन एवं शिक्षाविद् प्रो. माधवी देसाई ने भारतीय वास्तुकला के इतिहास में महिलाओं के योगदान और उनके कार्यों के दस्तावेजीकरण पर विचार रखे। दूसरे सत्र में एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (प्लानिंग) आर्किटेक्ट नंदिता भट्ट ने सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाओं के अनुभव साझा किए। सत्र में विक्की की उपाध्यक्ष आर्किटेक्ट गीतांजलि कसलीवाल ने उनसे संवाद किया। सेफ्टीपिन की सह-संस्थापक कल्पना विश्वनाथ ने शहरों की योजना में महिलाओं की सुरक्षा, आवागमन और रोजमर्रा के अनुभवों को शामिल करने पर जोर दिया। सत्र का संचालन संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट शालिनी गेहलोत ने किया। कार्यक्रम में आर्किटेक्ट निष्ठा पांडे की परिकल्पना पर आधारित 'इन माय एलिमेंट' पहल के तहत 'माय एलिमेंट वॉल' का अनावरण किया गया। इसमें महिला आर्किटेक्ट्स और चैप्टर सदस्यों की व्यक्तिगत पहचान और रुचियों को दर्शाती तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। आयोजन में विक्की राजस्थान आर्किटेक्चर चैप्टर की वर्किंग कमेटी की आर्किटेक्ट्स सना सोनी, केतकी कुलकर्णी, निष्ठा पांडे, निष्ठा गुलाटी, महेशी बानो, पारुल गुप्ता और शिवांशी सेठ की भूमिका रही। इवेंट लीड्स आर्किटेक्ट अनिका मित्तल और आर्किटेक्ट सगुना वाधवा ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर रीमा हूजा, गौरव अग्रवाल, आयुष कसलीवाल, ध्रुव गुप्ता और आशुतोष भार्गव सहित चैप्टर की सदस्याएं, आर्किटेक्ट्स और डिजाइनर्स मौजूद रहे। आयोजन को आदित्य बाथ, एलीट विंडो सिस्टम्स, महालक्ष्मी हार्डवेयर और एसएवी एंटरप्राइजेज का सहयोग मिला। अनंतया और स्किलयाक गिफ्टिंग पार्टनर रहे।

महिलाओं पर कार चढ़ाने की कोशिश का वीडियो वायरल

जयपुर। खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में महिलाओं पर बिना नंबर प्लेट लगी सफेद कार चढ़ाने की कोशिश का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कार सवार तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए महिलाओं की ओर कार बढ़ाता हुआ नजर आ रहा है। इस दौरान एक महिला कार की चपेट में आने से बाल-बाल बच गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद महिलाओं में आक्रोश फैल गया और कुछ महिलाएं पत्थर लेकर कार के पीछे दौड़ती दिखाई दे रही हैं।

वायरल वीडियो में बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौके पर मौजूद नजर आ रहे हैं। कार की तेज रफ्तार और चालक की कथित लापरवाही का महिलाएं विरोध करती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान कुछ महिलाएं मोबाइल फोन से पूरी घटना का वीडियो भी बना रही हैं। आरोप है कि कार चालक ने एक महिला की तरफ गाड़ी बढ़ा दी, जिससे वह बाल-बाल बची। इसके बाद आक्रोशित महिलाओं ने पत्थर लेकर कार का पीछा किया। वीडियो में कार चालक रिवर्स गियर में गाड़ी पीछे ले जाता हुआ भी दिखाई दे रहा है। मामले में एसीपी मालवीय नगर शिवदयाल बाजिया ने बताया कि फिलहाल इस घटना की जानकारी सामने नहीं आई है। वायरल वीडियो मंगवाकर मामले की जानकारी ली जाएगी।

सार-समाचार

एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग शुरू



जयपुर। एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग (डीबीएल) सीजन-8 का शुभारंभ शुक्रवार को स्पोफिट अकादमी में हुआ। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एसबीआई जयपुर सर्किल के जीएम नेटवर्क-1 रजनीश कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि एसबीआई के एजीएम संजय शर्मा, डॉ. नरेश सोमानी (सोमानी हॉस्पिटल), डॉ. राजवेन्द्र चौधरी (पिंकस्टार हॉस्पिटल) और डॉ. राकेश शर्मा (एसआरके हॉस्पिटल) थे। रजनीश कुमार ने प्रतियोगिता की सराहना करते हुए आयोजकों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं तथा मैच खेलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। लीग ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि पहले दिन किड्स वर्ग में आंजनेय हॉस्पिटल ने एक्सेल केअर को 3-2, होप हॉस्पिटल ने क्रेडल हॉस्पिटल को 4-1 और रेटिना रैकेटर्स ने जयपुर गैस्ट्रो को 3-2 से हराया। लीग ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. हनुमान खोज के अनुसार अंक तालिका में मेडिस्पा और जेएनआईसी 5-5 अंकों के साथ आगे हैं। अग्रवाल किड्स, श्रेयादित्य हॉस्पिटल और एचसीजी हॉस्पिटल्स के 4-4 अंक हैं। दीप हॉस्पिटल, केडिया हॉटशॉट्स और सुविरा के 3-3, जय गणपति के 2 तथा रावत आई हॉस्पिटल के 1 अंक हैं। एमजीएच और निय्या डायग्नोस्टिक भी आगे के मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की कोशिश में हैं।

दीपावली मिलन समारोह आयोजित



जयपुर। महाराजा कॉलेज के 50 वर्ष पुराने स्नातकों व पूर्व विद्यार्थियों का पुनर्मिलन व दीपावली स्नेह मिलन समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। आयोजन समिति सदस्य प्रमोद खंडेलवाल, इकबाल सिंह, नर सिंह स्वर्णकार ने बताया कि कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह के तहत जवाहर सर्किल स्थित ब्लूप्लूटो रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में गीत-संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। यहां करीब पांच दशक पुराने महाराजा कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों ने एक साथ जुटकर पुरानी यादें साझा की। इस मौके पर एन.के.जैन, गोपाल कृष्ण, एस. इकबाल सिंह तथा एन.के.मित्तल मौजूद थे। समारोह में देश-विदेश से कॉलेज के पुराने सहपाठी शामिल हुए, और अपने छात्र जीवन के अनुभवों को याद किया।

टांक को ''स्टार रनर ऑफ द ईयर'' अवार्ड



जयपुर। वेदांता पिंक सिटी रन की अवॉर्ड सेरेमनी में वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टांक को 'स्टार रनर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। आयोजन के फाउंडर मनोज सोनी ने बताया कि टांक को यह सम्मान सालभर में सबसे अधिक रनिंग करने के लिए दिया गया। वे लगातार लोगों को रनिंग के प्रति जागरूक करने के साथ बेहतर स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए प्रेरित कर रहे हैं। समारोह में अरुण सिंह, डॉ. नमित, अभिलाषा हेवर और हिमांशु भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के 11वें संस्करण की दौड़ रविवार को होगी, जिसमें देश-विदेश के हजारों रनर्स हिस्सा लेंगे।

आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह सम्मानित



जयपुर। राजस्थान जाट समाज संस्था विद्याधर नगर में जयपुर जाट ऑफिसर्स सोशल फोरम के रिटायर्ड आईएएस वी. पी. सिंह की अध्यक्षता में दीपावली मिलन समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर आयोजन समिति के सदस्य राजेंद्र खींचड़, संजय राजपाल व ईश्वर सिंह बुरड़क मौजूद थे। समारोह में सड़क सुरक्षा की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रादेशिक परिवहन कार्यालय जयपुर द्वितीय, विद्याधर नगर में वरिष्ठ आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को जाट ऑफिसर्स सोशल फोरम की ओर से मोमेंटो भेंट करके और माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

'हाईटेक सिटी का ड्रीम प्रोजेक्ट तीन साल बाद भी कागजों में, एक ईंट तक नहीं लगी'

- बजट फाइल्स के तीसरे एपिसोड में पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा

जयपुर (कासं)। राजस्थान की भाजपा सरकार की बजट घोषणाओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जारी वीडियो सीरीज ''बजट फाइल्स'' के तीसरे एपिसोड में जयपुर के पास प्रस्तावित हाईटेक सिटी परियोजना को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 में बजट में घोषित और मुख्यमंत्री की ओर से ''ड्रीम प्रोजेक्ट'' बताई गई हाईटेक सिटी की स्थिति यह है कि करीब तीन साल बाद भी जमीन तय नहीं हुई और कहीं एक ईंट तक नहीं लगी है।

गहलोत ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में बताया कि फरवरी 2024 के लेखानुदान भाषण के पैरा 31 में जयपुर की 40 लाख से अधिक आबादी की समस्याओं का हवाला देते हुए शहर के पास हाईटेक सिटी विकसित करने की घोषणा की गई थी। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय तकनीक, वित्तीय प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित आधुनिक क्षेत्रों के संस्थानों और कंपनियों को प्रोत्साहन देने तथा विश्वस्तरीय शहरी सुविधाएं विकसित करने की बात कही गई थी। हालांकि, घोषणा में परियोजना के लिए कोई बजट राशि निर्धारित नहीं की गई थी।

गहलोत के अनुसार, मई 2024 में परियोजना के लिए जमीन की तलाश जारी थी और जयपुर विकास प्राधिकरण को सरकारी जमीन नहीं मिल पाई थी। नवंबर 2024 में फागी, चाकसू और आगरा रोड क्षेत्र में संभावित स्थानों पर विचार किया जा रहा था, लेकिन कोई जगह तय नहीं हुई। दिसंबर 2024 में मुख्यमंत्री ने इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताते हुए अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट 2024-25, 2025-26 और 2026-27 के भाषणों में हाईटेक सिटी का उल्लेख नहीं मिला। उनके मुताबिक, अब तक न तो परियोजना के लिए जमीन तय होने की जानकारी सामने आई है और न ही निर्माण कार्य शुरू हुआ है।

गहलोत ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या सरकार को बजट में हाईटेक सिटी की घोषणा याद है? इसके लिए जमीन कहां और कब तक तय होगी तथा काम कब शुरू होगा? उन्होंने यह भी पूछा कि घोषणा के बाद के तीन बजट भाषणों में परियोजना का नाम और राशि क्यों शामिल नहीं की गई और इसे ड्रीम प्रोजेक्ट बताने के बाद अब तक क्या ठोस काम हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की बजट घोषणाएं कागजों तक सीमित रह गई हैं। उन्होंने कहा कि हाईटेक सिटी की घोषणा बजट में हुई, लेकिन परियोजना धरातल पर नहीं उतर सकी।

शास्त्रीय संगीत और कथक ने समां बांधा

जयपुर। कणिका पांडे फाउंडेशन की ओर से आयोजित पहले जयपुर रागा फेस्टिवल का शनिवार को होटल नारायण निवास पैलेस में शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि संगीत गुरु पं. एस. एस. पांडे, चित्रकार प्रो. चिन्मय एस. मेहता और फाउंडेशन की संस्थापक कणिका पांडे ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। पहले दिन ग्रैमी नामांकित बांसुरी वादक पं. शशांक सुब्रमण्यम ने राग वाचस्पति की प्रस्तुति दी। उनके साथ अभिषेक मिश्रा और पारुपल्ली फाल्गुन ने संगत की। मिरज के वाद्ययंत्र निर्माता नईम सितारमेकर ने वाद्ययंत्र निर्माण का लाइव प्रदर्शन किया, जबकि डॉ. पुष्कर लेले ने संगीत रसास्वादन कार्यशाला में रागों की बारीकियां समझाई। शाम को कोलकाता की गायिकाओं सबीना मुमताज इस्लाम और संजुक्ता बिस्वास ने आगरा घराने की जुगलबंदी में राग नंद प्रस्तुत किया। तबले पर अभिषेक मिश्रा और हारमोनियम पर राजेंद्र बनर्जी ने संगत की। समारोह का समापन संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित जयपुर घराने के कथक कलाकार पं.

अशोक गहलोत राजस्थान के सबसे झूठे नेता : मंत्री बेढ़म

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अशोक गहलोत प्रदेश के सबसे झूठे नेता हैं। वे बार-बार झूठे और भ्रामक दावे करके प्रदेश की जनता को गुमराह करने का प्रयास करते हैं। यदि गहलोत सरकार ने वास्तव में अच्छे काम किए थे, तो जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर का रास्ता क्यों दिखाया? इसलिए गहलोत को अब ''अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने'' की आदत छोड़ देनी चाहिए और अपनी सरकार के पांच साल के कुशासन और विफलताओं को याद करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत ने अपनी सरकार की नाकामियों और काले कारनामों पर गुलाबी पर्दा डालने के लिए निजी एजेंसी को ठेका दिया तथा जनता की गाढ़ी कमाई को पानी की तरह बहाया। उन्हें विज्ञापन के नाम पर राजनीति करने के बजाय अपने शासनकाल में सरकारी धन के इस्तेमाल का हिसाब देना चाहिए। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासन में राजस्थान अपराध, महिला अत्याचार और दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर देशभर में चर्चा में रहा। पेपरलीक माफियाओं ने प्रदेश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। महंगी बिजली, बढ़ती बेरोजगारी और किसानों से किए गए वादों से मुकरना कांग्रेस सरकार की पहचान बन गई थी। कांग्रेस की सरकार में ईआरसीपी और यमुना जल समझौते अटके रहे। प्रदेश के लिए पानी के लिए जो गहलोत जी सपने में भी नहीं सोच पाए, उन कामों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केवल तीन साल में ही धरातल पर उतारकर दिखाए हैं। इससे गहलोत की बेचैनी और राजनीतिक ईर्ष्या साफ दिखाई दे रही है।

'गहलोत के 5 साल पर भाजपा के 34 महीने के विकास कार्य भारी'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ''तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके गहलोत बिना तथ्यों के भ्रामक बयानबाजी करते हैं''

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के पांच वर्षों और भाजपा सरकार के 34 महीनों के विकास कार्यों की तुलना से वास्तविक तस्वीर सामने आ जाएगी। भाजपा सरकार ने कम समय में विकास के प्रत्येक क्षेत्र में कांग्रेस से अधिक काम किया है। उन्होंने गहलोत पर कपोल कल्पित आरोप लगाने और बिना तथ्यों के बयानबाजी करने का आरोप लगाया।

राठौड़ ने कहा कि गहलोत तीन बार मुख्यमंत्री रहे हैं, इसलिए उनसे तथ्य आधारित और जिम्मेदार बयान की अपेक्षा है। उन्होंने कांग्रेस पर सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आपातकाल में प्रेस सेंसरशिप लगाकर मीडिया की आवाज दबाई गई और चुनी



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

हुई सरकारों को बर्खास्त किया गया। उन्होंने सचिन पायलट के लिए गहलोत की ओर से निकम्मा और नकारा जैसे शब्दों के इस्तेमाल का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा एकजुट संगठन है और राजनीति में हार-जीत को खेल भावना से स्वीकार करना चाहिए। पंचायत चुनाव परिणामों पर राठौड़ ने कहा कि भाजपा जनादेश का सम्मान करती है और प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते उन्होंने परिणामों की जिम्मेदारी स्वयं ली है। वहीं, ईवीएम पर सवाल उठाने वाले गहलोत और कांग्रेस नेताओं को जनता से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

राठौड़ के अनुसार सिंचाई विकास में भाजपा सरकार ने कांग्रेस से लगभग पौने तीन गुना, तारबंदी में साढ़े चार गुना, मिनी स्प्रिंकलर स्थापना में पौने दो गुना और पशु चिकित्सालयों के क्रमोन्नयन में सवा चार गुना अधिक काम किया है। राजीविका स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण उपलब्ध कराने में भी लगभग पौने दो गुना कार्य हुआ। शिक्षा क्षेत्र में भाजपा सरकार ने 34 महीनों में 229 महाविद्यालय भवन बनवाए, जबकि कांग्रेस के पांच वर्षों में 57 बने। छात्राओं को योजनाओं का लाभ देने में यह संख्या 53,637 के मुकाबले 16,536 रही। भाजपा सरकार ने 21 पॉलिटेक्निक महाविद्यालय स्थापित किए, जबकि कांग्रेस के समय पांच बने। इसी तरह 17 संस्कृत महाविद्यालय आचार्य स्तर पर क्रमोन्नत किए गए, जबकि कांग्रेस के समय तीन हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में भाजपा सरकार ने 1.25 लाख नई स्वीकृतियां जारी कीं, जबकि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में 77950 स्वीकृतियां दी थीं। सड़क निर्माण में भाजपा सरकार ने 18917 किलोमीटर सड़कों पर 9704 करोड़ रु. खर्च किए, जबकि कांग्रेस के समय 13160 कि.मी. सड़कों पर 6910 करोड़ रुपये खर्च हुए। ग्रामीण सड़क संपर्क के तहत 1760 गांवों को जोड़ा गया, जबकि कांग्रेस के समय 1104 गांव जुड़े। मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण भी 10030 किलोमीटर के मुकाबले कांग्रेस के 6614 किलोमीटर रहा। ऊर्जा क्षेत्र में भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन क्षमता में 10,920 मेगावॉट की वृद्धि की, जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में यह 3,952 मेगावॉट थी। सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में भी भाजपा सरकार का आंकड़ा 28,303 मेगावॉट और कांग्रेस का 15,000 मेगावॉट बताया। भाजपा सरकार ने दो 400 केवी, नौ 220 केवी और 51 नए 132 केवी सबस्टेशन स्थापित किए, जबकि कांग्रेस के समय क्रमशः एक, पांच और 38 सबस्टेशन बने। स्वास्थ्य क्षेत्र में भाजपा सरकार ने 1573 उपस्वास्थ्य केंद्र भवन बनवाए, जबकि कांग्रेस के समय 515 बने।

ARBiT
it happens here...



Electronic Greetings Day: Celebrating Digital Connections

Observed annually on November 29, Electronic Greetings Day celebrates the modern art of staying connected through technology. From e-cards and GIFs to personalized video messages, this day highlights how digital communication has transformed the way we share emotions, gratitude, and celebration. What once required postage and patience can now be sent instantly across the world with a click. The day encourages people to reconnect with loved ones through thoughtful online gestures, reminding us that even in a digital age, sincerity and warmth can transcend screens and bring smiles, no matter the distance.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
29 November 2026
A-B

#PERHAPS...

The Letters That Went to Heaven

So, he wrote back. In careful, warm handwriting, he told the boy that everything was good in heaven



When a little boy was six years old, his father died in an accident. He was too young to understand what death truly meant. He only knew that his father was gone. When he asked where his father was, his mother told him, "He is in heaven now."

The boy believed her. So, one day, he decided to write his father a letter.

He carefully wrote his father's name on the envelope and added an unusual address: "To Dad in Heaven." He dropped the letter into a postbox, believing that it would somehow reach his father.

Instead, the letter reached a postal sorting office.

There, it was sent to the section for undeliverable mail. The employee handling such letters had a simple responsibility: letters that could not be delivered were eventually destroyed.

But he couldn't bring himself to destroy this one.

The postal worker had experienced a tragedy of his own. Many years earlier, he had lost a child. Reading the little boy's letter reopened an old wound, but it also gave him a chance to do something he wished someone had done for him. So, he wrote back.

In careful, warm handwriting, he told the boy that everything was good in heaven. He told him that his father could see him growing up and was proud of him. He reminded him to listen to his mother and continue being a good boy.

The boy believed the reply completely. And he wrote again. Over the years, his letters became a record of his childhood. He wrote about school, birthdays, friends, worries and all the small things he wished he could tell his father.

And every time, the mysterious man answered.

For eight years, the correspondence continued.

The boy grew from a six-year-old grieving his father into a fourteen-year-old teenager. Throughout those years, he believed that his letters were reaching heaven and that his father was somehow answering them.

Then came the final letter.

The boy was now fourteen. The message told him that he was grown up and didn't need to keep writing anymore. His father was watching him anyway. The boy eventually stopped writing.

Years passed.

Then, in 2024, he began wondering about his childhood letters. How had they ever reached his father? Who had been responding to him all those years?

He decided to investigate.

He traced the letters back through the postal system until he found the sorting office where they had originally arrived. Eventually, he discovered the identity of the retired postal worker who had answered them.

When they finally met, the old man showed him something unexpected.

A box. Inside were the boy's original childhood letters, carefully preserved for 18 years. The grown man was overwhelmed. After all those years, he finally asked the question that had remained unanswered since childhood:

"Why did you do it?" The retired postal worker gave a simple answer.

Perhaps, his father would have wanted someone to answer. The letters had never actually reached heaven. But they had reached someone who understood what it meant to lose someone you love.

The old man had lost a child. The little boy had lost his father. In a strange and beautiful way, their grief connected them.

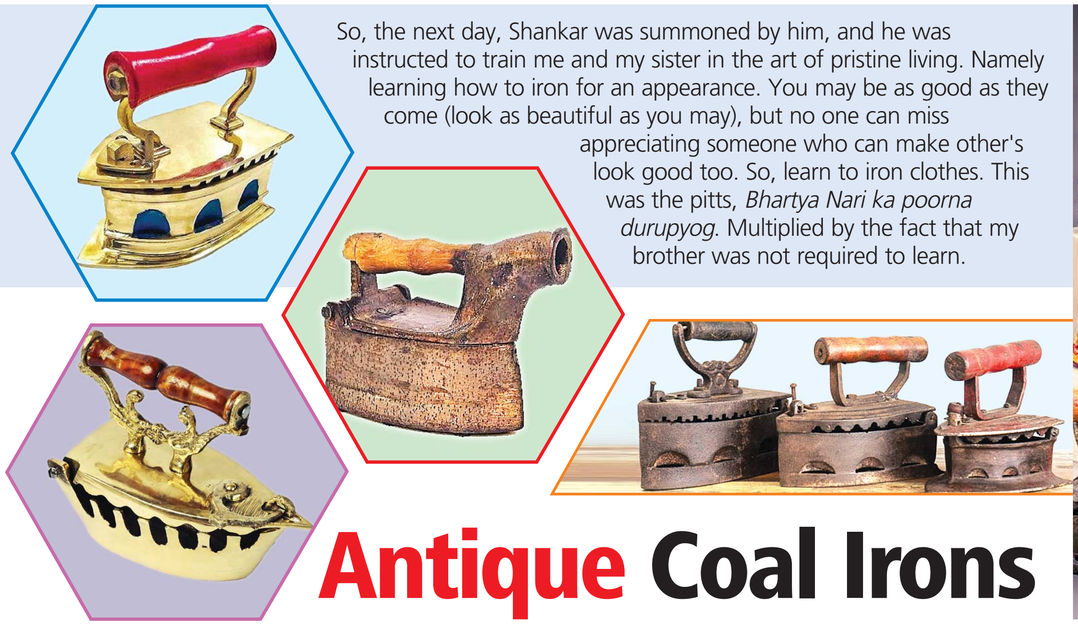
The postal worker could not bring the boy's father back. He could not change what had happened. But he could give a grieving child something precious: the feeling that his father had not completely disappeared.

And perhaps, that is what makes the story so powerful.

Sometimes, a letter does not reach the person whose name is written on the envelope. Sometimes, it reaches someone who understands why it was written.

For eight years, a little boy thought he was writing to his father in heaven. An old man, carrying his own grief, quietly answered every letter. The postal system could not deliver those messages to heaven. But somehow, they reached exactly where they needed to go. Sometimes, letters miss their destination, but still find the person they were meant to reach.





So, the next day, Shankar was summoned by him, and he was instructed to train me and my sister in the art of pristine living. Namely learning how to iron for an appearance. You may be as good as they come (look as beautiful as you may), but no one can miss appreciating someone who can make other's look good too. So, learn to iron clothes. This was the pitts, *Bhartya Nari ka poorna durupyog*. Multiplied by the fact that my brother was not required to learn.

Antique Coal Irons



Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Remember my young days. School dress crisply and at that very moment pressed, for a completely tidy appearance. My dad was a stickler for blade sharp edges to skirt folds, especially for the march past for twenty sixth January.

We had an old family retainer, a dhobi, and he was the man responsible for half our school education. Mainly because we could not have left for school if we were not dressed properly, which means skirts with razor sharp pleat edges, and my brother's again razor sharp trouser front pleat. They were called trousers then, not pants. If you would insisted on the 'p' word, you could be permitted to call them pantaloons. So, we all compromised on trousers.

The early morning, before it is completely light, when we were getting ready for school, is a memory replete with many fragrances. Milk boiling, and being cooled down for urgent use, climber roses bursting with heady fragrance from the open window, the shakarkandi wala singing his wares for a spicier breakfast, his brazier hot to roast the lip smacking, lemon and spice sprinkled sweet potatoes, which were savoury and not sweet at all, the masala sent out a divine smell. We got that only on Sundays, a potato seller singing his basket's value, very tunefully, 'Ik Dubbar (Doubloon) Ke paua yadua, Ik dubber ke paua bhai,' a melody full of a fragrant possibility at late lunch, and Shankar, our old, very old dhobi, sliding his hot coal iron over our dresses to my father's close observation, his iron sending out hisses at every slide from right to left, the coals burning in the cavity of the iron sang out on the sprinkles of dampening water, and to add to the music, let out a particular fragrance which only an iron working on clothes does. Try as one may, charcoal, which was the type used, as hard coal was said to spit when burning, and could singe clothes, was not a preferred choice, never repeats this treat at any other time.



Shankar, our old, very old dhobi, sliding his hot coal iron over our dresses to my father's close observation, his iron sending out hisses at every slide from right to left, the coals burning in the cavity of the iron sang out on the sprinkles of dampening water, and to add to the music, let out a particular fragrance...

He had a place of veneration in our household. He did not stand out in the cold, and do his job out of sight. He commanded a largish room just adjacent to the kitchen opening on to the back porch, which extended in three directions. The first immediately attached to the kitchen, which had two doors, one into the verandah leading to the dining room, one opening onto the porch, where achar, daily grinding of masalas was done. He also opened onto this porch, with direct access to the back dining room. Where we all ate, unless it was a formal meal.

He had, at any time of the day, three irons working on rotation. One which he was using, the second left to cool off awaiting refilling, and the third working up, with coals burning bright inside it. Little flickers of fire licking with long tongues from its eyes. It was a fascinating sight. As a small child, I used to wonder, and one day, I remarked to my grandfather that Ravan's eyes must be like this. He had a huge laugh, and called Shankar inside, got the cook to give him tea, and said that this Ravan is everyday tamed by our very own Shankar.

Our dresses were pristine, razor sharp pleats. And we never had occasion to be pulled up for bad attire in school. For the delicate clothes, that is my mother and my grandmother's silk sarees, he used the almost spent iron, and that was grumbled about in soft whispers. This was *Bharat ki bechari nari ka durupyog* (Misuse of the women of India), he treats women like second class citizens, with all the hierarchy thrown in to boot. That was because grandma's saree always got done before mom's. The odious second layer to this partiality would raise its serpent head, when Bua visited. The mom took another demotion to third place.

Shankar always smiled, he would eat food, drink tea, and ironed for the first half of the day. There were no Sundays, only Amavasya holiday. That day, he would not touch his irons. *Paap ka bhagi nahi hona hai. Is janm me dhobi hu aage hari bhakt banu.* I asked him one Sunday, why he would work on this day when everybody is having fun, playing strolling chatting. He told me that one day has been set aside for him too, Amavasya, that day touching the tool of his income will earn him God's displeasure instead of Lakshmi. *Ye andhera din hai* (this is a dark day), good does not happen today.

Shankar was old. His son started to come in to help him, and I remember that I was in the seventh standard. My school started to make us aware of the hardship and expense our parents made for our education so as to sensitise niggardlies amongst us. A new pattern of life, with consideration as a byword, began with reusing skirts for the next day. It was an exercise in careful use of clothes, looking after them, and appreciating what goes into them. My grandfather was excited about this turn in our lives.

So, the next day, Shankar was summoned by him, and he was instructed to train me and my sister in the art of pristine living. Namely learning how to iron for an appearance. You may be as good as they come (look as beautiful as you may), but no one can miss appreciating someone who can make other's look good too. So, learn to iron clothes. This was the pitts, *Bhartya Nari ka poorna durupyog*. Multiplied by the fact that my brother was not required to learn.

#LOVE PRESSED



Eyes blank, no Ravana blazing from them. Forgotten by me and everyone who had used them, and could remember those razor sharp pleats. You don't get those razor sharp pleats or edges with any modern press anymore. There are no Shankars to teach girls about beauty without payment. Or a blessing full of love.

A very depressing Sunday arrived. That was the day appropriated from loitering to mindful use, women's mindful use. God is a man! Declared my visiting bua. My mom generally kept voice down, and I later learned that grand mom had told her that *beti ka byah karna hai, sasural jake naam roshan karegi kya!*

Shankar smiled. He told us both a beautiful story, and I think he just made it up for us. He said that this hot iron is angry and full of hate, but my princesses' hands cool it off. Just try. I work the whole day, and get paid. So, that is quits. But when you will cool it off, it will bless you with all its burning heart. Because no one touched it for anything but coins, but you. My sister and I were both stunned. Poor iron, no one blessed it and it never thanked anyone in return. A burst of love for the poor thing came to me. Resentment left me, and I learnt my first piece of ironing on my father's trousers. With razor sharp pleats. Till I was married, I ironed his formal trousers with love for both my father and the burning iron, who no one blessed before this.

Recently, I saw one of those old heavy irons, these were lying in an antique shop. Eyes blank, no Ravana blazing from them. Forgotten by me and everyone who had used them, and could remember those razor sharp pleats. You don't get those razor sharp pleats or edges with any modern press anymore. There are no Shankars to teach girls about beauty without payment. Or a blessing full of love.

The antique shop had a fascinating collection of antique charcoal irons, showcasing beautifully crafted metal bodies, polished wooden handles, intricate floral engravings, and decorative brass accents. Once essential household tools, these remarkable irons combine practical ingenuity with artistic craftsmanship, reflecting the elegance, durability, and distinctive charm of historical domestic life and vintage design traditions. And a memory of early morning fragrances, of roses, milk, vendors and a hot coal iron sliding over clothes.

rajeshsharma1049@gmail.com





#VENICE BIENNALE 2026

India Wins Visitors' Lion

India's award-winning pavilion, titled *Geographies of Distance: Remembering Home*, explored the complex relationship between memory, identity, belonging and the idea of home



India has made a significant mark on the international contemporary art scene by winning the Visitors' Lion for Best National Participation at the Venice Biennale 2026. Often described as the Olympics of the art world, the Venice Biennale is among the most prestigious international exhibitions of contemporary art, bringing together nearly 100 national pavilions and showcasing artistic expressions from across the world.

India's award-winning pavilion, titled *Geographies of Distance: Remembering Home*, explored the complex relationship between memory, identity, belonging and the idea of home. Curated by Dr. Amin Jaffer, the exhibition brought together five Indian contemporary artists, each offering a distinct interpretation of what home means in a world shaped by migration, changing landscapes and shifting cultural identities.

The recognition was particularly special because India returned with a national pavilion after a seven-year gap. Its last participation was in 2019, making the 2026 edition an important moment for India's contemporary art community.

Why the Award Was Different This Year

The victory also comes against the backdrop of an unusual and politically charged edition of the Biennale. Traditionally, the Golden Lion awards are selected by an international jury. However, in 2026, all five members of the international jury resigned following disagreements over the participation of Russia and Israel, particularly in the context of the ongoing geopolitical conflicts and the controversy surrounding the countries' inclusion.

Following the resignations, the Biennale introduced the Visitors' Lions, allowing audiences to vote for their favourite artists and national pavilions. The awards were therefore decided through public voting rather than the traditional jury process. India's victory was announced on November 25, after the exhibition concluded.

Five Artists, Five Stories of Home

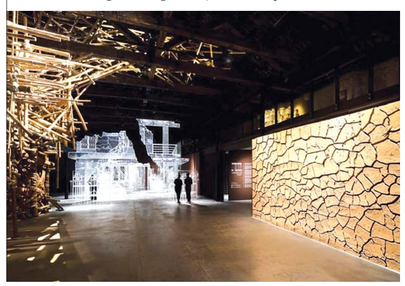
The Indian pavilion brought together five distinct artistic practices:

- **Alwar Balasubramaniam:** His work *Not Just for Us* used clay and soil from rural Tamil Nadu to explore land, memory and environmental transformation.
- **Ranjani Shettar:** Her installation *Under the Same Sky* featured suspended organic forms inspired by flowers and natural growth.
- **Sumakshi Singh:** Through *Permanent Address*, she recreated her demolished family home in New Delhi using delicate embroidered thread.
- **Skarma Sonam Tashi:** His work *Echoes of Home* used papier-mâché to explore Ladakhi architecture, ecology and cultural continuity.
- **Asim Waqif:** His bamboo installation *Chaal* drew inspiration from scaffolding and India's changing urban landscapes.

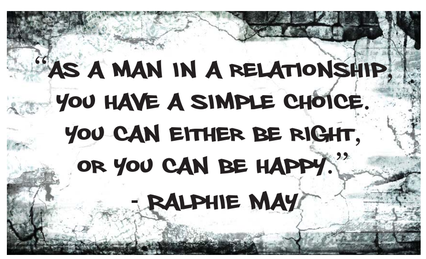
The pavilion received approximately 4.5 lakh visitors during the exhibition, making it one of the most visited national pavilions at the event.

India's achievement is significant not simply because it has won an international art award, but because it has brought contemporary Indian artistic expressions to a global audience. Its presentation demonstrated how materials such as soil, bamboo, thread and papier-mâché can communicate stories that transcend geographical boundaries.

After seven years away from Venice, India has returned with an exhibition that asks a deeply personal question: What makes a place home? Its answer, expressed through five different artistic voices, has found resonance with visitors from around the world.



THE WALL



BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



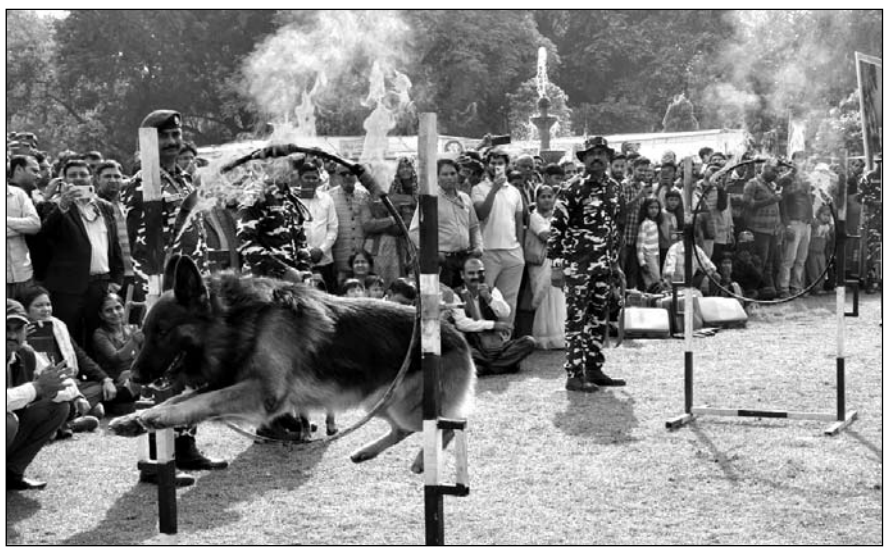
''मत्स्य उत्सव'' का रंगारंग समापन, पेट शो में दिखे श्वानों के हैरतअंगेज करतब

ऐतिहासिक भानगढ़ में लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पर्यटकों और आमजन को राजस्थान की लोक संस्कृति से रूबरू कराया

अलवर, (निसं)। चार दिवसीय मत्स्य उत्सव-2026 का शनिवार को रंगारंग समापन हुआ। समापन दिवस पर पुरजन विहार (कंपनी गार्डन) में अलवर पेट शो, फ्लावर शो और फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। वहीं ऐतिहासिक भानगढ़ में लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पर्यटकों और आमजन को राजस्थान की लोक संस्कृति से रूबरू कराया।

जानकारी के अनुसार कंपनी गार्डन में आयोजित अलवर पेट शो में 150 से अधिक नस्लों के पालतू पशुओं ने अपनी विशेषताओं और कौशल से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। एसएसबी के प्रशिक्षित श्वानों ने ट्रैकिंग, सर्च ऑपरेशन तथा विस्फोटक और मादक पदार्थों की पहचान का प्रदर्शन किया। जवानों के साथ उनके बेहतर तालमेल और अनुशासन को देखकर दर्शकों ने तालियां बजाईं। पेट्स रिंग शो में जर्मन शेफर्ड, साइबेरियन हस्की, पोमेरेनियन, पूडल, पर्शियन कैट सहित विभिन्न प्रजातियों के पालतू पशुओं ने रोचक करतब दिखाए।

जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि पेट शो का उद्देश्य पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और प्रेम बढ़ाना तथा बेसहारा स्ट्रीट डॉग्स को गोद लेने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि पालतू पशु बिना बोले भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। अलवर में बेजुबान पशुओं को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के लिए डॉग शेल्टर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम की टीम गठित करने पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने उत्सव के कार्यक्रमों में आमजन की भागीदारी के लिए आभार जताया।



महोत्सव के समापन पर एसएसबी के प्रशिक्षित श्वानों ने प्रदर्शन किया।

- पुरजन विहार (कंपनी गार्डन) में अलवर पेट शो, फ्लावर शो और फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया

कार्यक्रम में पशु चिकित्सकों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और एंटी रेबीज टीकाकरण किया। विभिन्न श्रेणियों में श्रेष्ठ डॉग्स, कैट्स, रैबिट्स और स्ट्रीट एनिमल्स का चयन कर विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार दिए गए। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। राजर्षि कॉलेज में आयोजित मेहंदी, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

फ्लावर शो में सागर नर्सरी प्रथम : -फ्लावर शो में गुलदाउदी, गुड़हल, पीस लिली, एग्जोरा और मोरपंखी सहित विभिन्न प्रजातियों के फूलों और पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें सागर नर्सरी ने प्रथम, गार्डनिया नर्सरी और सैनी कट फ्लावर ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा राजस्थान नर्सरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फोटो प्रदर्शनी में अलवर के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

भानगढ़ में लोक संस्कृति की छटा :-मत्स्य उत्सव के तहत भानगढ़ में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पद्मश्री गफरूद्दीन मेवाती ने भपंग वादन प्रस्तुत किया। शिवनारायण ने चकरी नृत्य, मनभर ने कालबेलिया, गोपाल ने सहरिया, तगाराम और पारसमल माली ने गैर नृत्य तथा वर्षा ने भवई नृत्य की प्रस्तुति दी। गोला का बास राजकीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने भी चकरी नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया।

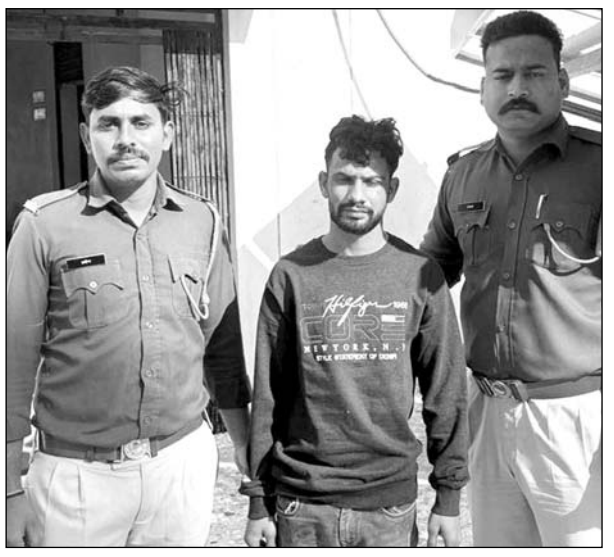
इस अवसर पर कार्यक्रम में आईएएस अदिति वार्ष्णेय, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक रमेश चंद मीणा, उद्यान विभाग के उपनिदेशक केएल मीणा, बीडीओ राजगढ़ विक्रम सिंह गुर्जर, जिला शिक्षा अधिकारी मनोज शर्मा, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी, एसएसबी के जवान और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

डूंगरपुर में एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी करने का गिरफ्तार

ठगी की रकम जमा कराने के लिए अपने दोस्त के बैंक खाते और क्यू आर कोड का इस्तेमाल करता था

डूंगरपुर, (निसं)। साइबर थाना पुलिस ने फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर साइबर ठगी करने के आरोप में विजेश पाटीदार को गिरफ्तार किया है। आरोपी लड़कियां उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों से अलग-अलग बहानों से पैसे वसूलता था। ठगी की रकम जमा कराने के लिए वह अपने दोस्त के बैंक खाते और क्यू आर कोड का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने राजस्थान पुलिस के ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकडा है।

डूंगरपुर साइबर थाने के सीआई मुकेश कुमार ने बताया कि अभियान के तहत संदिग्ध बैंक खातों और म्यूल अकाउंट्स की जांच की जा रही है। साइबर ठगी के एक मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट और केवाईसी दस्तावेजों का विश्लेषण किया। इस दौरान गणेशपुर निवासी अरविंद पाटीदार का बैंक खाता संदिग्ध पाया गया। जांच में सामने आया कि खेरमाल, थाना दोवडा निवासी विजेश पाटीदार ने अपने दोस्त से उधारी के पैसे जमा कराने और पुराना कर्ज चुकाने का बहाना बनाकर उसका क्यूआर कोड ले लिया था। इसके बाद वह साइबर ठगी से हासिल रकम दोस्त के बैंक खाते में जमा करवाता था। पुलिस के अनुसार, इस बैंक खाते का इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा था, ताकि ठगी की रकम का लेन-देन दूसरे व्यक्ति के खाते से किया जा सके। साइबर थाना पुलिस की टीम ने विजेश पाटीदार को पकड़ा। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर लड़कियां उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों से साइबर ठगी करना स्वीकार किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।



पुलिस ने साइबर ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

डंपर-बाइक की भिड़ंत में दो जने गंभीर घायल, झुंझुनूं रैफर

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के कोलिहान नगर में शनिवार को डंपर और बाइक के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों घायलों को गंभीर हालत में खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर करना पड़ा।

- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई

जानकारी के अनुसार खेतड़ी के वार्ड नंबर 5 निवासी हरीश (22) पुत्र महिपाल अपने मामा के लड़के पवन (26) पुत्र महेंद्र कुमार निवासी नारनौल के साथ बाइक पर सवार होकर निजामपुर मोड़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान कोलिहान नगर के पास उनकी बाइक की डंपर से भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद में जुट गए। ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। हादसे की जानकारी मिलने पर खेतड़ी से दो एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और दोनों घायलों को राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल के पीएमओ डॉ. अक्षय कुमार शर्मा ने बताया कि हरीश और पवन को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

हादसे की सूचना पर खेतड़ी थाने के एएसआई महिपाल सिंह पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौका मुआयना कर दुर्घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई। हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और डंपर को जब्त कर लिया है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।



एंबुलेंस से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

बिना ओटीपी नंबर दिए खाते से 3.84 लाख रुपये पार

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर स्थित पावटा प्रथम पोलो में रहने वाले एक सुनार से साइबर फ्रॉड हो गया। शातिर ने बिना ओटीपी नंबर के खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर 3 लाख 84 हजार रूपए निकाल लिए। पीड़ित की तरफ से पहले साइबर पोर्टल पर शिकायत दी गई। अब महामंदिर पुलिस ने धोखाधड़ी में मामला दर्ज किया है।

महामंदिर पुलिस ने बताया कि पावटा प्रथम पोलो निवासी अशोक पुत्र गोविंद सोनी ने रिपोर्ट दी। इसके अनुसार 23 नवंबर को उसके मोबाइल पर मिले संदेश से पता लगा कि उसके साथ साइबर फ्रॉड हुआ है। किसी शातिर से उसके बैंक एकाउंट से 3 लाख 84 हजार 185 रूपए निकाल लिए। उसके द्वारा कोई ओटीपी नंबर भी साझा नहीं किए गए थे। उसने साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी थी।

जोधपुर में सूने मकान से 22 लाख के आभूषण चोरी

परिवार के लोग दिन में शादी समारोह में गए हुये थे, वापिस रात को लौटे तो घटना का पता लगा

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बासनी लाछा रोड करवड़ में एक सूने मकान में चोरी हो गई। चोर घर के ताले तोड़कर प्रवेश कर वहां से 14 तोला सोना और 45 तोला चांदी के आभूषण ले गए। परिवार के लोग दिन में शादी समारोह में गए थे,वापिस रात को लौटे तब घटना का पता लगा। इस बारे में घर मालिक ने करवड़ थाने में चोरी की रिपोर्ट दी।

थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि बासनी लाछा रोड पर रहने वाले दलवीरसिंह पुत्र जगदीश सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह 25 नवंबर को दिन में शादी समारोह में गए थे। रात को वापिस लौटने पर पता लगा कि घर के ताले टूटे पड़े हैं। चोरों ने अंदर अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर करीब 14 तोला सोना और 45 तोला चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। थानाधिकारी परमेश्वरी के अनुसार सीसीटीवी फुटेज देखे गए हैं, चोरी दिन में होना प्रतीत हुआ है और दो संदिग्ध वहां दिखे हैं। इनकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही चोरों को पकड़ा जाएगा। चोरी गए आभूषण तकरीबन 20-22 लाख के है। अग्रिम जांच की जा रही है।

हादसे में घायल हुये युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के डांगियावास स्थित दांतीवाड़ा गांव की सरहद में अज्ञात वाहन चालक की टक्कर से युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, मगर उसे बचाया नहीं जा सका। उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से पुलिस में रिपोर्ट दी गई। पुलिस मामले कक्की जांच कर रही है।

डांगियावास पुलिस ने बताया कि पीपाड़ शहर के बांकोलिया निवासी अशोक पुत्र भागीरथ माली की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई बाइक लेकर दांतीवाड़ा गांव की सरहद से निकल रहा था। तब किसी वाहन चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में उसका भाई बुरी तरह घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजन को सौंपा। अज्ञात वाहन चालक की पहचान के प्रयास जारी है।

कमलसिंह दरोगा हत्याकांड : परिजनों और रावणा राजपूत समाज में आक्रोश भड़का

भीलवाड़ा, (निसं)। मालोला गांव में हुए सनसनीखेज कमलसिंह दरोगा हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। बेरहमी से की गई हत्या और उसके बाद शव की खौफनाक हालत ने परिजनों और रावणा राजपूत समाज में आक्रोश भड़का दिया। न्याय और हत्यारों की फौरन गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन एवं समाजजन जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर करीब 24 घंटे तक डटे रहे। परिजन इस जिद पर अड़े रहे कि जब तक कातिल पकड़े नहीं जाते, तब तक न पोस्टमार्टम होगा और न ही शव उठाया जाएगा। आखिरकार शनिवार सुबह तहसीलदार और थाना प्रभारी की समझाइश तथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई के भरोसे के बाद गतिरोध टूटा और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

- न्याय और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन एवं समाजजन जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर डटे रहे, समझाइश पर मामला शांत हुआ

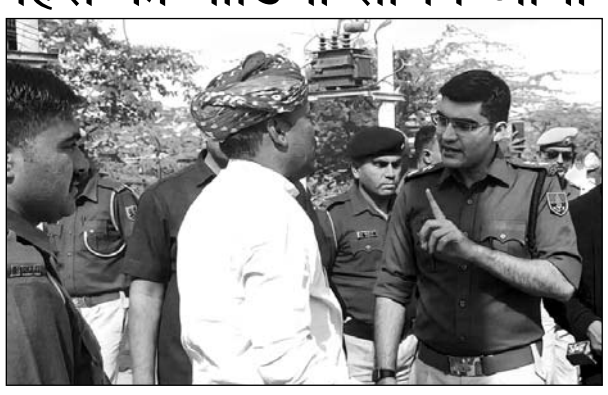
जानकारी के अनुसार मालोला निवासी कमलसिंह दरोगा (37) खेती-किसानी कर अपने परिवार का पेट पालते थे। 24 नवंबर को वे हर दिन की तरह घर से निकले, लेकिन फिर लौटकर नहीं आए। परिजनों के मुताबिक वे सुबह करीब 11 से साढ़े 11 बजे के बीच घर से रवाना हुए थे और दोपहर करीब एक बजे उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। दिनभर और रातभर खोजबीन के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने गांधीनगर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। इसी बीच परिजनों का आरोप है कि गुरुवार को कमलसिंह की बाइक उनके खेत पर लाकर छोड़ दी गई थी। सस्पेंस और चिंता के बीच शुक्रवार सुबह मालोला गांव के जंगल और खेत की मेड़ के पास कमलसिंह का शव क्षत-विक्षत हालत में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया, एएसआई सुनील शर्मा और नारायणलाल शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में धारदार हथियार या कुल्हाड़ी से वार कर निर्मम हत्या किए जाने की आशंका जताई गई। लंबे समय तक खेत में पड़े रहने के चलते जंगली जानवरों ने उनका चेहरा और एक हाथ भी नोच डाला था। इस वीभत्स दृश्य को देख ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा।

वारदात की खबर फैलते ही परिजन और रावणा राजपूत समाज के लोग बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे और मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। समाजजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की और चेतावनी दी कि कातिलों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम नहीं होने दिया जाएगा। सर्द रात में भी मोर्चरी के बाहर लोगों का जमावड़ा लगा रहा। करीब 24 घंटे तक चले इस तनावपूर्ण घटनाक्रम के बीच शनिवार सुबह तहसीलदार दिनेश कुमार और गांधीनगर थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया ने धरने पर बैठे परिजनों और समाजजनों से समझाइश की। अधिकारियों द्वारा नियमानुसार कड़ी और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। इसके बाद मेडिकल बोर्ड का गठन कर पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

एसपी सागर राणा और विधायक गोपीचंद मीणा के बीच बहस का वीडियो सामने आया

भीलवाड़ा, (निसं)। सड़क पर पुलिस बल की मौजूदगी के बीच एसपी सागर राणा और जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के बीच तीखी बहस और हंगामे का मामला सामने आया है। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच एस्कॉर्ट व्यवस्था, कथित बाहरी-अपराधी तत्वों, तीन एफआईआर पर कार्रवाई और भाषा के लहज़े को लेकर कहासुनी होती दिखाई दे रही है।

घटनाक्रम के अनुसार वीडियो की शुरुआत में सड़क किनारे पुलिस जाब्ते और एक सफेद एसयूवी के आसपास गहमागहमी दिखती है। इस दौरान गाड़ी को एस्कॉर्ट दिए जाने को लेकर सवाल उठाए जाते हैं और एसपी भीड़ को हटाने व स्थिति संभालने का प्रयास करते नजर आते हैं। बहस के बीच मौके पर मौजूद लोगों और ''कांग्रेस जिलाध्यक्ष'' का ज़िक्र करते हुए आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है। वीडियो में विधायक द्वारा बाहर के तथाकथित अपराधी तत्वों को प्रोटेक्शन मिलने और तीन एफआईआर दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई न होने का मुद्दा उठाया जाता है, साथ ही पीड़ित माता-पिता से बात कराने की मांग की जाती है। हंगामे के दौरान भाषा की मर्यादा और बोलने के लहज़े को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस होती है। वीडियो में ''गाली'', ''तमीज़'', ''माननीय'' और ''रिकॉर्डेड है'' जैसे शब्दों के बीच एक-दूसरे पर आरोप लगाए जाते हैं। वहीं, पुलिस अधिकारी मौके पर ''भीड़-भाड़ इकट्ठी न करने'' की बात कहते हुए स्थिति को नियंत्रित करने पर जोर देते दिखते हैं।



सड़क पर पुलिस बल की मौजूदगी के एसपी सागर राणा और जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के बीच तीखी बहस और हंगामा हुआ।

कोटा : अभ्यास के दौरान कांस्टेबल के हाथ में गोली लगी

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना क्षेत्र के अभेड़ा फायरिंग रेंज में शनिवार को फायरिंग प्रैक्टिस के दौरान कांस्टेबल के हाथ मे गोली लगने का मामला सामने आया है। हादसे में कांस्टेबल मुकेश घायल हो गया जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस जवान अभेड़ा फायरिंग रेंज में फायरिंग की प्रैक्टिस के लिये पहुंचे थे, जहां कांस्टेबल मुकेश कुमार पिस्टल की सफाई कर रहा था कि अचानक से पिस्टल से गोली चल गई और कांस्टेबल के हाथ में लग गई, गोली चलने की आवाज के साथ ही वहां मौजूद पुलिसकर्मियों व अधिकारियों ने हादसे में घायल कांस्टेबल को संभाला और तुरंत प्रभाव से उपचार के लिये अस्पताल पहुंचाया। गनीमत रही कि गोली हाथ में लगी जिससे कांस्टेबल बाल-बाल बचा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और घायल जवान के बारे में चिकित्सकों से जानकारी ली। एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा ने बताया कि पुलिसकर्मी अभेड़ा फायरिंग रेंज में फायरिंग प्रैक्टिस के लिये पहुंचे थे। तभी पिस्टल साफ करते समय अचानक कॉस्टेबल की पिस्टल से गोली हाथ में लगी, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जैसलमेर के जियाई गांव के पास एयरफोर्स की चारदीवारी के नजदीक हो रहा अवैध खनन

पांच दिन में 30 लाख का 3 हजार टन यलो मार्बल निकाला, दो साल से चल रहा है खनन

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में खनिज संपदा के अवैध दोहन का एक गंभीर मामला सामने आया है। शहर से सम की ओर जाने वाले सड़क मार्ग से करीब पांच किलोमीटर दूर जियाई गांव के आसपास, एयरफोर्स की चारदीवारी से सटे क्षेत्र में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर यलो मार्बल का अवैध खनन किया जा रहा है। क्षेत्र में खनन विभाग की कोई स्वीकृत लीज नहीं होने के बावजूद पत्थर निकालने का काम धड़ल्ले से जारी होने की बात सामने आई है।

- क्षेत्र में खनन विभाग की कोई स्वीकृत लीज नहीं होने के बावजूद पत्थर निकालने का काम धड़ल्ले से जारी होने की बात सामने आई है

जानकारी के अनुसार जियाई गांव के आसपास का क्षेत्र मगरा पहाड़ियों से घिरा हुआ है और जमीन में यलो मार्बल का प्रचुर भंडार बताया जाता है। एयरफोर्स के प्रतिबंधित क्षेत्र के नजदीक होने के कारण यहां खनन की अनुमति नहीं होने के बावजूद बड़े-बड़े पत्थर के ब्लॉक निकालकर बाहर रखे जा रहे हैं। एक ब्लॉक का वजन करीब 15 से 20 टन तक बताया जा रहा है। क्षेत्र में हाइड्रा मशीनें, बड़े ट्रेलर और पत्थर उठाने वाले उपकरण मौजूद दिखाई दिए। दिन के समय खनन क्षेत्र में पत्थरों के बड़े ब्लॉक रखे हुए नजर आए, लेकिन रात होते ही यहां गतिविधियां तेज हो जाती हैं। रात में मौके पर पहुंचने पर दो मशीनों से पत्थर के ब्लॉक ट्रेलरों में भरकर रवाना करते हुए देखा गया। एक ही रात में करीब 12 वाहन, लगभग 600 टन पत्थर लेकर निकलते दिखाई दिए। इसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई गई।

इस मामले को लेकर लगातार पांच दिनों तक क्षेत्र का दौरा किया और गतिविधियों पर नजर रखी। स्थानीय लोगों से बातचीत में भी सामने आया कि रात के समय यहां से कई वाहन नियमित रूप से पत्थर लेकर निकलते हैं और यह काम लंबे समय से चल रहा है। शुरुआत में यहां कम कीमत का खंडा पत्थर निकाला जाता था, लेकिन बाद में खनन करने वालों ने यलो मार्बल निकालना शुरू कर दिया। यलो मार्बल की बाजार में अच्छी मांग और अधिक कीमत होने के कारण अवैध खनन का कारोबार तेजी से बढ़ने की आशंका है। पांच दिनों में करीब 3 हजार टन यलो मार्बल निकालने का अनुमान है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 30 लाख रुपए बताई जा रही है। यदि पांच दिनों में इतनी मात्रा में खनिज बाहर निकाला जा रहा है तो पिछले दो वर्षों से चल रही गतिविधियों के दौरान कितनी बड़ी मात्रा में पत्थर निकाला गया होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। क्षेत्र में जमीन कई जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अवैध खनन के कारण प्राकृतिक भूभाग को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं खनिज संपदा का बिना अनुमति दोहन सरकारी राजस्व को भी नुकसान पहुंचाने वाला है।

गौरतलब है कि जैसलमेर के रीको क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर संचालित पत्थर कटिंग इकाइयों में यलो मार्बल की मांग बनी हुई है। बताया जा रहा है कि लीज वाली खदानों में उपलब्ध पत्थर सीमित होने के कारण कुछ कटिंग इकाइयां अवैध रूप से निकाले गए पत्थरों पर निर्भर हैं। हालांकि इस संबंध में जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है।



प्रतिबंधित क्षेत्र के नजदीक होने के कारण यहां खनन की अनुमति नहीं होने के बावजूद बड़े-बड़े पत्थर के ब्लॉक निकालकर बाहर रखे जा रहे हैं।

''माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल-2026'' का भव्य शुभारंभ, देशभर के पक्षी विशेषज्ञ जुटे

महोत्सव में देशभर से पक्षी विज्ञानी, बर्ड एक्सपर्ट, वैज्ञानिक, वन्यजीव संरक्षणकर्ता और प्रकृतिप्रेमी पहुंचे

उदयपुर/माउंट आबू। अरावली की हरी-भरी वादियों में शनिवार को पक्षियों की चहचहाहट, प्रकृति की अनूठी विविधता और संरक्षण के संकल्प के साथ पहले ''माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल-2026'' का भव्य शुभारंभ हुआ। राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में पहली बार आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव में देशभर से पक्षी विज्ञानी, बर्ड एक्सपर्ट, वैज्ञानिक, वन्यजीव संरक्षणकर्ता और प्रकृतिप्रेमी जुटे। सुबह आयोजित बर्ड वाचिंग में 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के दर्शन हुए, वहीं तितलियों की लाइव लाइफ साइकल और दो हजार से अधिक पक्षी आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों और प्रकृतिप्रेमियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। करीब 400 विद्यार्थियों की सहभागिता वाले इस आयोजन ने माउंट आबू की समृद्ध जैव विविधता को जानने और उसके संरक्षण का महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराया।



माउंट आबू में आयोजित बर्ड फेस्टिवल में लगाई गई प्रदर्शनी का विद्यार्थियों ने अवलोकन किया।

- **बर्ड वाचिंग में 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के दर्शन हुए, वहीं तितलियों की लाइव लाइफ साइकल और दो हजार से अधिक पक्षी आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों और प्रकृतिप्रेमियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया**

ग्रीन पीपल सोसायटी (जीपीएस), उदयपुर के तत्वावधान में राजस्थान वन विभाग, विश्व प्रकृति निधि (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की आंतरिक सुरक्षा अकादमी के सहयोग से आयोजित बर्ड फेस्टिवल का उद्घाटन शनिवार को आंतरिक सुरक्षा अकादमी परिसर में हुआ। यह आयोजन माउंट आबू के प्रसिद्ध प्रकृतिविद् एवं पक्षी प्रेमी स्वर्गीय अनिल माथुर की स्मृति तथा उनके प्रकृति संरक्षण के प्रयासों को समर्पित है। उद्घाटन समारोह में संभागीय मुख्य वन संरक्षक सुनील छिब्री, उप वन संरक्षक सिरोही डॉ. अजीत उचोई, माउंट आबू नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य, उपखंड अधिकारी सिरोही राकेश श्रीवास्तव, लेफ्टिनेंट कर्नल सुमित भारद्वाज, आंतरिक सुरक्षा अकादमी के कमांडेंट महेंद्र कुमार, ग्रीन पीपल सोसायटी अध्यक्ष राहुल भटनागर, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह एवं डॉ. शरद श्रीवास्तव, उप वन संरक्षक वन्यजीव मंडल उदयपुर अनुराग भटनागर, डॉ. सुजीत नरवडे, श्याम दवे, रमा सिंह, डॉ. बाशोबी भटनागर, गजेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार नानीवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बर्ड फेस्टिवल का विशेष आकर्षण स्वर्गीय अनिल माथुर की स्मृति में स्थापित प्रकृति संरक्षण पुरस्कार रहा। यह सम्मान राजस्थान के डोड़वा उच्च माध्यमिक विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक सरूपा राम माली को उनके उल्लेखनीय प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं 5,001 रुपये की नकद राशि स्वर्गीय अनिल माथुर की पुत्री पूर्णिमा और दामाद रवि माथुर ने भेंट की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा रंगीन चित्रों से सुसज्जित पक्षी पहचान पुस्तिका और बर्ड फेस्टिवल की स्मारिका का विमोचन किया गया। साथ ही माउंट आबू निवासी डॉ. अरुण शर्मा की पुस्तक रक्त सूत्र का भी विमोचन हुआ।

बर्ड फेस्टिवल की शुरुआत सुबह प्रकृति के बीच पक्षी अवलोकन से हुई। वन विभाग के सहयोग से आबू पर्वत अभयारण्य के तीन अलग-अलग प्रकृति पथों पर बर्ड वाचिंग आयोजित की गई। बर्ड एक्सपर्ट डॉ. सतीश शर्मा, विक्रम सिंह, राहुल भटनागर, वीरेंद्र सिंह बेड़सा, डॉ. कमलेश शर्मा, विनय दवे, दर्शन मेनारिया और कनिष्क कोठारी सहित विशेषज्ञों ने पक्षी प्रेमियों को विभिन्न प्रजातियों की पहचान कराई। इस दौरान ग्रीन मुनिया, सिल्वर बिल मुनिया, शॉवलर, टफ्टेड पोचार्ड, पिनटेल, पर्पल स्वाम्फेन, कॉमन पोचार्ड, ग्रे हेरॉन, सैंडपाइपर, वैगटेल, इग्रेट, कॉर्मोरेंट, ठोब, कूट, रेड वेंटेड बुलबुल, ट्री पाई और मैना सहित 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षी दिखाई दिए।

बर्ड फेस्टिवल में पक्षियों के साथ तितलियों की दुनिया भी आकर्षण का केंद्र रही। डूंगरपुर के बटरफ्लाई एक्सपर्ट मुकेश पंवार ने राजस्थान की प्रमुख तितली प्रजातियों के बारे में जानकारी देते हुए पांच तितलियों की लाइव लाइफ साइकल प्रदर्शित की। इसी प्रकार उदयपुर की फिलैटली विशेषज्ञ पुष्पा खमेसरा ने भारत सहित विभिन्न देशों के दो हजार से अधिक पक्षी आधारित डाक टिकटों की अनूठी प्रदर्शनी लगाई। फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी, मैक्स आर्ट, राजस्थान वन विकास निगम और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के उत्पादों एवं साहित्य की प्रदर्शनी भी लगाई गई। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए संभागीय मुख्य वन संरक्षक सुनील छिब्री ने माउंट आबू की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने स्वागत उद्बोधन में बर्ड फेस्टिवल के उद्देश्यों और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

हिस्ट्रीशीटर की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

अधमरा छोड़कर आरोपी भागे, हॉस्पिटल ले जाते समय तोड़ा

नापासर, (निसं) क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक पर लाठी-डंडों से वार किए और अधमरी हालत होने पर छोड़कर भाग गए। लहूलुहान हालत में हिस्ट्रीशीटर को देखकर आसपास के लोगों ने उसे संभाला और हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया है। घटना नापासर थाना क्षेत्र के गुसाईंसर गांव में शनिवार शाम की है।

जानकारी के अनुसार, रामस्वरूप निम्बडिया नापासर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। शनिवार की शाम गुसाईंसर गांव में कुछ बदमाशों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अधमरी हालत में उसे छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गए। आसपास मौजूद लोग रामस्वरूप को पीबीएम अस्पताल स्थित ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर नापासर थानाधिकारी कविता पूनिया पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। गंगाशहर सीओ प्रहलाद राय भी मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी ने बताया कि रामस्वरूप के साथ मारपीट किन कारणों से हुई और इसमें कौन-कौन शामिल थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल आरोपियों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अलवर में सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया

अलवर, (निसं)। शहर के एनईबी थाना क्षेत्र में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर 60 फीट रोड स्थित रामनगर में शनिदेव मंदिर के पास एक ट्रांसपोर्ट व्यापारी के मकान के ताले तोड़कर नकदी और सोने के जेवरात सहित करीब ढाई लाख रुपए का माल चोरी कर ले गए।

पीड़ित अतुल शर्मा ने बताया कि वह अपने पूरे परिवार के साथ गुजरात के बड़ौदा गए हुए थे। शनिवार को जब परिवार वापस घर लौटा तो मकान के ताले टूटे मिले। अंदर जाकर देखा तो कमरों का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों में रखा कीमती सामान गायब था। पीड़ित के अनुसार चोर घर से करीब 30 हजार रुपए नकद, सोने की अंगूठी, लड्डू गोपाल जी की सोने की बांसुरी, सोने के कानों के कुंडल सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। वारदात में करीब दो से ढाई लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की।

अलवर की ओपन जेल में बंद 75 वर्षीय कैदी की संदिग्ध मौत

तबीयत बिगड़ने पर कैदी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था

अलवर, (निसं)। अलवर की ओपन जेल में सजा काट रहे 75 वर्षीय बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर कैदी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शनिवार को जिला अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से मृतक का पोस्टमार्टम करवाया गया। मृतक की पहचान कमल गिरी उर्फ कमल सिंह (75) पुत्र रामरतन निवासी बीजवा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार कमल गिरी हिंडौन थाना क्षेत्र के एक मामले में धारा 302 के तहत सजा काट रहे थे और वर्तमान में अलवर की ओपन जेल में निरुद्ध थे। बताया गया कि 26 नवंबर को अचानक कैदी की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उसे उपचार के लिए अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। डिप्टी जेलर माधाराम ने बताया कि बंदी की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

युवक से ठगी

सीकर, (निसं)। सीकर में युवक से 2.32 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। युवक के अकाउंट से बिना कोई ओटीपी या कॉल के यह रुपए निकल गये। अब साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में मदनलाल निवासी तिवाड़ी की ढाणी ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 26 नवंबर को उनके बैंक अकाउंट से 2.32 लाख रुपए निकल गए। उनके पास कोई भी ओटीपी या कॉल नहीं आया। उन्होंने जब अपने बैंक का बैलेंस चेक किया तब रुपए निकलने का पता चला। इसके बाद उन्होंने साइबर पोर्टल 1930 पर शिकायत की और पुलिस में मामला दर्ज करवाया। अब पुलिस उस बैंक डिटेल के बारे में जानकारी जुटा रही है।

अजमेर में शराब और पैसों के विवाद में फकीर की ईंट से वार कर हत्या की थी

हत्या के मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के रहने वाले करणसिंह जाटव को गिरफ्तार किया

अजमेर, (निसं)। शहर के गंज थाना क्षेत्र में हुई वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। होटल शोभराज के पीछे मिले अज्ञात फकीर के शव के मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के रहने वाले करणसिंह जाटव को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शराब पीने और पैसों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद के चलते आरोपी ने फकीर की हत्या कर दी थी।

पुलिस के अनुसार, 23 तारीख को होटल शोभराज के पीछे एक अज्ञात फकीर का शव मिला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद गंज थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। मृतक की पहचान और हत्या के आरोपी तक पहुंचना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इस दौरान करीब 100 होटलों के सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। इसके साथ ही पुलिस ने लगभग 200 खानाबदोश लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई। लगातार जांच, पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी पिछले करीब एक महीने से एक-दूसरे के परिचित थे। दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे। इस दौरान शराब और पैसों के बंटवारे को लेकर उनके बीच कई बार विवाद भी हुआ था। इसी विवाद और रंजिश के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 4:30 से 5 बजे के बीच फकीर सो रहा था। इसी दौरान आरोपी ने उसके सिर पर ईंट से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने लगातार सुराग जुटाए और संदिग्धों से पूछताछ कर आरोपी की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने करण सिंह जाटव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से मामले के संबंध में आगे पूछताछ कर रही है।

- **होटल के पीछे अज्ञात फकीर का शव मिला था, पुलिस ने 100 होटलों के सीसीटीवी खंगाले और 200 खानाबदोश लोगों से पूछताछ की**
- **पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी पिछले करीब एक महीने से एक-दूसरे के परिचित थे, दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे**

टोंक क्षेत्र में खेत में काम कर रही महिला पर वन्य जीव का हमला

महिला के गले में कपड़ा लिपटा होने के कारण उसकी जान बच गई

टोंक, (निसं)। राजमहल थाना क्षेत्र के देवीखेड़ा सड़क मार्ग के निकट खेत में कृषि कार्य कर रही एक महिला पर वन्य जीव ने हमला कर दिया। हमले में महिला के चेहरे पर पंजों के घाव देखे गये है। घटना के दौरान महिला के गले में कपड़ा लिपटा होने के कारण उसकी जान बच गई, जिसके बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और लोग खेतों की ओर दौड़ पड़े।

जानकारी के अनुसार, राजमहल निवासी मोतियां देवी रैगर (65) पत्नी मथुरा लाल खेत में खरपतवार हटाने का कार्य कर रही थी। इसी दौरान अचानक वन्य जीव ने उस पर हमला कर दिया, जिससे महिला दूर जा गिरी। हमले में उसके चेहरे पर दांतों के घाव हो गए। महिला ने बताया कि घटना के समय वन्यजीव ने अचानक गर्दन पर वार किया, लेकिन गले में कपड़ा लिपटा होने से हमले का असर कम हुआ और उसकी जान बच गई। घटना के बाद ग्रामीण घायल महिला को राजमहल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। घटना की सूचना पर वन विभाग नाका राजमहल के सहायक वनपाल सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने खेत के आसपास वन्य जीव के पंजों के निशान तलाशे। प्रारंभिक जांच में हमलावर वन्य जीव के जंगली शियार या जरख होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, वन्यजीव की पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। महिला पर हमले की घटना के बाद गांव में भय का माहौल बन गया। ग्रामीण खेतों की ओर दौड़े और आसपास के क्षेत्र में वन्य जीव की मौजूदगी को लेकर चिंता जताई। इसी प्रकार जिले के अलीगढ़ कस्बे में शनिवार को एक पैंथर के स्कूल बाथरूम में घुसने के बाद वन विभाग ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। ग्रामीणों ने बताया कि एक माह से क्षेत्र में पैंथर की आवाजाही के बाद अब आबादी तक उसकी पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत है। टीम ने बताया कि अभियान के बाद सांयकाल को पैंथर को पकड़ लिया गया है।

- **हमले में महिला के चेहरे पर पंजों के घाव देखे गये**

कपासन में किसान पर मधुमक्खियों का हमला, मौत

कपासन, (निसं)। कपासन के रेणका खेड़ा गांव में शनिवार को खेत पर कृषि कार्य करते समय मधुमक्खियों के हमले में किसान शंकर (44) की मौत हो गई। परिजन और ग्रामीण उन्हें तुरंत कपासन उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बालारडा के सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश सुथार ने बताया कि शंकर पुत्र भेरा भील शनिवार को खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए कपासन उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, डाक्टर ने मृत घोषित किया। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और मृतक का पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: जविप्रा/अधि.अभि.(द्र.नदी)/2026/डी-616 दिनांक : 25.11.2026

बिड सूचना संख्या E.E.-(DR)-13/2026-27

द्रव्यवती नदी क्षेत्र में जनपथ पुलिया पर पार्किंग स्थल (दोपहिया/चौपहिया वाहन) को तीन वर्ष के लिये ठेके पर दिये जाने का कार्य हेतु दिनांक 07.12.2026 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र में उपलब्ध विस्तृत विवरण अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(UBN No.: JDA2627SSOB00433)

निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-

1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए निविदा एवं पंजीकरण शुल्क, अमानता राशि एवं आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदा दाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्राक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो

राज.संवाद/सी/26/13814 अधिशाषी अभियन्ता - द्रव्यवती नदी

चोरी हुई बाइक बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (निसं)। बनाड़ थाना पुलिस ने बाइक चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दो दिन पहले डिगाड़ी स्थित सैनिकपुरी से एक युवक की मोटरसाइकिल चुराई थी। गिरफ्तार दोनों आरोप मजदूरी करते हैं। पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक भी बरामद की गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनिकपुरी डिगाड़ी निवासी सुनील प्रजापत ने 26 नवंबर की शाम को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया कि 26 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे उनकी बाइक घर के बाहर खड़ी थी। कुछ देर बाद जब वे बाहर आए तो बाइक वहां से गायब थी। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने मामले की जांच करते हुए बापूनगर, अहमदाबाद हाल पाबूपुरा थाना एयरपोर्ट निवासी देवांग नरेश भाई गोस्वामी पुत्र नरेश भाई और कन्हैया नगर, शिकारगढ़ निवासी आकाश राव पुत्र देवासिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: जविप्रा/अधि.अभि.(द्र.नदी)/2026/डी-614 दिनांक : 25.11.2026

बिड सूचना संख्या E.E.-(DR)-11/2026-27

द्रव्यवती नदी क्षेत्र में बोम्बे हॉस्पिटल के पास पार्किंग स्थल (दोपहिया/चौपहिया वाहन) को तीन वर्ष के लिये ठेके पर दिये जाने का कार्य हेतु दिनांक 07.12.2026 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र में उपलब्ध विस्तृत विवरण अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(UBN No.: JDA2627SSOB00431)

निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-

1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए निविदा एवं पंजीकरण शुल्क, अमानता राशि एवं आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदा दाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्राक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो

राज.संवाद/सी/26/13813 अधिशाषी अभियन्ता - द्रव्यवती नदी

जैसलमेर के लाठी क्षेत्र में इस वर्ष पहली बार ''येलो बिटर्न बगुला'' दिखाई दिया

ठाकुर दानसिंह की छतरियों के पास स्थित तालाब में नजर आया आकर्षक पक्षी

जैसलमेर, (निसं)। सरहदी जिले जैसलमेर के वन्यजीव एवं पक्षी बाहुल्य लाठी क्षेत्र में इस वर्ष पहली बार ''येलो बिटर्न'' प्रजाति का बगुला दिखाई दिया है। कस्बे में ठाकुर दानसिंह की छतरियों के समीप स्थित तालाब में इस आकर्षक पक्षी को देखे जाने से पर्यावरण प्रेमियों और पक्षी अवलोकन करने वालों में उत्साह है। लाठी क्षेत्र में इस प्रजाति की पहली मौजूदगी सामने आने से स्थानीय पक्षी विविधता को लेकर भी नई जानकारी मिली है।



जैसलमेर के पक्षी बाहुल्य लाठी क्षेत्र में ''येलो बिटर्न'' प्रजाति का बगुला देखा गया।

- **स्थानीय जैव विविधता के लिहाज से ''येलो बिटर्न बगुला'' की मौजूदगी महत्वपूर्ण मानी जा रही है**

जानकारी के अनुसार राजस्थान के अन्य जिलों में ''येलो बिटर्न बगुला'' पहले भी देखा जा चुका है, लेकिन लाठी क्षेत्र में पहली बार इसका नजर आना खास माना जा रहा है। वन्यजीवों और पक्षियों के लिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण वाले लाठी क्षेत्र में तालाब, जलभराव वाले स्थान तथा आसपास की वनस्पति अनेक पक्षी प्रजातियों को आकर्षित करती है। ऐसे में ''येलो बिटर्न बगुला'' की मौजूदगी क्षेत्र के प्राकृतिक परिवेश और जैव विविधता के महत्व को दर्शाती है।

येलो बिटर्न बगुला प्रजाति का एक आकर्षक पक्षी है, जिसकी लंबाई सामान्यत: 36 से 38 सेंटीमीटर के आसपास होती है। इसके शरीर का पीला रंग, छोटी गर्दन तथा लंबी चोंच इसकी प्रमुख पहचान हैं। इसका शरीर और रंग-रूप इसे अन्य बगुला प्रजातियों से अलग पहचान प्रदान करता है। यह सामान्यत: शांत स्वभाव का पक्षी होता है और जलाशयों के आसपास भोजन तलाशते हुए दिखाई देता है। येलो बिटर्न मुख्य रूप से छोटी मछलियों, कीट-पतंगों और उभयचर जीवों को अपना भोजन बनाता है। तालाबों, जलभराव वाले क्षेत्रों तथा सरकंडों और ऊंची घास से घिरे स्थान इसके अनुकूल प्राकृतिक आवास माने जाते हैं। ऐसे क्षेत्रों में यह पानी के किनारे और वनस्पति के बीच छिपकर भोजन तलाशता है। प्रजनन के दौरान ऊंची घास और सरकंडों के बीच घोंसला बनाने की प्रवृत्ति भी इसकी प्राकृतिक जीवनशैली का हिस्सा है।

लाठी क्षेत्र में ''येलो बिटर्न बगुला'' की पहली मौजूदगी को पक्षी प्रेमी स्थानीय जैव विविधता के लिहाज से महत्वपूर्ण मान रहे हैं। क्षेत्र में विभिन्न पक्षी प्रजातियों का दिखाई देना प्राकृतिक जलस्रोतों, वनस्पति और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व को सामने लाता है। तालाबों और प्राकृतिक आवासों का संरक्षण पक्षियों के लिए भोजन, आश्रय और प्रजनन की अनुकूल परिस्थितियां बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लाठी क्षेत्र में येलो बिटर्न का दिखाई देना प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का नया विषय बन गया है।

47 हजार निवेशकों को 932 करोड़ की चपत लगाने वाला शातिर ठग गिरफ्तार

नेक्सा एवरग्रीन मनी लॉन्ड्रिंग का मास्टरमाइंड रणवीर बिजारणिया गिरफ्तार

- ईडी ने आरोपी को कोर्ट से 3 दिसंबर तक रिमांड पर लिया
- आरोपी ने स्मार्ट सिटी में प्लॉट और साप्ताहिक मुनाफे का झांसा देकर ठगी थी; अब तक 52 करोड़ रु. की संपत्ति जब्त
- जांच में कंपनी के संचालकों और सहयोगियों द्वारा आमजन से करीब 2676 करोड़ रुपए जुटाने का खुलासा हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय के जयपुर जोनल ऑफिस ने बहुचर्चित नेक्सा एवरग्रीन मनी लॉन्ड्रिंग प्रकरण में बड़ी कार्रवाई करते हुए घोटाले के मुख्य सूत्रधार रणवीर सिंह उर्फ रणवीर बिजारणिया को गिरफ्तार किया है। शनिवार दोपहर आरोपी को विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अदालत ने गहन पूछताछ के लिए उसे 3 दिसंबर तक ईडी की रिमांड पर सौंप दिया है। इस मामले में कंपनी के संचालकों और सहयोगियों द्वारा आमजन से करीब 2676 करोड रुपए जुटाने का खुलासा हुआ है।

राजस्थान पुलिस द्वारा नेक्सा एवरग्रीन ग्रुप के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और आरोप पत्र के आधार पर ईडी ने धन शोधन की जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि रणवीर बिजारणिया, सुभाष चंद्र बिजारणिया और उनके साथियों ने गुजरात के धोलेरा स्मार्ट सिटी में जमीन विकसित करने तथा प्लॉट आवंटित करने का सब्जबाग दिखाकर लोगों से निवेश करवाया। निवेशकों को 60 सप्ताह तक हर हफ्ते 3 प्रतिशत रिटर्न देने का भरोसा दिलाया गया। इसके साथ ही चेन सिस्टम के तहत नए सदस्य जोड़ने पर आकर्षक कमीशन और लैपटॉप, बाइक व कार जैसे महंगे उपहारों का प्रलोभन भी दिया गया।

ईडी की पड़ताल के अनुसार, वर्ष 2019 से 2023 के बीच इस स्कीम के जरिए 2676 करोड़ रुपए एकत्र किए गए। कंपनी के सॉफ्टवेयर रिकॉर्ड से पता चला है कि 47,664 निवेशकों को उनके मूल निवेश से भी कम राशि लौटाई गई, जिससे उन्हें सीधे तौर पर 932.54 करोड़ रुपए का वित्तीय नुकसान हुआ। आरोपी नए निवेशकों से प्राप्त राशि को ही पुराने निवेशकों को बांटकर योजना चला रहे थे, जबकि बड़ी रकम को विभिन्न कंपनियों, एलएलपी फर्मों और सहयोगियों के खातों के माध्यम से घुमाकर अचल संपत्तियां खरीदने में खपा दिया गया।

इससे पूर्व जून 2025 में ईडी ने जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और अहमदाबाद के 25 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाकर 2.05 करोड़ रुपए नकद बरामद किए थे और बैंक व क्रिप्टो खातों में जमा 15.31 करोड़ रुपए फ्रीज किए थे। जांच एजेंसी इस प्रकरण में अब तक लगभग 52 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त व अटैच कर चुकी है। रिमांड अवधि के दौरान अब धन के लेन-देन और अन्य सहयोगियों की भूमिका को लेकर पूछताछ की जाएगी।

महात्मा फुले ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले महान समाज सुधारक थे, उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। महिला शिक्षा एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपने कार्यों से समाज में समानताऔर मानवीय मूल्यों को मजबूती दी। उनके विचार आज भी हमें समतामूलक समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले का जीवन आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर अपने निवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरकारी पुलिस वाहन में शराब पार्टी करने वाले दो गिरफ्तार

पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया था नामजद मुकदमा

जयपुर। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस के सरकारी वाहन में अनाधिकृत रूप से घुसकर शराब पार्टी करने, राजकीय उपकरणों से छेड़छाड़ करने और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने के मामले में पुलिस ने पांच युवकों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने दो आरोपियों आशुतोष चक्रवर्ती निवासी महारानी फार्म, मानसरोवर और मृणाल सुंदरानिया निवासी नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर को गिरफ्तार किया है, जबकि भव्य खंडेलवाल, गोपाल जोशी और अमन जैन की तलाश जारी है।

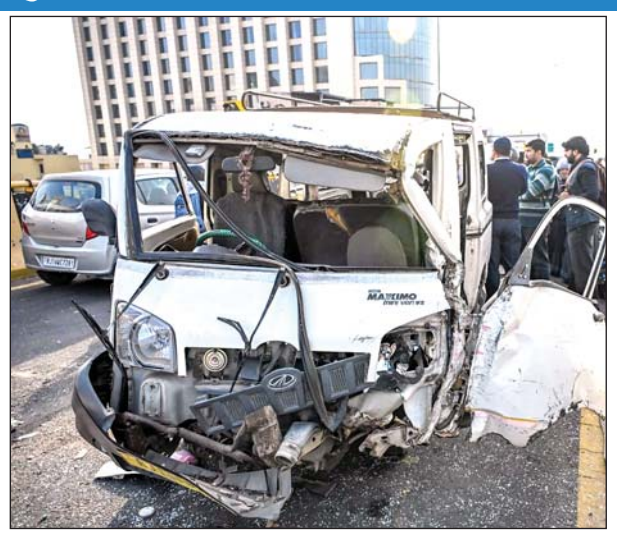
पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि घटना 13 सितंबर 2026 की है। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस का जाब्ता सवाना बार बंद करवाने पहुंचा था। इसी दौरान पुलिस वाहन सड़क पर खड़ा था, जिसका फायदा उठाकर युवकों ने वाहन में घुसकर शराब पार्टी की और राजकीय उपकरणों से छेड़छाड़ कर वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच कर पांचों युवकों की पहचान की। इस संबंध में एसएमएस अस्पताल थाने में बीएनएस, आईटी एक्ट और पीडीपीपी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पारसमल जैन के सुपरविजन और एसीपी गांधीनगर नारायण बाजिया के निर्देशन में थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में गठित टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है। शेष तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। डीएसटी ईस्ट और एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई।

स्कूली बच्चों से भरा टैम्पो लाइट के पिलर से टकराकर पलटा, चालक सहित 3 घायल

भारत जोड़ो पुलिया के पास शनिवार दोपहर हुआ हादसा

जयपुर (कासं)। राजधानी के सोडाला इलाके में शनिवार दोपहर स्कूली बच्चों से भरा एक टैम्पो वाहन रोड लाइट के पिलर से टकराकर पलट गया। हादसे के समय ऑटो में चालक सहित आठ बच्चे सवार थे। दुर्घटना में चालक और दो बच्चे घायल हो गए।

- ऑटो में आठ बच्चे सवार थे, घायलों को पुलिस व राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया





जयपुर की ''भारत जोडो सेतू'' के पास शनिवार को हुए सडक हादसे में क्षतिग्रस्त स्कूल टैम्पो को पुलिस ने क्रेन की मदद से हटाया और घायल बच्चों व चालक को अस्पताल में पहुंचाया।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

घटना ''भारत जोड़ो पुलिया'' के पास शनिवार दोपहर करीब 3:15 बजे की है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर सोडाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालते हुए यातायात सुचारू करवाया।

सोडाला थानाधिकारी मनोज बैरवाल ने बताया कि जवाहर नगर स्थित माहेश्वरी स्कूल के बच्चों को लेकर ऑटो भारत सेतु पुलिया से सोडाला की ओर जा रहा था। इसी दौरान ऑटो बाईं तरफ से एक लाइट के पिलर से टकरा गया और पलट गया। हादसे में चालक और दो बच्चों को चोटें आईं। थानाधिकारी ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए सोडाला स्थित सेवायत अस्पताल भिजवाया गया। दुर्घटना के बाद भारत सेतु पुलिया पर जाम लग गया था, जिसे पुलिस ने कुछ देर में खुलवाकर यातायात बहाल करवा दिया।

वीणा म्यूजिक मोबाइल एप का लोकार्पण आज

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रविवार को जयपुर के रामबाग पैलेस स्थित महारानी महल में वीणा म्यूजिक समूह के मोबाइल ऐप का लोकार्पण करेंगे। समारोह में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह और राजस्थान धरोहर प्रोन्नित प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत भी शामिल होंगे। वीणा म्यूजिक समूह के प्रबंध निदेशक हेमजीत मालू ने बताया कि यह पहल समूह के संस्थापक स्वर्गीय केसी मालू के सपनों और संकल्पों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विकसित भारत-2047 के लिए पेट्रोरसायन तकनीक और औद्योगिक सुरक्षा पर मंथन

सीआईपीईटी के 17वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एपीएम-2026 का शुभारंभ

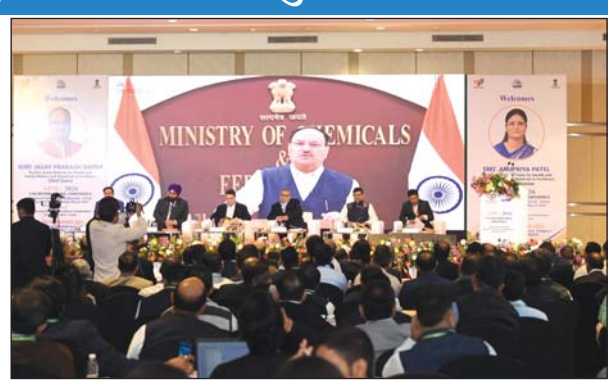
जयपुर। विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को गति देने के लिए उन्नत पेट्रोरसायन सामग्री, औद्योगिक सुरक्षा और सतत विकास पर देश-विदेश के विशेषज्ञों ने मंथन शुरू किया। केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी) की ओर से रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के सहयोग से 17वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एपीएम-2026 का शनिवार को होटल इंटरकॉन्टिनेंटल, जयपुर में शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय सम्मेलन में वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद और उद्योग प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

- केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और अनुप्रिया पटेल ने वर्चुअल संदेश से दी शुभकामनाएं, देश-विदेश के विशेषज्ञ जुटे

उद्घाटन समारोह में विभाग के सचिव तेजवीर सिंह, संयुक्त सचिव डॉ. जी. वेंकटेश, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अरविंदर सिंह साहनी, सीआईपीईटी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर सिन्हा, निदेशक डॉ. विशाल वर्मा, सीआईपीईटी जयपुर के निदेशक डॉ. हरेंद्र कुमार और सीआईपीईटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक विवेक कुमार मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने वर्चुअल संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं दीं।

तेजवीर सिंह ने अनुसंधान और औद्योगिक नवाचार को विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण बताया। अरविंदर सिंह साहनी ने कुशल मानव संसाधन तैयार करने पर जोर दिया, वहीं प्रो. शिशिर सिन्हा ने पर्यावरण अनुकूल एवं पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक विकसित करने की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर सीआईपीईटी के ऑनलाइन शिक्षण मंच, यू-ट्यूब चैनल, विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता योजना और 'नो प्लास्टिक्स टू नो प्लास्टिक्स' राष्ट्रीय जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया।



केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से जयपुर में 17वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

साइबर अपराधियों से निपटने के लिए पुलिस ने 35 टीमें उतारी

जयपुर। साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों से निपटने और पुलिस की जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राजस्थान पुलिस ने तकनीकी नवाचार की दिशा में पहल की है। राजस्थान पुलिस और राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर की ओर से शनिवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में दो दिवसीय 'राजस्थान पुलिस साइबर सिक्योरिटी हैकाथॉन-2026' का शुभारंभ हुआ। महानिदेशक पुलिस राजीव शर्मा ने इसका उद्घाटन किया। हैकाथॉन में देशभर से आई 35 टीमें लगातार 24 घंटे काम करते हुए साइबर अपराध से जुडी पांच प्रमुख चुनौतियों के तकनीकी समाधान विकसित करेंगी।

इन टीमों में साइबर विशेषज्ञ, विद्यार्थी और पुलिसकर्मी शामिल हैं। इनका उद्देश्य ऐसे तकनीकी उपकरण और प्रणालियां तैयार करना है, जिनसे साइबर अपराधों की जांच, रोकथाम और ठगी की रकम की पहचान एवं बरामदगी की प्रक्रिया आसान हो सके। विकसित समाधान पुलिस की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने के साथ आम नागरिकों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकते हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि साइबर अपराधी लगातार ठगी के नए तरीके अपना रहे हैं। फिशिंग लिंक, फर्जी वेबसाइट, सोशल मीडिया और टेलीग्राम के माध्यम से लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

बिना अनुमति उद्योग संचालन पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी घेरे में

जयपुर। औद्योगिक इकाई को संचालन की अनुमति नहीं होने के बावजूद चलते रहने देने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जवाबदेही तय करने के संकेत दिए हैं।

अधिकरण ने बोर्ड के सदस्य सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए पूछा है कि नियमों की अनदेखी पर उद्योग से पर्यावरणीय क्षितपूर्ति वसूली जा सकती है तो लापरवाही बरतने वाले बोर्ड से क्यों नहीं?

एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच, भोपाल ने 27 नवंबर को मेसर्स कैम्प स्टैम्पिंग प्राइवेट लिमिटेड बनाम राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अन्य मामले में यह आदेश दिया। न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. प्रशांत गर्गव की पीठ ने जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर 30 दिन में कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

- एनजीटी ने सदस्य सचिव को जारी किया कारण बताओ नोटिस
- जिम्मेदार अधिकारियों की विभागीय जांच के निर्देश; 30 दिन में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी

मामले के अनुसार, कंपनी ने 11 अक्टूबर 2024 को संचालन अनुमति के लिए आवेदन किया था, जिसे बोर्ड ने 29 मार्च 2025 को खारिज कर दिया। इसके बावजूद 18 दिसंबर 2025 को निरीक्षण में उद्योग बिना अनुमति संचालित मिला। बोर्ड ने 26 दिसंबर 2025 को उद्योग को बंद करने के प्रस्ताव पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इधर, उद्योग ने बोर्ड के 6 अगस्त के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें पर्यावरणीय क्षितपूर्ति जमा कराने का नोटिस दिया गया था।

एनजीटी ने अपील स्वीकार कर अंतरिम राहत देते हुए निर्धारित क्षितपूर्ति का 40 प्रतिशत हिस्सा 10 दिन में जमा कराने की शर्त रखी है। अधिकरण ने जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026 के दंडात्मक प्रावधानों का भी उल्लेख किया। सभी प्रतिवादियों को चार सप्ताह में जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 22 जनवरी को होगी।

संसद सत्र की वजह से कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिवों का सम्मेलन अब 5 दिसंबर से शुरू होगा

पूर्व में 30 नवंबर से तय था कार्यक्रम, अब जयपुर के बाड़ा पदमपुरा में 5 से 14 दिसंबर तक होगा आयोजन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। संसद सत्र के आगामी 30 नवंबर से आरंभ होने की वजह से जयपुर में बाडा पदमपुर में 30 नवंबर को शुरू होने वाला कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिवों का सम्मेलन अब आगामी 5 दिसंबर से शुरू होगा। यह सम्मेलन 5 दिसंबर से 14 दिसंबर तक आयोजित होगा, हालांकि प्रदेश कांग्रेस ने पहले से ही इस सम्मेलन के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली थी, और सम्मेलन को सफल बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस ने नेताओं की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित कर दी था, इसलिए प्रदेश कांग्रेस को बदली नई तारीख की वजह से व्यवस्थाओं में कोई ज्यादा फेरबदल नहीं करना पड़ेगा, सम्मेलन पूर्व निर्धारित जगह बाड़ा पदमपुरा में ही आयोजित होगा। इस सम्मेलन को लेकर प्रदेश कांग्रेस के छोटे-बड़े सभी नेता काफी उत्साहित दिख रहे हैं, क्योंकि सम्मेलन के दौरान कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज नेता 9 दिन तक जयपुर में आते-जाते रहेंगे, इसलिए प्रदेश कांग्रेस के कई नेता अपने पॉलीटिकल करियर को गति देने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेताओं से अपने पॉलिटिकल रिश्तों को और मजबूत करने का प्रयास करते हुए भी दिखेंगे, इसीलिए प्रदेश कांग्रेस के संगठन से जुड़े नेता इस सम्मेलन का बेताबी से इंतजार कर रहे है।

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल व राष्ट्रीय महासचिव तथा कई बड़े केंन्द्रीय नेताओं के व्याख्यान होंगे

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय संगठन में बड़े स्तर पर सर्जरी की थी, जिसमें पार्टी के कई राष्ट्रीय सचिवों को उनके पद से हटा दिया था तो कई नए राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किए गए थे। जिसमें राजस्थान में भी पार्टी के तीन राष्ट्रीय सचिवों को हटाकर अब चार नए राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किए गए, इस तरह से कांग्रेस पार्टी ने टोटल 81 राष्ट्रीय सचिव बनाए थे, जिन्हें अब पूरी तरह से कुशल और पारंगत बनाने के लिए उन्हें जयपुर के बाड़ा पदमपुरा में आयोजित विशेष शिविर में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभा सके और पार्टी को मजबूती प्रदान कर सके।

इसके लिए जयपुर में 9 दिन तक आयोजित इस सम्मेलन में पार्टी के कई केंद्रीय नेता पार्टी के राष्ट्रीय सचिवों को पार्टी के संगठन से जुड़े सभी छोटे-बड़े विषयों की जानकारी गंभीरता से देंगे, पार्टी के संगठन को कैसे और किस तरह से मजबूत किया जाए, पार्टी से नए लोगों को कैसे जोड़ा जाए, पार्टी में अगर किसी स्टेट में नेताओं में आपस में मतभेद और समन्वय की कमी है तो इस विकट स्थिति में कैसे और किस तरह से पार्टी में संतुलन बनाया जाए, पार्टी के बूथ मैनेजमेंट को और कैसे बेहतर तथा मजबूत बनाया जाए, आम नागरिकों में पार्टी की छवि को कैसे और किस तरह से लोकप्रिय और मजबूत बनाया जाए, इन सब विषयों के बारे में पार्टी के सीनियर नेता राष्ट्रीय सचिवों को आवश्यक जानकारी और दिशा निर्देश देंगे, ताकि नए राष्ट्रीय सचिवों को जहां-जहां जिम्मेदारी दी गई है, उन प्रदेशों में पार्टी के संगठन को मजबूत कर सके। पार्टी के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव में राजस्थान में पार्टी के प्रदर्शन की चर्चा दिल्ली स्थित पार्टी के मुख्यालय में भी खूब हो रही है, राजस्थान में पार्टी के प्रदर्शन और पार्टी के हालातों को अन्य राज्यों की तुलना में राहुल गांधी भी काफी अच्छा मानते हैं, इसीलिए राष्ट्रीय सचिवों का सम्मेलन जयपुर में आयोजित करवाने का निर्णय लिया गया, ताकि जयपुर से एक सकारात्मक संदेश लेकर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अपने-अपने प्रभार वाले राज्यों में जाकर अच्छा परफॉर्मेंस कर सके। जानकारी के अनुसार इस सम्मेलन में पार्टी के सभी राष्ट्रीय महासचिवों को भी बुलाया जा रहा है, ताकि वे अपने प्रभाव वाले राज्यों में पार्टी के सह प्रभारी के साथ बेहतर तालमेल और समन्वय बनाकर विभिन्न राज्यों में पार्टी की स्थिति को मजबूत किया जा सके, क्योंकि पार्टी के राष्ट्रीय सचिवों को ही अलग-अलग राज्यों में पार्टी का सह प्रभारी बनाया गया है, इसलिए प्रभारी और सह प्रभारी के बीच आपस में अच्छा तालमेल बना रहे, इस विषय को लेकर भी पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व और राहुल गांधी अपनी ओर से सम्मेलन में पार्टी के नेताओं को आवश्यक दिशा निर्देश और टिप्स देंगे।

राजस्थान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी ''कन्वर्जेन्स-2026'' का आगाज हुआ

नैनो, बायो-इन्फो, कॉग्नो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर देश-विदेश के 35 विशेषज्ञ देंगे व्याख्यान



जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर कन्वर्जिंग टेक्नोलॉजीज (सीसीटी) की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'कन्वर्जेन्स-2026' का शुभारंभ शनिवार को हुआ। उद्घाटन समारोह में सीसीटी के संस्थापक निदेशक प्रो. बी.के. शर्मा मुख्य अतिथि तथा प्रो. एस.एल. कोठारी विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान पूर्व निदेशक प्रो. पी.जे. जॉन एवं प्रो. आर.के. सिंघल, प्रो. नूपुर माथुर, प्रो. रेशमा बुलचंदानी, ईसीएच सेंटर की समन्वयक प्रो. सुमिता कछवाहा और बॉन, जर्मनी से डॉ. नीरज उपाध्याय मौजूद रहे। संगोष्ठी संयोजक प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि इसमें देश-विदेश के 35 विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। सीसीटी निदेशक डॉ. योगेश जोशी ने कहा कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बहुविषयक शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के एकीकरण के लिए कार्य कर रहा है। संगोष्ठी का आयोजन सीसीटी के पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से किया जा रहा है, जो वर्तमान में देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने अपने संदेश में इसे अनुसंधान में नवाचार और अंतर्विषयी सहयोग को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण पहल बताया तथा आयोजकों एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। संगोष्ठी में नैनोमैटेरियल्स, बायोसेंसर, नैनोमेडिसिन, न्यूरोइमेजिंग, मानव-कृत्रिम बुद्धिमत्ता संवाद, एआई आधारित निदान, डेटा एनालिटिक्स और सतत प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान, पोस्टर प्रस्तुतियां एवं संवाद सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के साथ अकादमिक और औद्योगिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाना है।



लगातार सफेद गेंद काक्रिकेट(वनडे और टी20) खेलने से उनकी गेंदबाजी की लय और एक्शन प्रभावित हुआ जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ वेलिंगटन में हुए पहले टेस्ट में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। - **जैकब डफी**

न्यूजीलैंड गेंदबाज, सफेद गेंद से गेंदबाजी लय और एक्शन प्रभावित होने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



ऋषभ पंत

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन जैकब डफी की गेंद पर मिड ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत के नाम अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कुल 89 छक्के हो गए हैं। इस प्रतियोगिता का पहला चक्र एक अगस्त 2019 को शुरू हुआ था। पंत ने इस मामले में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 88 छक्के हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर के 100 अंतरराष्ट्रीय शतक, वीरेंद्र सहवाग का 319 टेस्ट स्कोर और अनिल कुंबले की एक पारी में 10 विकेट की उपलब्धि भी भारतीय क्रिकेट के प्रमुख रिकॉर्ड्स में शामिल हैं।

क्या आरसीए प्रशासक भास्कर ए. सावंत को अंधेरे में रखकर लिये गये निर्णय : जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल

भ्रष्टाचार की आंच में तपता आरसीए कार्यालय

(जाकिर हुसैन)

जयपुर, 28 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की कार्यप्रणाली लगातार सवालों के घेरे में है। आरसीए में लंबे समय से जारी विवादों ने प्रदेश की क्रिकेट व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कभी वित्तीय अनियमितताओं के आरोप, कभी प्रशासनिक फैसलों पर विवाद तो कभी एसोसिएशन में कोचों की नियुक्ति से लेकर महिला क्रिकेट की व्यवस्थाओं तक कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जो चयन प्रक्रिया और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं। इन सबके बीच राजस्थान के क्रिकेट खिलाड़ियों का भविष्य और क्रिकेट का विकास प्रभावित होने की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

राजस्थान के हेड कोच राकेश बत्रा को हटाकर महिला कोच को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके पीछे पुरुष कोच नहीं रखने की बात सामने आई थी। वहीं दूसरी ओर अंडर-15 महिला खिलाड़ियों के ट्रायल के दौरान दस्तावेजों की जांच और रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी आरसीए के सफाई कर्मचारी अजय गोठवाल द्वारा निभाए जाने का मामला सामने आया है। जबकि आरसीए कार्यालय के सुरेन्द्र खैराजानी के द्वारा 27 व 28 नवंबर को अंडर-15 महिला ट्रायल के लिए रविंद्र (चार्ली) - रिकॉर्ड रूम, राकेश शर्मा - सुरक्षा प्रभारी, ओम शर्मा - जेडीसीए स्टाफ, श्याम सुंदर सैनी - स्टोर सहायक, संदीप चौधरी - स्टोर सहायक को लगाया था। लेकिन ट्रायल के वक्त यह सभी नदारद थे।

सवाल यह है कि जब महिला खिलाड़ियों के ट्रायल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और स्टाफ की व्यवस्था की गई थी, तो यह जिम्मेदारी सफाई कर्मचारी को क्यों सौंपी गई?

दूसरी ओर राजस्थान की महिला टीमों का प्रदर्शन भी चिंता का विषय रहा है। अंडर-19 और अंडर-23 सहित टी-20 प्रारूप में टीमों को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में महिला क्रिकेट के लिए बनाई गई रणनीति, कोचिंग व्यवस्था और चयन समिति की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। कोचों की नियुक्ति का आधार क्या है? महिला टीमों के लगातार निराशाजनक परिणामों की जिम्मेदारी कौन लेगा? और महिला खिलाड़ियों के ट्रायल जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में प्रशिक्षित एवं अधिकृत स्टाफ की जगह सफाई कर्मचारी से दस्तावेजों की जांच क्यों कराई गई? राजस्थान में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने के दावों के बीच इन सवालों का जवाब और पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता जरूरी है।

बोन टेस्ट की रिपोर्ट को लेकर सवाल खड़े हो गए थे : राजस्थान के अंडर-16 क्रिकेट में खिलाड़ियों की उम्र जांच के लिए कराए जाने वाले बोन टेस्ट की रिपोर्ट को लेकर सवाल खड़े हो गए थे। इससे चयन प्रक्रिया मो मेडिकल रिपोर्ट की विश्वसनीयता और उसकी समीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। कुमार वासुदेव की पिछले वर्ष बोन टेस्ट में उम्र 16.4 वर्ष दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष की रिपोर्ट में 15.11 वर्ष बताई गई थी। इसी तरह निलय अरोड़ा की पिछले वर्ष की रिपोर्ट में उम्र 15.7 वर्ष थी, जबकि इस बार 16 वर्ष दर्ज की गई थी। रेयान सेबेस्टियन की उम्र को लेकर भी अंतर का उल्लेख किया गया था। तीन संभावित खिलाड़ियों में से दो का चयन किए जाने और सबसे कम उम्र के दावेदार के बाहर रहने का मामला भी सामने आया था।



अंडर-15 महिला खिलाड़ियों के ट्रायल के दौरान रविन्द्र (चार्ली) के साथ दस्तावेजों की जांच और रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी निभाते आरसीए के सफाई कर्मचारी अजय गोठवाल।

मनमानी से चयन के आरोप : राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में अंडर-19 महिला टी-20 टीम के चयन को लेकर विवाद सामने आया था। चयन प्रक्रिया से नाराज हनुमानगढ़, अलवर और टोंक की खिलाड़ियों के अभिभावकों ने आरसीए प्रशासक को इसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। अभिभावकों का आरोप था कि उनकी बेटियों ने पिछले मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, इसके बावजूद उन्हें टीम में जगह नहीं दी गई, जबकि अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया था। चयन में मनमानी और पक्षपात के आरोप लगाते हुए अभिभावक पहले आरसीए कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां सुनवाई नहीं होने पर सचिवालय जाकर प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन दिया था।

जब नागपुर में फंसी राजस्थान की महिला खिलाड़ी : राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की प्रशासनिक व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हुए थे। अंडर-23 महिला क्रिकेट टीम का टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद भी खिलाड़ियों की जयपुर वापसी के टिकट की व्यवस्था नहीं होने का मामला सामने आया था। रिपोर्ट के अनुसार 15 महिला खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ नागपुर में फंस गए थे। टिकट भुगतान और चेक पर हस्ताक्षर को लेकर विवाद सामने आया। मामले में होटल भुगतान को लेकर भी अतिरिक्त खर्च की आशंका जताई गई थी। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने गई महिला खिलाड़ियों की वापसी की जिम्मेदारी किसकी थी? खिलाड़ियों को टिकट और यात्रा के लिए अधिकारियों के बीच चल रहे विवाद का खामियाजा क्यों भुगतना पड़ा?

विजय मर्चेंट ट्रॉफी खेलने जा रही राजस्थान की अंडर-16 टीम को खराब बस के कारण रास्ते में बदलनी पड़ी बस : विजय मर्चेंट ट्रॉफी में हिस्सा लेने लखनऊ जा रही राजस्थान की अंडर-16 टीम को जयपुर से करीब 600 किलोमीटर के सफर के लिए फ्लाइट की जगह बस से रवाना किया गया था। खिलाड़ियों को भेजने के लिए उपलब्ध कराई गई बस की हालत भी संतोषजनक नहीं थी। टीम को सुबह रवाना होना था, लेकिन बस की खराब स्थिति के कारण खिलाड़ियों को करीब डेढ़- दो घंटे इंतजार करना पड़ा। शिकायतों के बाद आगरा रोड पर दूसरी बस की व्यवस्था की गई। इस पूरी प्रक्रिया में खिलाड़ियों को परेशानी उठानी पड़ी।

आकाशदीप के 5 विकेट पर भारी पड़े ब्लंडेल के 89 रन, दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड मजबूत

क्राइस्टचर्च, 28 नवंबर। टॉम ब्लंडेल की 89 रनों की शानदार पारी और गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पकड़ मजबूत कर ली। आकाशदीप के पांच विकेट लेने के बावजूद न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 356 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम दिन का खेल समाप्त होने तक 116 रन पर छह विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। भारत अभी भी न्यूजीलैंड से 240 रन पीछे है। मेजबान टीम की ओर से काइल जैमीसन और जैकब डफी ने दो-दो विकेट लिए।

भारत की दूसरी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल को बिना खाता खोले बोल्ड कर दिया। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने जैमीसन की छोटी गेंद पर छक्का लगाया, जबकि केएल राहुल ने शानदार ऑन ड्राइव के जरिए चौका जड़ा। पडिक्कल ने हेनरी की गेंद पर स्क्वायर ड्राइव से एक और चौका लगाया लेकिन जैमीसन की गेंद पर ड्राइव खेलने के प्रयास में विकेटकीपर को कैच दे बैठे। वह 21 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद राहुल और शुभमन गिल ने पारी को संभालने की कोशिश की। हेनरी के ओवर में न्यूजीलैंड ने राहुल के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील पर रिव्यू भी लिया लेकिन भारतीय बल्लेबाज बच गए। हालांकि, चाय से ठीक पहले जैमीसन की शानदार गेंद गिल के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर



विकेटकीपर के पास चली गई। गिल के आउट होने से भारत का स्कोर तीन विकेट पर 59 रन हो गया।

चाय के बाद राहुल का साथ देने ऋषभ पंत आए। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी की और चौथे विकेट के लिए साझेदारी बनाने की कोशिश की। पंत ने शुरुआत में आक्रामक रुख दिखाया लेकिन जैमीसन की गेंद पर आगे बढ़कर खेलने के प्रयास में चूक गए। दूसरी ओर, राहुल ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को थकाने की रणनीति अपनाई और लगातार 25 गेंदें बिना रन बनाए खेलीं। पंत ने भी शुरुआती तेजी के बाद धैर्य दिखाया और अपनी पहली 25 गेंदों पर नौ रन बनाए। पंत 39 गेंदों पर 23 रन बनाकर लौटे। चार विकेट गिरने के बाद भारतीय पारी को संभालने की जिम्मेदारी राहुल पर थी। राहुल 25 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल ने संभलकर बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने 15 से अधिक ओवर तक क्रीज पर टिककर भारत को संभालने की कोशिश की लेकिन दिन की आखिरी गेंद पर नाथन स्मिथ ने सुंदर को दूसरी स्लिप में कैच करा दिया। सुंदर ने 60 गेंदों पर 10 रन बनाए।

ब्लंडेल और स्मिथ ने सातवें विकेट के लिए 44 रन जोड़े। आकाशदीप ने स्मिथ को 26 रन के निजी स्कोर पर आउट किया। गेंद उनके बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर वापस आकाशदीप के पास गई और उन्होंने कैच लपक लिया। इसके बाद जैमीसन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए आकाशदीप और गुरनूर बराड़ की गेंदों पर चौके लगाए और न्यूजीलैंड को 300 रन के पार पहुंचाया।

हालांकि, आकाशदीप ने जैमीसन को भी पवेलियन भेजने का मौका बनाया। यशस्वी जायसवाल ने डीप मिडविकेट पर शानदार डाइव लगाकर उनका कैच पकड़ा। यह आकाशदीप का चौथा विकेट था। इसके बाद मैट हेनरी को दो बार देवदत्त पडिक्कल ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया। एक कैच गली में आसान था, जबकि दूसरा मुश्किल मौका था। इस बीच ब्लंडेल ने अपने रन 80 के पार पहुंचाए और हेनरी के साथ नाबाद रहते हुए न्यूजीलैंड को पहले सत्र में तीन विकेट पर 84 रन और जोड़ने में मदद की।

दूसरे सत्र की शुरुआत में हेनरी और ब्लंडेल ने कुछ चौके लगाए। भारतीय क्षेत्ररक्षण की परेशानियां भी जारी रहीं। जायसवाल ने रन आउट का मौका गंवाया, जबकि बराड़ ने आकाशदीप की गेंद पर हेनरी का आसान कैच छोड़ दिया। इस तरह हेनरी को एक और जीवनदान मिला।

नौवें विकेट के लिए ब्लंडेल और हेनरी ने 22 रन जोड़े। इसके बाद बराड़ ने ब्लंडेल की पारी का अंत किया। उनका कैच आकाशदीप ने फाइन लेग पर पकड़ा। ब्लंडेल 89 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आकाशदीप ने हेनरी को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराकर अपना पांचवां विकेट पूरा किया। कैच छूटने के बाद आकाशदीप को सांत्वना देने वाले पंत ने इस उपलब्धि पर उन्हें गले लगाया। दूसरी ओर, जसप्रीत बुमराह 26 ओवर गेंदबाजी करने के बावजूद कोई विकेट हासिल नहीं कर सके।

इमरान शेख की घातक गेंदबाजी से मध्यप्रदेश ने राजस्थान को हराया

जयपुर, 28 नवंबर अखिल भारतीय वेटरन्स क्रिकेट प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश वेटरन्स क्रिकेट संघ ने राजस्थान वेटरन्स क्रिकेट संघ को रोमांचक मुकाबले में 6 रन से हराया। मध्यप्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 182 रन बनाए। अशुल कपूर ने 36, साहिल मसूद ने 31, आकिफ पटेल ने 28 और इमरान शेख ने 25 रन बनाए। राजस्थान की ओर से बनवारी लाल जाटोलिया ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 177 रन ही बना सकी। बनवारी लाल जाटोलिया ने 35 गेंदों पर 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 54 रन की शानदार पारी खेली, जबकि विजय कश्यप ने 25 रन बनाए। मध्यप्रदेश की ओर से इमरान शेख ने 25 रन देकर 4 विकेट और आकिफ पटेल ने 28 रन देकर 2 विकेट लिए।

हॉकी इंडिया के चुनाव का रास्ता साफ, 5 दिस. को होंगे मतदान

नई दिल्ली, 28 नवंबर। हॉकी इंडिया के चुनाव को लेकर चल रहे कानूनी विवाद पर उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान के अनुसार न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति अरुण पल्ली की पीठ ने हॉकी इंडिया की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिकाओं का निपटारा करते हुए ओडिशा उच्च न्यायालय के उन दोनों आदेशों को रद्द कर दिया, जिनमें हॉकी इंडिया की चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगाई गई थी। हॉकी इंडिया ने ओडिशा उच्च न्यायालय, कटक की ओर से छह नवंबर और 18 नवंबर 2026 को पारित आदेशों को चुनौती देते हुए विशेष अनुमति याचिका (सिविल) संख्या 40972 से 40974, 2026 दायर की थी। न्यायालय ने दोनों विवादित आदेशों को निरस्त करने के साथ लंबित रिट याचिका का भी निपटारा कर दिया। न्यायालय ने निर्देश दिया कि हॉकी इंडिया के चुनाव पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराए जाएं। पीठ ने कहा कि खेल के हित प्रभावित नहीं होने चाहिए और चुनाव नहीं होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की ओर से हॉकी इंडिया की संबद्धता समाप्त किए जाने की आशंका भी शामिल है। उच्चतम न्यायालय के इस फैसले के बाद हॉकी इंडिया के चुनाव पांच दिसंबर 2026 को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराने का रास्ता साफ हो गया है।

क्लेटन और रोचिचियोली को पहली बार ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम में मौका, लियोन बाहर

सिडनी, 28 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए 13 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। क्वींसलैंड के बल्लेबाज जैक क्लेटन और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर कोरी रोचिचियोली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वहीं, अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन को टीम में जगह नहीं मिली है। चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला नौ दिसंबर से शुरू होगी। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी में मुकाबले होंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जैक क्लेटन, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशॉ, कोरी रोचिचियोली, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिये न्यूजीलैंड ने चुने 7 तेज गेंदबाज, ओरूर्क और रे की वापसी

वेलिंगटन, 28 नवंबर।

न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए सात तेज गेंदबाजों को टीम में शामिल किया है। विल ओरूर्क और माइकल रे की टीम में वापसी हुई है। ओरूर्क को भारत के खिलाफ हालिया सभी प्रारूपों की श्रृंखला में कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया था।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम : टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल ओरूर्क, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ और विल यंग।

आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब ने यति क्रिकेट अकादमी को हराया

जयपुर, 28 नवंबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब ने यति क्रिकेट अकादमी को 6 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यति क्रिकेट अकादमी की टीम 29.1 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। आयुष यदुवंशी ने 24 रन बनाए। आइडियल की ओर से सोहेल ने 3 तथा वीर और कार्तिक योगी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब ने 19 ओवर में 4 विकेट पर 116 रन बनाकर जीत दर्ज की। विराट शर्मा ने 28 और केतन ने 20 रन बनाए। यति की ओर से परीक्षित ने 2 विकेट लिए। सोहेल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

वियान गुप्ता के पंजे से जयपुरिया एकेडमी की 92 रन से जीत

जयपुर, 28 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में जयपुरिया एकेडमी ने एनबी एकेडमी को 92 रन से हराया। जयपुरिया की जीत में प्रणय अग्रवाल (67 रन), रितुल (52 रन) और वियान गुप्ता (5 विकेट) ने अहम भूमिका निभाई। जयपुरिया एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 6 विकेट पर 224 रन बनाए। प्रणय ने 67, रितुल ने 52 और अमय पारीक ने 47 रन बनाए। जवाब में एनबी एकेडमी की टीम 32.2 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। वियान गुप्ता ने 19 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि काविश ने 2 विकेट लिए।

टीम जयपुर ने 8-5 से जीता 'द ग्वालियर कप' पोलो टूर्नामेंट का खिताब



जयपुर, 28 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शनिवार को खेले गए 'द ग्वालियर कप' (6 गोल) टूर्नामेंट के फाइनल में टीम जयपुर ने विमल एरियन अचीवर्स को 8-5 से हराकर खिताब जीत लिया। विजेता टीम की ओर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 5 गोल किए। जुआन जोस डियाज अल्बर्डी ने 2 और डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम में विश्वराज सिंह राठौड़ भी शामिल थे। वहीं, विमल एरियन अचीवर्स की ओर से क्रिस ल्यूक ने 3, ध्रुवपाल गोदारा और साविर मेहराज गोदारा ने 1-1 गोल किया। टीम में रणवीर सहारण भी खेले।

आज खेला जाएगा एग्जीबिशन मैच - जयपुर पोलो सीजन के तहत रविवार 29 नवंबर को 'एच.एच. द महाराजा ऑफ मैसूर कप' एग्जीबिशन पोलो मैच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा।

राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में दूसरे दिन जयपुर के खिलाड़ियों का दबदबा

जयपुर, 28 नवंबर। राजस्थान वुशू संघ एवं जयपुर जिला वुशू संघ के तत्वावधान में श्री जगमहल पैलेस, लालचंदपुरा में आयोजित 20वीं सीनियर एवं सब जूनियर राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता के दूसरे दिन जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर शान्शु मुकाबलों में जयपुर के गौरव ने 52 किग्रा, मानस ने 56 किग्रा, रुद्रांक्ष ने 60 किग्रा, किरण ने 45 किग्रा, मेघा जोशी ने 48 किग्रा, सुहालिया मंसूरी और जाह्नवी ने 56 किग्रा वर्ग में अपने मुकाबले जीते। सब जूनियर वर्ग में जयपुर के रुद्र गौतम ने 28 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज की। आयोजन अध्यक्ष एवं राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानन्द कटारिया ने बताया कि रविवार को पुरुष एवं महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। दूसरे दिन के समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. कर्मवीर सिंह बेनीवाल और जगमहल पैलेस के डायरेक्टर जगदीश रूंथला का माला एवं शॉल पहनाकर स्वागत किया गया।

महिला अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 28 नवंबर। संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एसीसी अंडर-19 महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने प्रतियोगिता के लिए 15 सदस्यीय भारतीय अंडर-19 टीम का चयन किया है।

टीम में भाविका अहिरे (कप्तान और विकेटकीपर), इरा जाधव, निधि महतो, पूर्वा सिवाच, महक नरवसे, मैत्री मनियार, ईश्वरी आवासरे, दीया यादव, श्रेया एस. चव्हाण (विकेटकीपर), समायरा राघव, कुमारी पलक, उमा काश्वी, अचसा परमार, अनादी तागड़े (उपकप्तान) और पलक सिंह को शामिल किया गया है।

मुशफिकुर का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला

नई दिल्ली, 28 नवंबर। बांग्लादेश क्रिकेट के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल मुशफिकुर रहीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई लेने का फैसला कर लिया है। वह अगले साल इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के दौरान ढाका में अपना आखिरी मुकाबला खेलेंगे।

रघु सिन्हा आईटीएफ मास्टर्स 400 टेनिस टूर्नामेंट को मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

6 से 12 दिसंबर तक जयपुर क्लब में होंगे मुकाबले, अमेरिका-जापान सहित सात विदेशी खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

जयपुर, 28 नवंबर। रघु सिन्हा टेनिस क्लब के प्रतिष्ठित रघु सिन्हा आईटीएफ मास्टर्स 400 टेनिस टूर्नामेंट, जयपुर को वर्ष 2025 के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर का टूर्नामेंट रिकग्निशन अवॉर्ड प्रदान किया गया है। यह सम्मान आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था और खिलाड़ियों की संतुष्टि के लिए दिया गया है। राजस्थान लॉन टेनिस संघ के सचिव राजीव शर्मा ने आईटीएफ की ओर से क्लब को आधिकारिक प्रमाण पत्र प्रदान किया। टूर्नामेंट का आयोजन 6 से 12 दिसंबर तक जयपुर क्लब में होगा। इसमें करीब 160 खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रतियोगिता में अमेरिका के दो, जापान के दो तथा स्लोवाकिया, जर्मनी और इटली के एक-एक खिलाड़ी सहित सात विदेशी



खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। आयोजन समिति के चेयरमैन सुरेंद्र गोलछा ने बताया कि टूर्नामेंट को भविष्य में आईटीएफ एमटी 400 से बढ़ाकर एमटी 700 श्रेणी में ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में देश में एमटी 700 टूर्नामेंट इंदौर और मेरठ में आयोजित होते हैं। जयपुर में भी इस स्तर का टूर्नामेंट होने से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को यहां खेलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को मिलने वाले अंकों के आधार पर भारतीय टीम का चयन भी किया जाता है। जयपुर क्लब के चार टेनिस कोर्ट पर मुकाबले खेले जाएंगे। मैच प्रतिदिन सुबह 8 से रात 8 बजे तक होंगे। पुरुषों में 40 से 80 वर्ष तथा महिलाओं में 30, 40 और 50 वर्ष आयु वर्ग के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि दो लाख रुपये रखी गई है। खिलाड़ियों के लिए स्मृति चिह्न, भोजन, रिफ्रेशमेंट और मेडिकल सुविधाओं के साथ फिजियोथेरेपिस्ट की व्यवस्था भी रहेगी। आयोजन समिति में सुधीर माथुर, प्रदीप जैन, राजेंद्र सिसोदिया, ललित तलेड़ा, नरेश दरियानी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

कुशाग्र के नाबाद शतक से राजस्थान ने हिमाचल को दिया 437 रन का लक्ष्य

जयपुर, 28 नवंबर। बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में राजस्थान ने हिमाचल के खिलाफ तीसरे दिन पहली पारी में 145 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। राजस्थान के गेंदबाज अनिल दारा (4 विकेट) और प्रखर शर्मा (3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान कुशाग्र ओझा ने दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर राजस्थान की स्थिति मजबूत कर दी। हिमाचल ने दूसरे दिन के स्कोर 3 विकेट पर 207 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन राजस्थान के गेंदबाजों ने महज 8 रन जोड़कर उसके शेष सात विकेट 215 रन पर समेट दिए।



अनिल दारा ने 41 रन देकर 4 और प्रखर शर्मा ने 47 रन देकर 3 विकेट लिए। सुमित तेजी और सौभाग्य भाटी को एक-एक विकेट मिला। पहली पारी में 360 रन बनाने वाले राजस्थान ने दूसरी पारी 7 विकेट पर 291 रन बनाकर घोषित की। कप्तान कुशाग्र ओझा ने नाबाद 100 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि रजत बघेल ने 50, आदित्य भाम्भू ने 44 और शौर्यवर्धन शक्तावत ने 33 रन बनाए। यथार्थ भारद्वाज ने 29 और अभय शर्मा ने 24 रन का योगदान दिया। हिमाचल के नौनिहाल ने 3 और साहिल ने 2 विकेट लिए। राजस्थान ने हिमाचल के सामने जीत के लिए 437 रन का लक्ष्य रखा है। मैच का अंतिम दिन शनिवार को खेला जाएगा।

अंडर-16 राजस्थान टीम में बदलाव

बीसीसीआई अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के आगामी मैचों के लिए राजस्थान टीम में बदलाव किया गया है। लाव्या गुप्ता और निलय अरोड़ा को टीम से बाहर किया गया है, जबकि आदित्य रंगा को टीम में शामिल किया गया है।

पेयजल आपूर्ति में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बजट घोषणाओं व लंबित परियोजनाओं को जल्द धरातल पर उतारें

जयपुर, 28 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पेयजल आमजन की मूलभूत आवश्यकता है और इसकी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि पेयजल से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के साथ ही, फील्ड स्तर पर अधिकारियों की सक्रियता और जवाबदेही भी तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने विभाग की बजट घोषणाओं, प्रगतिरत एवं लम्बित परियोजनाओं के साथ-साथ पेयजल आपूर्ति को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता के बीच जाकर जलापूर्ति से संबंधित समस्याओं का निस्तारण कर आमजन का विश्वास अर्जित करें।

उन्होंने अधिकारियों को लम्बित परियोजनाओं की मुख्य सचिव स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं बजट घोषणाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं का विभागीय स्तर पर



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में निर्देश दिए कि स्थायी जल स्रोतों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरुप विकसित एवं संरक्षित कर उनकी उपयोगिता बनाये रखें। जल संसाधनों का अधिकतम और विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें।

त्वरित समाधान करते हुए कार्यों की गति बढ़ाई जाए। साथ ही, उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों को प्राथमिकता देते हुए अधिकाधिक घरों तक नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने जल भवन में "सेंटर ऑफ एक्सलैंस" विकसित करने के निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच के लिए मोबाइल टैस्टिंग वैन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्थायी जल स्रोतों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित एवं संरक्षित कर उनकी उपयोगिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जल संसाधनों का अधिकतम एवं विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने न्यायालयों में विचाराधीन विभागीय प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए प्रभावी पैरवी एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

रविवार को भाजपा ने सभी सांसदों की बैठक बुलाई

नई दिल्ली, 28 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संसद के विशेष सत्र से एक दिन पहले रविवार, 29 नवंबर को अपने सभी सांसदों की बैठक बुलाई है। इसमें सांसदों को नए परिसीमन विधेयक, इससे जुड़े संशोधनों और अन्य संवैधानिक बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक का मुख्य उद्देश्य संसद सत्र से पहले पार्टी के सभी सांसदों को प्रस्तावित विधेयकों के

- उन्हें परिसीमन विधेयक व उसकी बारीकियों के बारे में बताया जायेगा।

प्रावधानों, उनके उद्देश्यों और उनसे जुड़े संवैधानिक पहलुओं को लेकर तैयार करना है। इसके लिए संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीपीए) के सदस्य सांसदों को प्रस्तावित बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। बैठक में परिसीमन विधेयक और उससे संबंधित संवैधानिक संशोधनों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। सीसीपीए के सदस्य सांसदों को बताएंगे कि इन विधेयकों में क्या बदलाव प्रस्तावित हैं और संसद में इन पर चर्चा के दौरान किन महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखना होगा। भाजपा की इस बैठक को आगामी संसद सत्र की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी चाहती है कि सभी सांसद विधेयकों की विषयवस्तु और संवैधानिक प्रावधानों को अच्छी तरह समझें, ताकि संसद में चर्चा के दौरान वे पार्टी का पक्ष प्रभावी ढंग से रख सकें।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से दीपथून स्तंभ पर कार्तिक दीपोत्सव सम्पन्न हुआ

सेवानिवृत्त न्यायाधीश वैद्यनाथन और पार्थिबन इस धार्मिक अनुष्ठान के समय उपस्थित रहे

मदुरै, 28 नवंबर। तमिलनाडु के मदुरै के निकट स्थित ऐतिहासिक तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर शनिवार को कार्तिक दीपोत्सव श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप, पहाड़ी पर स्थित दीपत्तून स्तंभ में ठीक शाम पांच बजे पवित्र दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस दौरान धार्मिक परंपराओं और विधि-विधान के अनुसार दीप आराधना की गई। पहाड़ी की चोटी पर प्रज्ज्वलित ज्योति के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

दीप प्रज्ज्वलन के अवसर पर

- इस अवसर पर कांची श्रीशंकर नारायण पीठ के श्रीश्री शंकर तीर्थ स्वामी ने कहा कि धर्म अपना कर्तव्य उचित समय पर पूरा करता है।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश वैद्यनाथन और पार्थिबन उपस्थित रहे। इसके अलावा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिलाधिकारी और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों की मौजूदगी में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। प्रशासन की ओर से अनुमति प्राप्त 50 श्रद्धालुओं को भी इस आयोजन में शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

इस अवसर पर उपस्थित कांची श्री शंकर नारायण पीठ के श्री श्री शंकर तीर्थ स्वामी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि धर्म अपना कर्तव्य उचित समय पर पूरा करता है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि न्यायपालिका की ओर से दिए गए निर्देशों और यहां की गई व्यवस्थाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन होना चाहिए। उन्होंने इसके लिए प्रार्थना भी की।

आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष गौरान पर अग्रिम कार्यवाही पर रोक

जयपुर, 28 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरजेएस की मुख्य परीक्षा-2011 के पेपर की गोपनीयता भंग होने से जुड़े मामले में आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. हबीब खान गौरान को राहत देते हुए, उनके खिलाफ एसओजी में 2014 में दर्ज केस में आगामी आदेश तक अग्रिम कार्रवाई पर रोक लगा दी है तथा राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह आगामी तारीख से पहले एफएसएल रिपोर्ट के साथ ही सीसीटीवी से संबंधित दस्तावेज भी अदालत में पेश करे। जस्टिव वीके भारवानी ने ये अंतरिम आदेश हबीब खान गौरान की याचिका पर दिए।

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता रिनेश

- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को एफएसएल रिपोर्ट व सीसीटीवी से संबंधित दस्तावेज पेश करने को कहा।

गुप्ता ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट की खंडपीठ के 24 नवंबर 2014 के आदेश और 6 जनवरी 2015 के आदेश के बाद भी, अनुसंधान अधिकारी ने अभी तक सीसीटीवी फुटेज से संबंधित दस्तावेज व एफएसएल रिपोर्ट पेश नहीं की है। ऐसे में करीब 12 साल बीत जाने के बाद भी कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। अदालत ने प्रार्थी पक्ष की दलील सुनकर एसओजी मामले में आगामी पूरी कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

मामले के अनुसार, आरजेएस-2011 की मुख्य परीक्षा मार्च 2013 में हुई थी। इस परीक्षा में हबीब खान गौरान की बेटी भी बतौर अभ्यर्थी शामिल हुई थी। एसओजी का आरोप है कि इस मामले में गौरान पर खुद को परीक्षा से अलग रखने के बावजूद, वे अहमदाबाद की उस प्रिंटिंग प्रेस में गए थे, जहां आरजेएस मुख्य परीक्षा के प्रश्न-पत्र छप रहे थे। इस पर एसओजी ने 2 अक्टूबर 2014 को गौरान के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

'पवार सदा ही पीठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने भी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार पर निशाना साधा है। ये खबरें सामने आई हैं कि एनसीपी (एसपी) संसद में परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए एन.डी.ए. का समर्थन करेगी।

राउत ने दावा किया कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, आगामी परिसीमन विधेयक का समर्थन करने के बदले, केन्द्र और राज्य, दोनों स्तरों पर सत्ता में हिस्सेदारी के लिए कड़ी सौदेबाजी कर रही है।

महाराष्ट्र के सतारा जिले में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा, "कहा जा रहा है कि कुछ पार्टियों ने इस विधेयक का समर्थन करने का फैसला किया है और उनमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) भी शामिल है। यदि वे ऐसा फैसला लेते हैं और इसकी घोषणा करते हैं, तो यह उनकी पार्टी और महाराष्ट्र के भविष्य के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगा।" राउत ने आगे कहा, "ऐसी पार्टी को भविष्य में फुले, शाहू, अम्बेडकर और यशवंतराव चव्हाण का नाम नहीं लेना चाहिए।"

ज्ञातव्य है कि फुले, शाहू और अम्बेडकर महाराष्ट्र के तीन ऐसे प्रमुख समाज सुधारक थे, जिनके विचार पूरे महाराष्ट्र और पूरे देश में सामाजिक न्याय, जातिगत समानता, शिक्षा और लोकतंत्र से जुड़ी चर्चाओं को दिशा देते हैं। यशवंतराव चव्हाण एक स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे। वे कांग्रेस नेता, सहकारिता आंदोलन से जुड़े नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक भी थे। वे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के नेता शरद पवार के राजनीतिक गुरु भी माने जाते हैं।

समर्थन के बदले केन्द्र व महाराष्ट्र में मंत्री पद चाहता है शरद पवार गुट

नई दिल्ली, 28 नवंबर। संसद के आगामी विशेष सत्र से पहले, महाराष्ट्र की राजनीति में बड़े सियासी बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनएसपी-एसपी) के भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने की अटकलों के बीच सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर बातचीत तेज हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, शरद पवार की पार्टी परिसीमन विधेयक पर समर्थन देने और इंडिया गठबंधन से एनडीए में जाने के बदले केन्द्र और महाराष्ट्र, दोनों स्तरों पर मंत्री पद चाहती है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पार्टी संसद में विधेयक के समर्थन से पहले सत्ता में हिस्सेदारी का फॉर्मूला तय करना चाहती है।

रिपोर्ट के अनुसार, एनएसीपी-एसपी नेतृत्व लोकसभा सांसद और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कैबिनेट में मंत्री पद चाहता है। सुप्रिया

- चर्चा है कि कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले केन्द्र में मंत्री बनेंगी और वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल व जितेन्द्र आव्हाड महाराष्ट्र में कैबिनेट मंत्री बनेंगे।

सुले हाल ही में इंडिया गठबंधन की ओर से कथित चुनावी गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर हुए प्रदर्शनों में सक्रिय थीं। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से वे परिसीमन के समर्थन में अपनी बात रख रही हैं।

पार्टी केन्द्र में सुप्रिया सुले के लिए मंत्री पद के साथ ही महाराष्ट्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार में भी दो कैबिनेट मंत्री पद चाहती है। रिपोर्ट के मुताबिक, एनएसपी-एसपी के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल को वित्त मंत्रालय दिए जाने की चर्चा है, जबकि जितेन्द्र आव्हाड को एक अन्य कैबिनेट विभाग मिल सकता है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि शरद पवार द्वारा सुप्रिया सुले को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाने की मांग किए जाने की खबरों को खारिज किया गया है। सुप्रिया सुले ने खुद इन दावों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा में उनकी पार्टी के केवल 10 विधायक हैं।

मुख्यमंत्री मान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिलहाल वे माझा क्षेत्र की खडूर साहिब लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह क्षेत्र पहले अलगाववादी उग्रवाद का गढ़ रहा है। उनकी पार्टी अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के सूत्रों ने बताया कि दूसरी विधानसभा सीट खेमकरण होगी, जो उनके लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है।

'जब्त किए गए गांजे को एफएसएल में भेजने में देरी क्यों'

जयपुर, 28 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एनडीपीएस से जुड़े एक मामले में जब्त गांजे को पाँच महीने तक थाने में रखने और एफएसएल में देरी से भेजने पर पुलिस कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है तथा मामले के आईओ सहित, अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ करौली एसपी को विस्तृत जांच कर चार महीने में रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है।

अदालत ने एसपी को कहा है कि यदि पुलिसकर्मी दोषी पाए जाएं तो उनके खिलाफ कानूनी प्रावधानों के तहत विभागीय कार्रवाई की जाए। जस्टिस रवि चिरानिया ने ये आदेश आरोपी अजय कुमार शर्मा को जमानत देते हुए दिए। अदालत ने पाया कि जब्त मादक पदार्थ करीब पांच महीने तक पुलिस थाने में रखा रहा और इन्वेंट्री बनाने और एफएसएल में

- हाईकोर्ट ने करौली एसपी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी व आरोपी को जमानत दी।

नमूने भेजने में देरी हुई, लेकिन देरी का उचित स्पष्टीकरण रिकॉर्ड पर नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि एनडीपीएस के मामलों में कठोर सजा का प्रावधान है। जांच अधिकारी का दायित्व है कि वह एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित कानून का सख्ती से पालन करे। अधिवक्ता डॉ. विभूतिभूषण शर्मा ने अदालत को बताया कि पुलिस ने जब्त मादक पदार्थ को नमूने के लिए भेजने में देरी की और दस्तावेजों में विरोधाभास है।

बीजापुर में नक्सली डम्प से 3.84 किलो सोना बरामद

बीजापुर, 28 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में इंद्रावती नदी के आसपास के जंगलों से सुरक्षाबलों ने जमीन में छिपाकर रखा गया नक्सली डम्प बरामद किया है। इसमें 3.84 किलोग्राम सोना और 24 लाख 22 हजार 500 रुपये नकद मिले हैं। बरामद सोने की अनुमानित कीमत चार करोड़ 29 लाख रुपये बताई गई है। बीजापुर पुलिस के अनुसार, शनिवार को भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में इंद्रावती नदी के आसपास के जंगलों में जमीन के अंदर नक्सली डम्प छिपाकर रखे जाने की सूचना मिली थी। इसके आधार पर बीजापुर के पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाया।

पौड़ी गढ़वाल में इको कार खाई में गिरी, 8 की मौत

तीन सौ मीटर नीचे गिरी कार में 12 लोग सवार थे, चार को सुरक्षित बाहर निकाला गया

पौड़ी गढ़ वाल, 28 नवंबर। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़ वाल जिले के रिखणीखाल क्षेत्र में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कलवाड़ी गांव के समीप यात्रियों से भरी इको कार अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 300 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हैं। दुर्घटना के समय वाहन में चालक सहित कुल 12 लोग सवार थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें

- पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद खाई में फंसे चार घायलों को बाहर निकाला जा सका।

मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद खाई में फंसे चारों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। आठों मृतकों के शव भी खाई से निकाल लिए गए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा ने बताया कि वाहन रिखणीखाल से भंगलवाड़ की ओर जा रहा था, जब कलवाड़ी के पास यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू अभियान के दौरान अब तक 4 घायलों को खाई से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि 8 लोगों की इस सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई है।

गतिरोध रोकने के लिए केन्द्र का 50 प्रतिशत सीट वृद्धि फॉर्मूला

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। केन्द्र सरकार ने रिवाइज्ड डीलिमिटेशन फार्मूले को मंजूरी दे दी है। इसमें लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं की सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इसके साथ ही, 2051 तक राज्यों के बीच लोकसभा सीटों के मौजूदा इंटरस्टेट बंटवारे को सुरक्षित रखने की कोशिश की गई है। इस कदम का उद्देश्य एक ऐसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील और विवादित मुद्दे का समाधान करना है, जिसने केन्द्र और राज्यों के बीच संबंधों में तनाव पैदा कर दिया है, खासकर दक्षिणी राज्यों के साथ, जिन्हें डर है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होने से उनकी संसदीय हिस्सेदारी कम हो सकती है, क्योंकि उन्होंने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को संविधान (132वां संशोधन) विधेयक के संशोधित मसौदे

- इससे संसद में राज्यों की सीटों का वर्तमान अनुपात सुरक्षित रहेगा।

को मंजूरी दे दी। उम्मीद है कि यह विधेयक 30 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में पेश किया जाएगा। इससे जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व और फैडरल (संघीय सिद्धांत) के बीच संतुलन को लेकर एक बार फिर राजनीतिक टकराव की स्थिति बन सकती है।

प्रस्तावित फार्मूले के तहत लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 हो जाएगी। इसमें राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकतम 815 सदस्य और केन्द्रशासित प्रदेशों के 35 सदस्य होंगे। प्रत्येक राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश को उसकी मौजूदा सीटों की संख्या के मुकाबले 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलेगी। राज्यों की विधानसभाओं की अधिकतम सदस्य संख्या भी 500 से बढ़ाकर 650 हो जाएगी।

हाई कोर्ट ने कलकत्ता में स्पीकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोबारा तय करेंगे कि नेता प्रतिपक्ष कौन होना चाहिए।

अदालत ने निर्देश दिया है कि विधानसभा अध्यक्ष को दस दिनों के भीतर नए नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा करनी होगी।

इस फैसले के बाद, जब तक विधानसभा अध्यक्ष नए नेता प्रतिपक्ष का नाम घोषित नहीं करते, तब तक विधानसभा में कोई आधिकारिक नेता प्रतिपक्ष नहीं होगा। यह फैसला न केवल भ्रम पैदा करने वाला है, बल्कि संसदीय व्यवस्था के तर्कों को भी उलझाता है।

ऋतब्रत बंद्योपाध्याय को विधानसभा के 58 से 60 निर्वाचित सदस्यों का समर्थन हासिल था, इसके बावजूद उन्हें नेता प्रतिपक्ष के पद से हटा दिया गया।

विडंबना यह है कि नई विधानसभा में बागी तृणमूल कांग्रेस विधायकों के ऋतब्रत गुट के साथ टीएमसी के लगभग 60 विधायक हैं, इसके मुकाबले, मूल तृणमूल कांग्रेस के साथ लगभग 20 विधायक हैं।

चुनाव में करारी हार के तुरंत बाद, जब ममता बनर्जी लगातार यह दावा कर रही थीं कि उनकी हार नहीं हुई है, तब उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के सीधे उकसावे पर तृणमूल कांग्रेस के हारे हुए गुट ने अपने विधायक शोभनदेव को नेता प्रतिपक्ष बनाने का दावा पेश किया। इसके लिए विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक औपचारिक पत्र भी विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा गया था।

हालांकि, बाद में पता चला कि स्पीकर को सौंपे गए उस पत्र में, जिसमें शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष बनाने का दावा किया गया था, कई फर्जी हस्ताक्षर थे। निर्वाचित विधायकों ने खुद अपने नाम नहीं लिखे थे, बल्कि उनके हस्ताक्षर किसी और तरीके से किए गए थे।

इस बीच, कई अन्य संवैधानिक और कानूनी मुद्दे भी सामने आ गए, जिससे नेता प्रतिपक्ष के चयन का मामला और उलझ गया। बागी विधायक एकजुट होकर दावा करने लगे कि असली तृणमूल कांग्रेस वही हैं और ममता बनर्जी के साथ बचा हुआ गुट तो पार्टी का केवल एक छोटा हिस्सा है।

बागी विधायकों ने पार्टी के चुनाव चिह्न और बैंक खातों पर भी अपना अधिकार जताया। इन दोनों ही मामलों में अब तक अनिश्चितता बनी हुई है। पार्टी का चुनाव चिह्न फिलहाल फ्रीज़ कर दिया गया है और दोनों गुटों को इससे वंचित रखा गया है। हजारों करोड़ रुपये की पार्टी की धनराशि भी दोनों गुटों की पहुंच से बाहर है।

पार्टी के धन के दुरुपयोग को लेकर भी मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग करने वाले पत्र पर फर्जी हस्ताक्षर को लेकर कई मामले लंबित हैं। इस फर्जीवाड़े के मामले में मुख्य आरोपियों में से एक अभिषेक बनर्जी भी हैं।

ऐसी स्थिति में ममता गुट पर दबाव बनाने के लिए फर्जी हस्ताक्षर का मामला एक बार फिर खोला जा सकता है।

बुजुर्ग को कुचलकर मारने वाला कार चालक गिरफ्तार

जयपुर, 28 नवम्बर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने सिंधी कॉलोनी कच्ची बस्ती में तेज रफ्तार कार से बुजुर्ग को कुचलकर मौत के घाट उतारने के मामले में आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शनिवार सुबह आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही दुर्घटनाग्रस्त कार भी जब्त कर ली। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

थाना प्रभारी सरला यादव के अनुसार, घटना 27 नवंबर को दोपहर करीब 4:30 बजे सिंधी कॉलोनी कच्ची बस्ती में हुई थी। यहां घर के बाहर कुर्सी पर बैठकर धूप सेंक रहे मोहन लाल (66) को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी।

थाना प्रभारी सरला यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान तेज प्रकाश शर्मा (28), निवासी रामपुरा पावटा के रूप में हुई है। वह लालकोठी स्थित आईसीआईसीआई

- चालक आईसीआईसीआई बैंक के ऋण विभाग में कार्यरत है व मित्र की कार लौटाने जा रहा था।

बैंक के ऋण विभाग में कार्यरत है। आरोपी अपने दोस्त निशांत से कार उधार लेकर गया था। निशांत जवाहर नगर का निवासी है और एचडीएफसी बैंक में नौकरी करता है।

थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपी शुक्रवार को अपने दोस्त निशांत को कार लौटाने जा रहा था। कार में लगे नक्शे के माध्यम से रास्ता खोजते समय वह लोकेशन भूल गया और मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चला रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार के चलते, उसने कार से नियंत्रण खो दिया और बुजुर्ग को टक्कर मार दी।

शिखर अग्रवाल को सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह ताजा घटनाक्रम हाईकोर्ट के उस निर्देश के एक सप्ताह से कुछ अधिक समय बाद सामने आया है, जिसमें राज्य सरकार को अग्रवाल की याचिका पर तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा गया था।

हाईकोर्ट में अग्रवाल ने अपने वकीलों के माध्यम से दावा किया था कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत जांच की मंजूरी देने की प्रक्रिया में "कई स्पष्ट खामियां और प्रक्रियागत अनियमितताएं थीं।"

उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार ने उनके खिलाफ जांच की मंजूरी देने में गलती की है। उनके अनुसार, यह मंजूरी "बिना तथ्यों और परिस्थितियों पर उचित विचार किए जल्दबाजी में दी गई, जिससे इस मंजूरी की वैधता और औचित्य पर गंभीर सवाल उठते हैं।"

19 नवंबर को राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल उमर उपमन की पीठ ने कहा था कि राज्य सरकार की ओर से रिट याचिका पर जवाब दाखिल किए जाने के बाद ही इन दावों की जांच की जा सकती है।

हाईकोर्ट ने कहा था, "इसलिए अंतरिम राहत की मांग पर अगली सुनवाई की तारीख पर विचार किया जाएगा।" अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तारीख तय की थी।

इससे ठीक एक दिन पहले एसीबी ने अग्रवाल और गोयल फैशन्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

एफआईआर में मुख्य रूप से यह आरोप लगाया गया है कि अक्टूबर 2023 से अक्टूबर 2026 के बीच अग्रवाल और उनके परिवार ने गोयल फैशन्स के अनंता रिसॉर्ट्स से उदयपुर, अलवर और जयपुर में कुल 64 विला बेहद कम कीमतों पर खरीदे थे।

इसके बदले कंपनी को अग्रवाल के माध्यम से अनुचित लाभ मिला। यह लाभ तब मिला, जब अग्रवाल अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर थे। इससे पहले उदयपुर के जिला कलेक्टर और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने कथित तौर पर कंपनी को लाभ पहुंचाया था।

वित्त विभाग ने 27 मार्च 2026 को कंपनी के लिए एक विशेष पैकेज (कस्टमाइज्ड पैकेज) जारी किया था। उसी दिन अग्रवाल और उनके परिवार के सदस्यों ने अलवर के अजबगढ़ में 20 विला खरीदे थे। आरोप है कि कंपनी को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2019 के सामान्य प्रावधानों के बजाय, इसी विशेष पैकेज के तहत लाभ दिए गए थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908